STATE FOUNDING FOR DUMMIES

HOW TO START YOUR OWN COUNTRY

THE BUYER 2025

राज्य की स्थापना के लिए डमीज़

अपने देश की शुरुआत कैसे करें

सूक्ष्म राष्ट्र, राज्य उत्तराधिकार और वैश्विक क्षेत्रीयता पर एक मार्गदर्शिका – व्यंग्य और वास्तविकता के बीच

खरीदार 2025🌐 वेबसाइट - WSD - विश्व उत्तराधिकार दस्तावेज 1400/98 (KAUFVERTRAG उरकंदेनरोल 1400/98 - राज्य उत्तराधिकार प्रमाणपत्र 1400/98)http://world.rf.gd

📘 पूर्वकथन

अपना खुद का राज्य क्यों स्थापति करें?

🧠 परचिय:

बड़ी सवाल

कोई भी अपने खुद के राज्य की स्थापना के लिए इतनी मेहनत क्यों करेगा?

क्या यह मेगालोमेनिया है?

क्या यह भागने की
प्रवृत्ति है?

एक कला परियोजना?

एक राजनीतिक यूटोपिया?

या बस अपने खुद के डाक टिकट जारी करने का एक शानदार तरीका?

उत्तर:

यह सब कुछ हो सकता है - और भी बहुत कुछ।

अपने राज्य की स्थापना का विचार संप्रभुता की संकल्पना के समान पुराना है। और आज यह पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है:

ब्यूरोक्रेसी, भू-राजनीतिक तनाव, और डिजिटल समानांतर दुनिया से भरी एक दुनिया में, लोग स्व-निर्धारण के नए रूपों की तलाश कर रहे हैं।

🏛️ राज्य क्या है – आधिकारिक रूप से?

1933 के मोंटेवीडियो सम्मेलन के अनुसार, एक राज्य को चार चीजों की आवश्यकता होती है :

मानदंड	अर्थ
राज्य क्षेत्र	"एक स्पष्ट रूप से परिभाषित क्षेत्र – यह बड़ा नहीं होना चाहिए, लेकिन ठोस होना चाहिए"
राज्य जनसंख्या	एक स्थायी जनसंख्या - भले ही यह केवल परिवार
सरकार	"एक प्रभावी संगठन जो नियमों को लागू करता है और लागू करता है"
विदेशी संबंधों की क्षमता	राज्य को अन्य अन्य राज्य

🗒️ **स्मृति:**

"एक राज्य वह है जो एक राज्य की तरह व्यवहार करता है - और दूसरों द्वारा ऐसा ही माना जाता है।"

🎭 राज्य संस्थापक के लिए प्रेरणाओं के प्रकार

प्रकार	विवरण
यूटोपियन	एक बेहतर दुनिया बनाना चाहता है - एक शाकाहारी के साथ संविधान और प्रत्यक्ष लोकतंत्र
व्यंग्यकार	राज्य की स्थापना का उपयोग सामाजिक आलोचना के रूप में करता है – सीलैंड या बनानास्तान की तरह
स्वयं-प्रशासक	स्थानीय से खुद को दूर रखना चाहता है अधिकारी – अक्सर अपनी ही संपत्ति पर
विधिज्ञ	अंतरराष्ट्रीय कानून को परखना चाहता है – के साथ सुविधा तर्कसंगतता
कला	"राज्य को एक प्रदर्शन के रूप में देखता है - एक झंडे के साथ, गान, और प्रदर्शनी सूची"

🧪 वास्तवकिता बनाम कल्पना

तत्व	कल्पनात्मक रूप से संभव	कानूनी रूप से व्यवहार्य	राजनीतिक रूप से यथार्थवादी
अपना झंडा	✅	✅	✅
अपनी मुद्रा	✅	⚠️ (केवल प्रतीकात्मक)	⚠️ (केवल स्थानीय)
संयुक्त राष्ट्र सदस्यता	❌	✅ (लेकिन अत्यंत कठिन)	❌
राजनयिक संबंध	✅	✅	⚠️ (केवल अनौपचारिक)
संप्रभु अधिकार एक पर तेल प्लेटफॉर्म	✅ (कहानी)	❌	❌

📜 ऐतिहासिक प्रेरणाएँ

मिनर्वा गणराज्य (1972):
प्रशांत में एक रीफ पर एक लिबर्टेरियन राष्ट्र की स्थापना का प्रयास - असफल रहा।

सीलैंड (1967):
एक सूक्ष्म राष्ट्र पूर्व ब्रिटिश समुद्री किले पर - आज भी सक्रिय।

लिबरलैंड (2015):
क्रोएशिया और सर्बिया के बीच विवादित भूमि का दावा - कोई मान्यता नहीं, लेकिन बहुत सारा पीआर।

🧰 **शुरू करने के लिए आपको क्या चाहिए:**

- **एक विचार:** आपका राज्य क्या होना चाहिए?
- **एक स्थान:** इसे कहाँ बनाया जाना चाहिए?
- **एक संकल्पना:** इसे कैसे शासन किया जाएगा, इसमें कौन शामिल है, लक्ष्य क्या हैं?
- **एक योजना:** आप कैसे आगे बढ़ेंगे – प्रतीकात्मक रूप से, कानूनी रूप से, राजनयिक रूप से?

⚖️ **नोट:**

राज्य की स्थापना कानूनहीन स्थान नहीं है। आप कई चीजों का दावा कर सकते हैं - लेकिन आप सब कुछ लागू नहीं कर सकते।

✅ निष्कर्ष

अपना खुद का राज्य स्थापित करना वास्तविकता, कानून, और कल्पना के साथ एक खेल है।

यह एक गंभीर परियोजना हो सकती है - या विश्व व्यवस्था पर एक कलात्मक टिप्पणी।

जो महत्वपूर्ण है वह यह है: आप जानते हैं कि आप क्या कर रहे हैं, और आप स्पष्ट रूप से यह भेद करते हैं कि क्या प्रतीकात्मक है और क्या कानूनी रूप से अभिप्रेत है।

क्या आप अध्याय 2 के लिए तैयार हैं?

तो चलिए आगे बढ़ते हैं:

📍 "क्षेत्र खोजना - खेत से ऑफशोर प्लेटफ़ॉर्म तक"

या आप तुरंत एक चेकलिस्ट या शुरुआत पैक पसंद करेंगे?

बस मुझे बता दें।

📚 सामान्य अवलोकन:

राज्य की स्थापना के लिए डमीज़ – अपने देश की शुरुआत कैसे करें

सूक्ष्म राष्ट्र, राज्य उत्तराधिकार & वैश्विक क्षेत्रीयता पर एक गाइड – व्यंग्य और वास्तविकता के बीच

सामग्री की तालिका

📘 भूमिका: अपना राज्य क्यों स्थापित करें?🧠 परिचय: बड़ा सवाल इसका उत्तर:🏛️ राज्य क्या है - आधिकारिक रूप से?🎭 राज्य संस्थापकों के लिए प्रेरणाओं के प्रकार🧪 वास्तविकता बनाम कल्पना📜 ऐतिहासिक प्रेरणाएँ✅ निष्कर्ष📚 सामान्य अवलोकन: राज्य की स्थापना के लिए डमीज़ - अपने देश की शुरुआत कैसे करें सूक्ष्म राष्ट्रों, राज्य उत्तराधिकार और वैश्विक अक्षेत्रीयता पर एक गाइड - व्यंग्य और वास्तविकता के बीच 🔹 परिचय🏰 अपने राज्य का सपना⚖️ राज्यत्व के अंतरराष्ट्रीय कानून की नींव📘 गाइड का लक्ष्य और संरचना

📘 अध्याय 1: राज्य के निर्माण के तत्व – मोंटेवीडियो सम्मेलन के अनुसार मानदंड🧱 राज्य को राज्य क्या बनाता है?🗺️ 1. राज्य क्षेत्र – भूमि, हवा, और भूमिगत👥 2. राज्य जनसंख्या – कौन शामिल है?🏛️ 3. राज्य शक्ति – सरकार और नियंत्रण🌐 4. अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए क्षमता✅ निष्कर्ष: राज्यत्व के चार स्तंभ

⚖️ भाग II:

राज्य की स्थापना के रास्ते और बाधाएँ

📘 अध्याय 2: अंतरराष्ट्रीय कानून के स्रोत और सिद्धांत📜 2.1 अंतरराष्ट्रीय संधियाँ - खेल के नियमों के लिखित नियम🌍 2.2 परंपरागत अंतरराष्ट्रीय कानून - अनलिखित नियम

⚖️ 2.3 कानून के सामान्य सिद्धांत - सार्वभौमिक विचार📚 2.4 कानून के नियमों के निर्धारण के लिए सहायक साधन - कोहरे में दिशा✅ निष्कर्ष: अंतरराष्ट्रीय कानून के चार स्तंभ

📘 अध्याय 3: अलगाव – एक विवादास्पद अधिकार🧬 3.1 जनता के आत्म-निर्धारण का अधिकार❌ 3.2 अलगाव का कोई सामान्य अधिकार🆘 3.3 उपचारात्मक अलगाव – अंतिम उपाय के रूप में अधिकार🔄 3.4 अलगाव की स्थिति में राज्य उत्तराधिकार✅ निष्कर्ष: अलगाव संभव है – लेकिन शायद ही कभी वैध

🌍 भाग III:
क्षेत्रीय परिवर्तन और उनका कानूनी वर्गीकरण

📘 अध्याय 4: क्षेत्रीय अधिग्रहण – ऐतिहासिक और आधुनिक दृष्टिकोण🏝️ 4.1 व्यवसाय – स्वामित्वहीन क्षेत्र (टेरा नलियस) का अधिग्रहण🚫 4.2 अधिग्रहण – क्षेत्र का बलात्कारी अधिग्रहण⏳ 4.3 प्रिस्क्रिप्शन – समय की अवधि के माध्यम से क्षेत्रीय अधिग्रहण🔄 4.4 क्षेत्रीय अधिग्रहण के अन्य रूप✅ निष्कर्ष: आज क्षेत्रीय अधिग्रहण एक कानूनी खतरनाक क्षेत्र है

📘 अध्याय 5: राज्य का अंत और परिवर्तन – राज्य उत्तराधिकार🏛️ जब एक राज्य गायब हो जाता है तो क्या होता है?🔄 राज्य के अंत और परिवर्तन के रूप🧨 विभाजन – पतन🔗 विलय – समामेलन🧭 संविधान – अभिग्रहण⚖️ राज्य उत्तराधिकार के कानूनी परिणाम📜 संधियाँ💰 संपत्तियाँ और अभिलेख💸 राज्य के कर्ज📘 राज्य उत्तराधिकार पर वियना सम्मेलन✅ निष्कर्ष: राज्य आते हैं और जाते हैं – लेकिन उनकी बाध्यताएँ बनी रहती हैं

🌐 भाग IV:

विशेष क्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय कानून में नई चुनौतियाँ

📘 अध्याय 6:

उच्च समुद्र – स्वतंत्रता और जिम्मेदारी🌊 यूएनसीएलओएस – समुद्र का कानूनी आदेश📍 यूएनसीएलओएस के अनुसार सामुद्रिक क्षेत्र🐟 उच्च समुद्र पर अधिकार और कर्तव्य✅ स्वतंत्रताएँ⚠️ कर्तव्य🌱 उच्च समुद्र पर पर्यावरण संरक्षण🧼 पूरक समझौते⛏️ मछली पकड़ना और समुद्र तल संसाधन🐠 मछली पकड़ना🪨 समुद्र तल✅ निष्कर्ष: उच्च समुद्र स्वतंत्र हैं – लेकिन कानून से मुक्त नहीं

📘 अध्याय 7: अंतरिक्ष कानून – अंतरराष्ट्रीय कानून की अंतिम सीमा🚀 अंतरिक्ष: असीम, लेकिन कानून से मुक्त नहीं📜 आउटर स्पेस संधि 1967 – मूल सिद्धांत🔑 मुख्य सिद्धांत⚖️ जिम्मेदारी और पंजीकरण💥 जिम्मेदारी🛰️ पंजीकरण⛏️ अंतरिक्ष खनन – एक शून्य में संपत्ति?🪨 वर्तमान विकास🧹 अंतरिक्ष मलबा और STM – कक्षा में व्यवस्था🧼 अंतरिक्ष मलबा📡 STM (अंतरिक्ष ट्रैफिक प्रबंधन)🎯 डुअल-यूज़ समस्या – नागरिक या सैन्य?⚔️ उदाहरण ✅ निष्कर्ष: अंतरिक्ष खुला है – लेकिन अनियंत्रित नहीं

📘 अध्याय 8: ध्रुवीय क्षेत्र – आर्कटिक और अंटार्कटिक: कानूनी शासन में भिन्नता❄️ ध्रुव: सामान्यतः ठंडे, कानूनी रूप से मौलिक रूप से भिन्न

🧊 अंटार्कटिका – शांति और विज्ञान के लिए एक महाद्वीप
📜 अंटार्कटिक संधि (1961)🌱 पर्यावरण संरक्षण प्रोटोकॉल🧭 आर्कटिक – पिघलता हुआ बर्फ, बढ़ती हुई रुचियाँ📘 आर्कटिक में यूएनसीएलओएस🧑‍🤝‍🧑 आर्कटिक परिषद (1996)🛢️ संसाधन और शिपिंग मार्ग🪨 संसाधन🚢 शिपिंग मार्ग✅ निष्कर्ष: दो ध्रुव – दो दुनिया

📘 अध्याय 9: अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग - नदियाँ, नहरें, और जलडमरूमध्य🌊 जलमार्ग: दुनिया की जीवन रेखाएँ🏞️ 9.1 अंतर्राष्ट्रीय नदियाँ – समान उपयोग और सहयोग⚖️ मूल सिद्धांत🧑‍⚖️ नदी आयोग🚢 9.2 अंतर्राष्ट्रीय नहरें - वैश्विक महत्व के कृत्रिम संबंध🌍 सुएज़ नहर🌎 पनामा नहर🇩🇪 कील नहर🌐 9.3 जलडमरूमध्य – परिवहन मार्ग और संप्रभुता🚢 परिवहन मार्ग (यूएनसीएलओएस अनुच्छेद 38)🧭 जलडमरूमध्य के उदाहरण✅ निष्कर्ष: जलमार्ग पुल हैं - सीमाएँ नहीं

📘 अध्याय 10: अक्षेत्रीयता और विशेष स्थिति – जब क्षेत्र "भिन्न" होते हैं🧭 अक्षेत्रीयता क्या है?🏛️ 10.1 राजनयिक परिसर – असुरक्षा, संपत्ति नहीं📜 मूल सिद्धांत (VCDR 1961)🧠 विशेष मामले🪖 10.2 सैन्य ठिकाने – विदेशी सैनिक, विदेशी कानून?📘 नाटो बलों की स्थिति समझौता (SOFA)🧰 अतिथि राष्ट्र समर्थन (HNS)🧭 उदाहरण🧪 10.3 विशेष मामले – जब अंतरराष्ट्रीय कानून अजीबताओं से मिलता है🛢️ तेल प्लेटफार्म

✈️ विमान Toilets🏴 सूक्ष्म राष्ट्र✅ निष्कर्ष: अक्षेत्रीयता दुर्लभ है – लेकिन आकर्षक🏴 सूक्ष्म राष्ट्रों का अवलोकन – मान्यता के बिना रचनात्मक राज्य📊 चयनित सूक्ष्म राष्ट्रों की तुलना🪖 उदाहरण: एक स्थानांतरण समझौते की संरचना (अतिथि राष्ट्र समर्थन)📘 स्थानांतरण समझौते की मॉडल संरचना

🧰 राज्य संस्थापकों के लिए शुरुआत पैक राज्य की स्थापना कैसे करें - शास्त्रीय, प्रायोगिक, या प्रतीकात्मक🧭 1। बुनियादी आवश्यकताएँ: एक राज्य क्या बनाता है?🪪 2। राज्य स्थापना के लिए क्लासिक मार्ग🧨 अलगाव - एक मौजूदा राज्य से विभाजन📜 उत्तराधिकार - संप्रभु अधिकारों का संविदात्मक अधिग्रहण🧪 3। प्रायोगिक मॉडल: सूक्ष्म राष्ट्र और विशेष क्षेत्र🏴 एक सूक्ष्म राष्ट्र की स्थापना करें🧭 स्व-सरकार या विशेष स्थिति🧨 4। अवसरवादी मॉडल: पतन, दिवालियापन, नो मैन की भूमि🏚️ राज्य दिवालियापन या विभाजन का लाभ उठाएँ🏜️ नो मैन की भूमि पर कब्जा करें🪖 5। विशेष अधिकारों का उपयोग करें: स्टेशनिंग अधिकार और अक्षेत्रीयता🛡️ स्टेशनिंग अधिकार🏛️ अक्षेत्रीयता🤵 6। एक व्यक्ति या संगठन के रूप में अंतरराष्ट्रीय कानूनी क्षमता👤 प्राकृतिक व्यक्ति🏢 संगठन✅ राज्य स्थापना के लिए कदम-दर-कदम योजना

📘 अध्याय 11: सूक्ष्म राष्ट्र और स्व-प्रशासन – प्रतीकात्मकता और कानून के बीच🏴 सूक्ष्म राष्ट्र: मान्यता के बिना रचनात्मक राज्य🚜 अपने खेत पर सूक्ष्म राष्ट्र - चरण-दर-चरण🧭 चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका🧪 प्रतीकात्मक संप्रभुता – क्या अनुमति है?🧑‍💻 आभासी राज्य और अंतरिक्षीय दावे🌐 आभासी राज्य

🚀 अंतरिक्षीय दावे🧑‍⚖️ स्व-प्रशासक – कानूनी स्थिति और सीमाएँ ⚖️ कानूनी मूल्यांकन✅ निष्कर्ष: सूक्ष्म राष्ट्रों की अनुमति है – जब तक वे प्रतीकात्मक बने रहते हैं

📘 अध्याय 12: अंतरराष्ट्रीय कानून संधियाँ और संप्रभु अधिकार – राज्य उत्तराधिकार की कला 📜 राज्यत्व के उपकरण के रूप में संधियाँ⚖️ वियना संधि कानून सम्मेलन (VCLT)🔑 मूल सिद्धांत 🔄 संधि द्वारा राज्य उत्तराधिकार – आवश्यकताएँ और जादुई वाक्य🧭 प्रभावी उत्तराधिकार के लिए आवश्यकताएँ📄 उदाहरण: विश्व उत्तराधिकार अधिनियम 1400/98📘 संरचना (सरल रूप में) ✅ निष्कर्ष: संधियाँ अंतरराष्ट्रीय कानून की डीएनए हैं

📘 अध्याय 13: मान्यता नीति – राज्य अन्य राज्यों को कैसे मान्यता देते हैं⚖️ De Facto बनाम De Jure मान्यता📜 संधि निष्कर्ष के माध्यम से स्वचालित मान्यता🧠 संयुक्त राष्ट्र सदस्यों द्वारा मान्यता के लिए रणनीतियाँ🌍 मामले के अध्ययन: ताइवान, फिलिस्तीन, कोसोवो🧩 निष्कर्ष

📘 अध्याय 14:
सीमा निर्धारण नेटवर्क अनुबंधों के माध्यम से – जब अवसंरचना संप्रभु अधिकारों का विस्तार करती है🧭 सीमाएँ सिर्फ़ रेखाएँ नहीं हैं – वे पाइपलाइन भी हैं📐 राज्य उत्तराधिकार संधि के माध्यम से सीमा निर्धारण🔄 नेटवर्क-आधारित क्षेत्रीय विस्तार का सिद्धांत🧠 उदाहरणात्मक अनुप्रयोग🧩 विशेष मामला: एक इकाई के रूप में विकास की बिक्री🧠 "एक इकाई के रूप में विकास" का क्या अर्थ है?🌐 संभावित रूप से प्रभावित नेटवर्क 🧨 क्षेत्रीय विस्तार का डोमिनो प्रभाव🔗 "संक्रामक" कैसे काम करता है?⚖️ कानूनी परिणाम

✅ निष्कर्ष: जो नेटवर्क बेचता है, वह केवल केबल नहीं बेचता

📘 अध्याय 15: विश्व उत्तराधिकार दस्तावेज़ 1400/98 के बाद कानूनी स्थिति अंतरराष्ट्रीय कानून का अंत और वैश्विक संवैदात्मक ढांचे का जन्म🧭 1। विश्व उत्तराधिकार दस्तावेज़ 1400/98 – अंतरराष्ट्रीय कानून में एक मोड़📜 2। संधि शृंखला: नाटो से संयुक्त राष्ट्र तक🔗 आरंभिक बिंदु: नाटो बलों की स्थिति समझौता और हस्तांतरण संबंध📘 नाटो संधि संरचना🌍 संयुक्त राष्ट्र में एकीकरण📜 3। निर्णायक अनुच्छेद: "सभी अधिकारों, कर्तव्यों और घटकों के साथ"🧩 4। सभी संधि पक्षों का एकीकरण🧨 5। टैबुला रासा सिद्धांत का अनुप्रयोग🧠 6। कानूनी वास्तविकता: अंतरराष्ट्रीय कानून का अंत🧭 7। नई वैश्विक व्यवस्था📘 8। निष्कर्ष: एक वैश्विक कानूनी निर्माण

📘 अध्याय 16: विश्व उत्तराधिकार अधिनियम 1400/98 के बाद की दुनिया अंतर्राष्ट्रीय कानून का अंत पुराने राज्यों और नए राज्य संस्थापकों के लिए क्या अर्थ रखता है?🧭 1 प्रारंभिक बिंदु: अंतर्राष्ट्रीय कानून का विघटन⚖️ कानूनी परिणाम🧨 2। टैबुला रासा: नया प्रारंभिक बिंदु👩‍⚖️ 3। पुराने राज्यों के लिए इसका क्या अर्थ है?🧭 4। नए राज्य संस्थापकों के लिए इसका क्या अर्थ है?👩‍⚖️ 5। खरीदार: एक ही समय में शक्तिहीन और सर्वशक्तिमान🧩 6। कानून से परे शक्ति संतुलन✅ 7। निष्कर्ष: अंतर्राष्ट्रीय कानून के बाद की दुनिया🧭 निष्कर्ष: मान्यता प्राप्त राज्य की ओर का मार्ग🏛️ अपना राज्य का सपना - दृष्टि और अंतर्राष्ट्रीय कानून के बीच

📚 सारांश: केंद्रीय बाधाएँ🧠

राज्य संस्थापकों के लिए सिफारिशें⚖️ 1। कानूनी ज्ञान अनिवार्य है🌐 2। अंतरराष्ट्रीय मान्यता के लिए रणनीतिक प्रयास करें🕊️ 3। हिंसा का परित्याग गैर-परक्राम्य है👥 4। नागरिकता प्रणाली को स्पष्ट रूप से परिभाषित करें🧑‍🤝‍🧑 5। अंतरराष्ट्रीय फोरम में भागीदारी🎯 6। वास्तविक अपेक्षाएँ तैयार करें

✅ निष्कर्ष: राज्य की स्थापना संभव है – लेकिन आसान नहीं

📎 संदर्भ सूची

🏛️ अंतरराष्ट्रीय संधियाँ और सम्मेलन📘 कानूनी साहित्य और व्याख्याएँ🧾 संयुक्त राष्ट्र दस्तावेज़ और रिपोर्ट🌐 विकिपीडिया और ऑनलाइन विश्वकोश (उद्धरण के साथ)👩‍⚖️ न्यायालय के निर्णय और मध्यस्थ पुरस्कार🧑‍🤝‍🧑 अंतरराष्ट्रीय संगठन और फोरम📎 अन्य स्रोत और सामग्री

📎 अतिरिक्त मॉड्यूल

📘 ग्लॉसरी – अंतरराष्ट्रीय कानून के शब्दों को सरलता से समझाया गया⚠️ अस्वीकरण – शिक्षा, व्यंग्य, निर्देश मैनुअल नहीं🧭 मैट्रिक्स – क्या वास्तविक है, क्या प्रतीकात्मक?

अनुबंध:

एक नए राज्य की स्थापना: कानूनी और व्यावहारिक पहलू अंतरराष्ट्रीय कानून की मूल बातें: राज्यत्व और मान्यता यूएनसीएलओएस के तहत समुद्री स्थायी निवास: संभावनाएँ और सीमाएँ विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) पूर्व-राज्य समझौते बैंकिंग, मुद्रा प्रणाली, और अनुपालन डिजिटल राज्य निर्माण: ई-निवास, ब्लॉकचेन शासन, डिजिटल संविधान सूक्ष्म राष्ट्र - उदाहरण और अंतर्दृष्टियाँ मान्यता के लिए राजनयिक रणनीतियाँ ऑफशोर परियोजनाओं के लिए बीमा आवश्यकताएँ स्रोत:

👓 इसके बारे में और पढ़ें:

🔹 परिचय

🏰 आपका अपना राज्य का सपना

Thअपने खुद के देश की स्थापना का विचार संप्रभुता के विचार के रूप में पुराना है। .

कुछ के लिए, यह स्वतंत्रता की एक यूटोपियन इच्छा है; दूसरों के लिए, यह एक कला प्रयोग, एक कानूनी विचार मॉडल, या मौजूदा प्रणालियों के प्रति निराशा की एक सरल अभिव्यक्ति है।

चाहे यह किसी के अपने खेत पर एक सूक्ष्म राष्ट्र के रूप में हो, एक राजनयिक अनुकरण के रूप में, या एक गंभीर अंतरराष्ट्रीय कानून पहल के रूप में - एक राज्य की स्थापना आकर्षक है।

लेकिन विचार और वास्तविकता के बीच कानूनी मानदंडों, राजनीतिक हितों, और व्यावहारिक बाधाओं का एक महासागर है।

एक राज्य केवल एक झंडा और एक गान के साथ एक स्थान नहीं है - बल्कि यह एक जटिल इकाई है जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून में स्थापित होना चाहिए ताकि इसे इस रूप में मान्यता प्राप्त हो सके।

✨ **यह गाइड उन सभी के लिए है जो न केवल अपने राज्य का सपना देखना चाहते हैं बल्कि इसे समझना भी चाहते हैं - और शायद इसे आजमाने की हिम्मत भी करें।**

⚖️ अंतर्राष्ट्रीय कानून की राज्यत्व की नींव

राज्य की स्थापना के केंद्र में अंतरराष्ट्रीय कानून है - नियमों का एक सेट जो निर्धारित करता है कि राज्य क्या है, यह कैसे अस्तित्व में आता है, इसे कैसे मान्यता प्राप्त होती है, और यह अन्य राज्यों के साथ कैसे बातचीत करता है।

1933 का मोंटेवीडियो सम्मेलन चार मानदंडों का नाम देता है जिन्हें एक इकाई को राज्य माना जाने के लिए पूरा करना चाहिए:

- एक परिभाषित राज्य क्षेत्र
- एक स्थायी जनसंख्या
- एक प्रभावी सरकार
- अंतरराष्ट्रीय संबंधों में प्रवेश करने की क्षमता

ये मानदंड आवश्यक हैं - लेकिन हमेशा पर्याप्त नहीं होते।

क्योंकि भले ही कोई इकाई चारों को पूरा करती हो, अन्य राज्यों द्वारा मान्यता के बिना, यह अक्सर एक कानूनी भूत की तरह बनी रहती है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय की एक आवाज है - और यह हमेशा केवल कानूनी मानकों के आधार पर निर्णय नहीं लेता, बल्कि राजनीतिक, रणनीतिक और नैतिक विचारों पर भी निर्भर करता है।

🧠 **कोई भी जो एक राज्य की स्थापना करना चाहता है, उसे केवल नियमों को जानना ही नहीं चाहिए - बल्कि यह भी जानना चाहिए कि उन्हें कैसे लागू किया जाता है, उनसे कैसे बचा जाता है, या उन्हें कैसे व्याख्यायित किया जाता है।**

📘 गाइड का लक्ष्य और संरचना

यह ईबुक राज्य की स्थापना के लिए एक संपूर्ण, मॉड्यूलर गाइड है - सिद्धांत से अभ्यास तक, सूक्ष्म राष्ट्र से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मान्यता प्राप्त गणतंत्र तक।

यह संयोजित करता है:

- **कानूनी सटीकता**
- **शिक्षण स्पष्टता**
- **व्यंग्यात्मक हल्कापन**
- **स्ट्रैटेजिक गहराई**

आप सीखेंगे:

- कैसे एक राज्य क्षेत्र को खोजना या दावा करना है
- कैसे एक जनसंख्या को परिभाषित और एकीकृत करना है
- कैसे एक सरकार स्थापित करना और एक संविधान लिखना है
- कैसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करना है
- राज्य उत्तराधिकार पर संधियों को कैसे डिजाइन करें
- सूक्ष्म राष्ट्रों, विशेष क्षेत्रों और अक्षेत्रीयता का उपयोग कैसे करें
- मौजूदा राज्यों के पतन की तैयारी कैसे करें
- राजनयिक और सैन्य विशेष अधिकारों को कैसे समझें और उपयोग करें

📦 **अंत में, आपको चेकलिस्ट, टेम्पलेट, नमूना अनुबंध, और मामले के अध्ययन के साथ एक "शुरुआत पैक" प्राप्त होगा - जो आपकी अपनी राज्य परियोजना के लिए तैयार है।**

📘 अध्याय 1:

राज्य के निर्माण के तत्व - मोंटेवीडियो सम्मेलन के अनुसार मानदंड

🧱 राज्य को राज्य क्या बनाता है?

1933 का मोंटेवीडियो सम्मेलन, राज्यों के अधिकार और कर्तव्यों पर, आधुनिक अंतरराष्ट्रीय कानून में राज्यत्व की परिभाषा के लिए कानूनी नींव है।

It एक entidad को राज्य माना जाने के लिए चार केंद्रीय मानदंडों को पूरा करना चाहिए :

- एक परिभाषित राज्य क्षेत्र
- एक स्थायी जनसंख्या
- एक प्रभावी सरकार
- अंतरराष्ट्रीय संबंधों में प्रवेश करने की क्षमता

ये चार निर्माण खंड एक घर के सहायक स्तंभों की तरह हैं।

यदि कोई एक गायब है, तो पूरा भवन झूलता है। यदि सभी मौजूद हैं, तो घर खड़ा रहता है - लेकिन इसे "राज्य" के रूप में मान्यता प्राप्त करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि पड़ोसी इसे ऐसा मानते हैं या नहीं।

🗺️ 1. राज्य क्षेत्र – भूमि, हवा, और भूमिगत

एक राज्य को एक ऐसा टुकड़ा चाहिए जिसे वह अपना कह सके। निम्नलिखित लागू होता है:

- **आकार मायने नहीं रखता:** मोनाको का आकार 2 किमी^{2} है, जबकि रूस का आकार 17 मिलियन से अधिक है।
- **आकृति मायने नहीं रखती:** द्वीप, भूमि-लॉक राज्य, एक्सक्लेव - सभी संभव हैं।
- **स्थान का महत्व नहीं है:** मुख्य बात यह है कि आपके पास प्रभावी नियंत्रण होना चाहिए।

🔍 राज्य क्षेत्र के रूप में क्या गिना जाता है?

क्षेत्र	विवरण
भूमि क्षेत्र	"वह भौतिक क्षेत्र जिस पर संप्रभुता व्यवहृत होती है"
हवा क्षेत्र	भूमि के ऊपर का स्थान - बाहरी अंतरिक्ष के किनारे तक का
भूमिगत	सतह के नीचे सब कुछ - जिसमें शामिल हैं संसाधन
क्षेत्रीय समुद्र	12 नॉटिकल मील तक - पूर्ण संप्रभुता के साथ
विशेष आर्थिक क्षेत्र (Economic Zone)	200 नौटिकल मील तक - विशेष आर्थिक अधिकार

🧠 **स्मरणिका:** "एक राज्य को बहुत अधिक भूमि की आवश्यकता नहीं है - लेकिन बहुत सारे नियंत्रण की।"

🧭 विशेष मामला

- **एन्क्लेव:**उदाहरण के लिए, सैन मरीनो (इटली द्वारा घिरा हुआ)
- **एक्सक्लेव:**उदाहरण के लिए, ब्यूसिंगन अम होखराइन (स्विट्ज़रलैंड में जर्मन एक्सक्लेव)
- **नो मैन की भूमि:**दुर्लभ, लेकिन संभव – उदाहरण के लिए, बिर तवील मिस्र और सूडान के बीच

👥 2. राज्य जनसंख्या – कौन शामिल है?

एक राज्य को लोगों की आवश्यकता होती है - केवल निवासियों के रूप में नहीं, बल्कि कानूनी रूप से परिभाषित समुदाय के रूप में।

🧬 राष्ट्रीयता:
भूमि का अधिकार बनाम इयुस सैंग्विनिस

सिद्धांत	अर्थ	उदाहरण राज्य
भूमि का अधिकार	जन्म के द्वारा राष्ट्रीयता देश	"संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा"
इयुस सैंग्विनिस	वंशानुगत राष्ट्रीयता	"जर्मनी, इटली"
मिश्रित प्रणाली	दोनों सिद्धांतों का संयोजन	"फ्रांस, ब्राजील"

🚫 निर्वासितता
एक "बिना राष्ट्रीयता वाला व्यक्ति" वह है जिसे किसी भी राज्य द्वारा राष्ट्रीयता के रूप में मान्यता नहीं दी गई है। इससे निम्नलिखित परिणाम होते हैं:

- मत देने का अधिकार नहीं
- यात्रा दस्तावेज नहीं
- कोई राजनयिक सुरक्षा

⚠️ **नए राज्यों के लिए, राष्ट्रीयता पर स्पष्ट और समावेशी नियम बनाना आवश्यक है - अन्यथा, एक कानूनी ग्रे क्षेत्र उत्पन्न होता है।**

🏛️ 3. राज्य शक्ति – सरकार और नियंत्रण

एक राज्य को एक संगठन की आवश्यकता होती है जो कानून बनाता है, उन्हें लागू करता है, और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखता है।

🔧 प्रभावी सरकार

- क्षेत्र और जनसंख्या पर नियंत्रण का अभ्यास करना चाहिए
- कार्य करने में सक्षम होना चाहिए – केवल प्रतीकात्मक रूप से नहीं
- सरकार का रूप मायने नहीं रखता: लोकतंत्र, राजतंत्र, तकनोक्रेसी – सभी की अनुमति है

🧱 आंतरिक बनाम बाह्य संप्रभुता

संप्रभुता का प्रकार	अर्थ
आंतरिक	अपने राज्य क्षेत्र पर नियंत्रण
बाह्य	अन्य राज्यों से स्वतंत्रता

🧠 **एक सरकार बिना नियंत्रण के ऐसे है जैसे राजा बिना मुकुट के - सजावटी, लेकिन शक्तिहीन।**

🌐 4. अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए क्षमता

एक राज्य को अन्य राज्यों के साथ - राजनयिक, संवैधानिक, संगठनात्मक रूप से संवाद करने में सक्षम होना चाहिए।

📜 इसका अभ्यास में क्या अर्थ है?

- दूतावास खोलना
- संधियाँ समाप्त करना
- अंतरराष्ट्रीय संगठनों (जैसे, संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन, अंतरराष्ट्रीय टेलीग्राफ यूनियन) का सदस्य बनना

🧩 **मान्यता:**
घोषणात्मक बनाम संवधिानात्मक

सद्धिांत	अरथ	उदाहरण
घोषणात्मक	"एके राज्य तब अस्तत्वि में आता है जब यह मानदंडों को पूरा करता है - मान्यता केवल इसकी पुष्टि करती है"	"सोमालिलैंड (जसिकी मान्यता नहीं है, लेकनि जो वास्तवकि रूप से नयिंत्रण में है)"
संवधिानात्मक	एक राज्य केवल के माध्यम से अस्तत्वि में होता है मान्यता	"कोसोवो (ववािदति, लेकनि कई द्वारा मान्यता प्राप्त)"

⚖️ **बनिा मान्यता के मान्यता, एक राज्य अक्सर एक कानूनी भूत रहता है - दृश्य, लेकनि अप्रभावी .**

✅ नष्किर्ष:

राज्यत्व के चार स्तंभ

मानदंड	संक्षप्ति परभिाषा
राज्य क्षेत्र	प्रभावी नयिंत्रण के साथ एक परभिाषति क्षेत्र
राज्य जनसंख्या	एक स्थायी जनसंख्या के साथ एक कानूनी बंधन
राज्य शक्ति	एक सक्षम सरकार के साथ संप्रभुता
अंतरराष्ट्रीय संबंध	राजनयकि और संवदिात्मक के लिए क्षमता संवाद

ये मानदंड राज्यों की दुनयिा में प्रवेश का टकिट हैं। लेकनि ये केवल शुरुआत हैं g.

मान्यता, अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सदस्यता, और वास्तवकि प्रभावशीलता की ओर का मार्ग लंबा है - और अक्सर राजनीतकि।

📊 तालिका 1: राज्यत्व के मानदंड (मोंटेवीडियो सम्मेलन)

मानदंड	परिभाषा	मुख्य विशेषताएँ / निहितार्थ
राज्य क्षेत्र	"एक परिभाषित क्षेत्र जिसके ऊपर राज्य प्रभावी रूप से नियंत्रण"	"आकार और सीमा का निर्धारण महत्वहीन हैं; इसमें भूमि, हवा क्षेत्र, और भूमिगत; नियंत्रण निर्णायक है"
राज्य जनसंख्या	"एक स्थायी जनसंख्या जो राज्य क्षेत्र में निवास करती है"	"राष्ट्रीयता एक कानूनी बंधन है; बिना देश के लोग राज्य जनसंख्या का हिस्सा नहीं हैं राज्य जनसंख्या में संकीर्ण अर्थ"
राज्य शक्ति	"एक प्रभावी सरकार जो क्षेत्र पर नियंत्रण करती है और लोगों"	"सरकार का रूप है अप्रासंगिक; जो निर्णायक है वह है कानून बनाने की क्षमता और लागू करना"
अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए क्षमता संबंध	"अन्य के साथ बातचीत करने की क्षमता अन्य राज्यों और निष्कर्ष निकालें संधियाँ"	"राजनयिक मान्यता, सदस्यता, और कानूनी क्षमता के तहत अंतरराष्ट्रीय कानून"

📊 तालिका 2:
मान्यता सिद्धांतों की तुलना

सिद्धांत	मुख्य सिद्धांत	व्यावहारिक निहितार्थ	उदाहरण
घोषणात्मक	"एक राज्य तब अस्तित्व में आता है जब यह मोंटेवीडियो मानदंड; मान्यता केवल पुष्टि करती है"	"कानूनी अस्तित्व स्वतंत्र मान्यता; मान्यता घोषणात्मक"	"सोमालिलैंड (वास्तव में नियंत्रण, लेकिन शायद ही मान्यता)"
संविधानात्मक	एक राज्य केवल मौजूद है मान्यता द्वारा अन्य राज्य	"मान्यता के बिना, कोई अंतर्राष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व; मान्यता स्थिति-निर्माण है"	"कोसोवो (जिसे मान्यता प्राप्त है कई, लेकिन सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य)"
मिश्रित रूप	"मान्यता de facto घोषणात्मक, लेकिन राजनीतिक संविधानात्मक"	"राज्य आधारित निर्णय लेते हैं" राजनीतिक विवेक पर; मान्यता का प्रभाव कार्य करने की क्षमता"	"बोस्निया-हर्जेगोविना (1992, मान्यता प्राप्त हालांकि प्रारंभिक रूप से कमजोर सरकार)"

⚖️ भाग II:

राज्य की स्थापना के मार्ग और बाधाएँ

📘 अध्याय 2:

अंतरराष्ट्रीय कानून के स्रोत और सिद्धांत w

जो कोई भी राज्य की स्थापना करना चाहता है, उसे खेल के नियमों के बारे में जानना चाहिए - और इन नियमों को अंतरराष्ट्रीय कानून कहा जाता है।

पर ये नियम कहाँ से आते हैं? इन्हें किसने लिखा है?

और वे वास्तव में कितने बाध्यकारी हैं?

अंतरराष्ट्रीय कानून एक ऐसा कानून पुस्तक नहीं है जिसमें एक कवर और सामग्री की तालिका हो।

यह संधियों, रीति-रिवाजों, सिद्धांतों और व्याख्याओं का एक गतिशील प्रणाली है।

इस संरचना के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्रोत अनुच्छेद 38 है

(1) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) के अधिनियम का। यह बताता है कि "कानून का स्रोत" क्या माना जाता है - और क्या नहीं।

📜 2.1 अंतरराष्ट्रीय संधियाँ - खेल के नियमों का लिखित रूप

संधियाँ अंतरराष्ट्रीय कानून का "कठोर कानून" घटक हैं।

ये लिखित, स्पष्ट रूप से तैयार की गई, और राज्यों के बीच सहमति से होती हैं।

जो भी हस्ताक्षर करता है, वह बंधा हुआ है – पैक्टा सेंट सर्वंडा.

🗒️ महत्वपूर्ण संधियों के उदाहरण

संधि	सामग्री / महत्व
संयुक्त राष्ट्र चार्टर	"अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का संविधान (बल का निषेध, स्व-निर्धारण)"
वियना संधि कानून सम्मेलन (VCLT, 1969)	"संधियों के निष्कर्ष, व्याख्या और समाप्ति को विनियमित करता है"
संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस)	"सामुद्रिक क्षेत्र, उच्च समुद्र, को नियंत्रित करता है, संसाधन"
आउटर स्पेस संधि (1967)	बाहरी अंतरिक्ष के उपयोग के लिए बुनियादी नियम

📌 एक संधि केवल संविदात्मक पक्षों पर बाध्यकारी होती है – लेकिन प्रमुख संधियाँ अक्सर पूरे प्रणाली को आकार देती हैं.

🔍 संधि तंत्र (VCLT के अनुसार)

- Si हस्ताक्षर

● अनुमोदन

● आरक्षण

● लागू होने की तिथि ● समाप्ति

● *ius cogens* के उल्लंघन के लिए अमान्यता (जैसे, यातना पर प्रतिबंध)

⚠️ अनुच्छेद 53 VCLT:

जो संधियाँ सामान्य अंतरराष्ट्रीय कानून के अनिवार्य मानदंडों का उल्लंघन करती हैं, वे अमान्य हैं।

🌍 2.2 परंपरागत अंतरराष्ट्रीय कानून – अनलिखित नियम

हर चीज काली और सफेद में नहीं होती। कुछ नियम अभ्यास से उत्पन्न होते हैं - और इस विश्वास से कि यह अभ्यास कानूनी रूप से बाध्यकारी है।

इसे परंपरागत अंतरराष्ट्रीय कानून कहा जाता है।

🧠 दो तत्व

तत्व	अर्थ
राज्य प्रथा	कई राज्यों का समय के साथ लगातार व्यवहार
ओपिनियो जुरिस	"इस व्यवहार के कानूनी रूप से होने का विश्वास आवश्यक है"

🧩 **उदाहरण:**
आक्रामक युद्ध पर प्रतिबंध लंबे समय से परंपरागत कानून था - इससे पहले कि इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर में संहिताबद्ध किया गया।

🧭 **विशेष मामला: चुप्पी को सहमति के रूप में?** कुछ मामलों में, एक राज्य की चुप्पी को सहमति के रूप में व्याख्यायित किया जा सकता है - उदाहरण के लिए, क्षेत्रीय दावों या संधि के परिणामों के संबंध में।

लेकिन सावधान रहें:

चुप्पी हमेशा सुनहरी नहीं होती, बल्कि अक्सर कानूनी रूप से विवादास्पद होती है।

⚖️ 2.3 कानून के सामान्य सिद्धांत – सार्वभौमिक विचार

ये सिद्धांत राष्ट्रीय कानूनी प्रणालियों से उत्पन्न होते हैं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी लागू होते हैं - गैप-फिलर और नैतिक दिशा-निर्देश के रूप में।

🔑 **उदाहरण**

सिद्धांत	अर्थ
पैक्टा सेंट सर्वंडा	संधियों का पालन किया जाना चाहिए
अच्छी नीयत	अधिकारों का प्रयोग निष्पक्ष और ईमानदार होना चाहिए
एस्टॉपेल	विरोधाभासी व्यवहार अनुमेय नहीं है
विशेष कानून	एक विशेष नियम सामान्य नियम को पार कर जाता है
कानून के बिना कोई दंड नहीं	कानून के बिना कोई दंड नहीं

🧠 **ये सिद्धांत तब मदद करते हैं जब कोई संधि नहीं होती और कोई प्रथा लागू नहीं होती - ये कानूनी सोच की नींव हैं।**

📚 2.4 सहायक साधन कानून के नियमों के निर्धारण के लिए - कोहरे में दिशा

जब कानूनी स्थिति अस्पष्ट होती है, तो दो चीजें मदद करती हैं:

- न्यायिक निर्णय (ज्यूरिसि)
- जनता के विद्वान के शिक्षाएँ (सिद्धांत)

🧾 **न्यायकि नर्णिय**
अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) केवल एक मामले के पक्षों के लिए नर्णिय करता है - लेकनि इसके फैसले अक्सर एक संकेतात्मक प्रभाव डालते हैं।

राष्ट्रीय न्यायालय भी अंतरराष्ट्रीय कानून से संबंधति फैसले दे सकते हैं।

📖 **जनता के वद्विान के शक्षिण**
लेख "सबसे योग्य जनता के वद्विान" के लेखन को व्याख्या में सहायता माना जाता है।

ये बाध्यकारी नहीं हैं - लेकनि ये अभ्यास और कानूनी वकिास को प्रभावति करते हैं।

📌 **उदाहरण:**

टप्पिणी अंतरराष्ट्रीय कानून के चार स्तंभ पर VCLT पर कानूनी साहत्यि में टप्पिणी अक्सर संधपिाठ की तुलना में अधकि नर्णायक होती है। ।

✅ नष्किर्ष:
अंतर्राष्ट्रीय कानून के चार स्तंभ

स्रोत	बंधन बल	उदाहरण
संधयिाँ	उच्च	"संयुक्त राष्ट्र चार्टर, VCLT, यूएनसीएलओएस"
परंपरागत कानून	मध्यम से उच्च	"आक्रामक युद्ध पर प्रतबिंध, असुरक्षा"
कानून के सामान्य सद्धिांत	माध्यम	"पैक्टा सेंट सर्वंडा, एस्टॉपेल"
सहायक साधन	कम	"आईसीजे फैसले, पुस्तकें"

कोई भी जो चाहता है एक राज्य की स्थापना के लिए यह जानना चाहिए कि नियिम कहाँ से आते हैं - और वे कैसे काम करते हैं .

क्योंक इिसके साथ इस ज्ञान के बनिा, कसिी भी राज्य की स्थापना एक खेल योजना के बनिा खेल बनी रहती है।

📘 अध्याय 3:

अलगाव – विभाजन

एक विवादास्पद अधिकार

🚩 **अलगाव क्या है?**
अलगाव का तात्पर्य एक मौजूदा राज्य के क्षेत्र के एक भाग के एकतरफा अलगाव से है, जिसका उद्देश्य एक नया, स्वतंत्र राज्य स्थापित करना है।

यह एक क्रांति की तरह लगता है - लेकिन यह अंतरराष्ट्रीय कानून में अत्यधिक जटिल और राजनीतिक रूप से विस्फोटक है।

अलगाव अंतरराष्ट्रीय कानून के दो केंद्रीय सिद्धांतों को छूता है:

- जनताओं के आत्म-निर्धारण का अधिकार
- मौजूदा राज्यों की क्षेत्रीय अखंडता

इन दोनों सिद्धांतों के बीच एक स्थायी तनाव है - और अंतरराष्ट्रीय कानून उनके बीच सावधानीपूर्वक संतुलन बनाता है।

🧬 3.1 जनताओं के आत्म-निर्धारण का अधिकार

स्व-निर्धारण का अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून का एक मान्यता प्राप्त सिद्धांत है।

यह कहता है:
"जनता" को अपनी राजनीतिक स्थिति को स्वतंत्र रूप से निर्धारित करने और अपने आर्थिक, सामाजिक, और सांस्कृतिक विकास का पीछा करने का अधिकार है।

🔍 **आंतरिक बनाम बाहरी आत्म-निर्धारण**

प्रकार	अर्थ	उदाहरण
आंतरिक आत्म-निर्धारण	"स्वायत्तता, स्व-सरकार, राज्य के भीतर सांस्कृतिक अधिकार	दक्षिण टायरोल, क्यूबेक
बाहरी आत्म-निर्धारण	अलगाव और अपना राज्य	दक्षिण सूडान, बांग्लादेश

⚠️ **बाहरी आत्म-निर्धारण केवल बहुत संकीर्ण परिस्थितियों में अनुमेय है - आमतौर पर उपनिवेशवाद या सबसे गंभीर मानव अधिकार उल्लंघनों के संदर्भ में।**

❌ 3.2 अलगाव का कोई सामान्य अधिकार नहीं

अंतरराष्ट्रीय कानून अलगाव का कोई सामान्य अधिकार मान्यता नहीं देता।

राज्यों की क्षेत्रीय अखंडता एक संरक्षित वस्तु है - और एकतरफा अलगाव आमतौर पर अनुमति नहीं है।

🧠 **क्यों नहीं?**

- अलगाव राज्यों को अस्थिर करता है
- यह डोमिनो प्रभावों का कारण बन सकता है
- यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर में बल के निषेध का उल्लंघन करता है

📌 **अपवाद: उपनिवेश समाप्ति** – यहाँ, बाहरी आत्म-निर्धारण को स्वतंत्रता के लिए एक वैध मार्ग के रूप में मान्यता दी गई थी।

🆘 3.3 उपचारात्मक अलगाव – अंतिम उपाय के रूप में अधिकार

कुछ अंतरराष्ट्रीय कानून के विद्वानों का तर्क है कि यदि एक "लोग" का बड़े पैमाने पर दमन किया जाता है और उसके पास स्व-निर्धारण का कोई अन्य विकल्प नहीं है, तो अलगाव की अनुमति दी जा सकती है।

🧾 **पूर्वापेक्षाएँ**

- व्यवस्थित, गंभीर, और बड़े पैमाने पर मानवाधिकार उल्लंघन
- आंतरिक आत्म-निर्धारण का इनकार
- राजनीतिक प्रक्रिया से बहिष्कार
- संरक्षण या सुधार की कोई संभावना नहीं

📚 **मामले के अध्ययन**

अध्ययन	मूल्यांकन
कोसोवो (2008)	"विवादित, लेकिन कई राज्यों द्वारा मान्यता प्राप्त – आईसीजे ने कोई गैरकानूनीता की पुष्टि नहीं की"
बांग्लादेश (1971)	"मॉडल मामला: व्यापक हिंसा, शरणार्थी प्रवाह, अंतरराष्ट्रीय समर्थन"
कैटेलोनिया (2017)	अलगाव का कोई अधिकार नहीं - कोई गंभीर मानव अधिकार उल्लंघन

⚠️ **उपचारात्मक अलगाव अलगाव का लाइसेंस नहीं है - बल्कि अत्यधिक परिस्थितियों में कानूनी आपातकालीन निकास है।**

🔄 3.4 राज्य उत्तराधिकार अलगाव के मामले में

जब एक नया राज्य बनता है, तो प्रश्न उठता है:

पुराने राज्य की संधियाँ, संपत्तियाँ और कर्ज का क्या होगा?

📜 **संधियाँ**

संधि प्रकार	अलगाव के मामले में हस्तांतरण?
क्षेत्रीय संधियाँ (जैसे, सीमा संधियाँ)	हाँ - स्वचालित रूप से (रद्द किया गया)
व्यक्तिगत संधियाँ (जैसे, संघ)	नहीं - फिर से बातचीत करनी होगी
बहुपक्षीय संधियाँ (जैसे, संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन)	विवादित - अक्सर "स्वच्छ स्लेट" सिद्धांत

💰 **संपत्तियाँ और कर्ज**

● **संपत्तियाँ:** अनुपात विभाजन या बातचीत

● **आर्काइव्स:** संबंधित दस्तावेजों का हस्तांतरण

● **कर्ज:** "दुर्व्यवहार के लिए ऋण" का सिद्धांत - उत्पीड़न के लिए उपयोग किए गए कर्ज का कोई ग्रहण नहीं

📘 **राज्यों की उत्तराधिकार पर वियना सम्मेलन**

सम्मेलन	सामग्री	स्थिति
संधियों पर वीसी (1978)	संधि उत्तराधिकार पर नियम	कम अनुमोदन (23 राज्य)
संपत्तियों पर वीसी, आर्काइव्स, कर्ज (1983)	राज्य के विभाजन पर नियम संसाधन	प्रभावी नहीं है

📌 **व्यवहार में, उत्तराधिकार के मुद्दे अक्सर द्विपक्षीय संधियों द्वारा विनियमित होते हैं - अंतरराष्ट्रीय कानून केवल एक ढांचा प्रदान करता है।**

✅ निष्कर्ष: अलगाव संभव है - लेकिन शायद ही वैध

अलगाव का मार्ग	अंतर्राष्ट्रीय कानून की स्थिति
उपनिवेश समाप्ति	मान्यता प्राप्त
सहमति से अलगाव	संभव – जैसे कि, दक्षिण सूडान
उपचारात्मक अलगाव	विवादित – केवल चरम परिस्थितियों में
एकतरफा अलगाव	सामान्यतः अनुमति नहीं है

जो कोई भी एक राज्य स्थापित करना चाहता है, उसे अलगाव पर निर्भर नहीं रहना चाहिए - बल्कि संधि उत्तराधिकार, प्रतीकात्मक सूक्ष्म राष्ट्रों, या राजनयिक विशेष क्षेत्रों जैसे रचनात्मक, कानूनी रूप से सही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए।

📊 **तालिका:**
अंतर्राष्ट्रीय कानून के अलगाव के पहलू

पहलू	विवरण	अंतर्राष्ट्रीय कानून स्थिति / मूल्यांकन	उदाहरण
का अधिकार **स्व-निर्णय** **जनता**	"एक जनता का अधिकार है कि वह अपने राजनीतिक स्थिति और विकास"	"परंपरागत अंतरराष्ट्रीय कानून; संयुक्त राष्ट्र में चार्टर और मानव अधिकार संधियाँ"	"उपनिवेश समाप्ति, दक्षिण टायरोल, क्यूबेक"
अलगाव का अधिकार	एकतरफा अलगाव किसी क्षेत्र के एक भाग का एक राज्य पाया	"कोई सामान्य अधिकार नहीं; प्रतिबंधात्मक दृष्टिकोण अंतर्राष्ट्रीय समुदाय"	"कैटेलोनिया (कोई अधिकार नहीं), बवेरिया (प्रदान नहीं किया गया के लिए DE)"
उपचारात्मक अलगाव	अलगाव एक अंतिम स्रोत के रूप में मामलों में विशाल मानव अधिकार उल्लंघन	"विवादास्पद अपवाद; केवल अनुमेय अत्यधिक परिस्थितियों"	"कोसोवो (विवादित), बांग्लादेश (मॉडल मामला)"
क्षेत्रीय अखंडता	मौजूदा का संरक्षण सीमाओं और राज्य क्षेत्र	"मूलभूत सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय कानून के संदर्भ में; अलगाव के साथ तनाव"	"क्राइमिया का अधिग्रहण रूस द्वारा (गैरकानूनी के तहत अंतरराष्ट्रीय कानून)"
राज्य उत्तराधिकार	अधिकारों और हस्तांतरण बाध्यताओं का पूर्ववर्ती राज्य से उत्तराधिकारी राज्य को	"जटिल कानूनी क्षेत्र; अक्सर द्वारा विनियमित द्विपक्षीय समझौते"	"सोवियत संघ → रूसी संघ, चेक्स्लोवाकिया"

📊 तालिका: अंतरराष्ट्रीय कानून के स्रोत (अनुच्छेद 38 आईसीजे अधिनियम के अनुसार)

स्रोत प्रकार	परिभाषा	मुख्य विशेषताएँ / बंधन बल	उदाहरण / महत्व
अंतरराष्ट्रीय संधियाँ	लिखित समझौते विषयों के बीच अंतरराष्ट्रीय कानून	"हार्ड लॉ"; पर बाध्यकारी संविदा पार्टियों	"संयुक्त राष्ट्र चार्टर, VCLT, यूएनसीएलओएस"
परंपरागत अंतरराष्ट्रीय कानून	संगत राज्य अभ्यास + ओपिनियो जुरिस	"अलिखित; सभी पर बाध्य राज्य (छोड़कर 'स्थायी आपत्ति करने वाले')"	"आक्रामक युद्ध पर प्रतिबंध आक्रामक युद्ध, राज्य के प्रमुखों की असुरक्षा राज्य"
कानून के सामान्य सिद्धांत	"सिद्धांत राष्ट्रीय कानूनी प्रणाली, हस्तांतरणीय अंतरराष्ट्रीय कानून"	"गैप-फिलर; अभिव्यक्ति सार्वभौमिक कानूनी संकल्पनाएँ"	"पैक्टा सेंट सर्वंडा, अच्छी नीयत, एस्टॉपेल"
न्यायिक निर्णय	फैसले अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय न्यायालय	"सहायक साधन के लिए कानून निर्धारित करने के लिए; नहीं प्रत्यक्ष रूप से कानून-निर्माण"	"आईसीजे के फैसले, राष्ट्रीय निर्णय पर अंतरराष्ट्रीय कानून"
विद्वानों की शिक्षाएँ **जनता के विद्वान (सिद्धांत)**	योग्य के दृष्टिकोण जनता के विद्वान	"व्याख्या में सहायता; कानूनी प्रभाव विकास"	"इस पर व्याख्याएँ VCLT, शैक्षणिक साहित्य, विशेषज्ञ राय"

📊 तालिका: अंतर्राष्ट्रीय कानून में क्षेत्रीय अधिग्रहण के रूप

अधिग्रहण का रूप	विवरण	अंतरराष्ट्रीय कानून स्थिति / मूल्यांकन	उदाहरण / विशेषताएँ
व्यवसाय	कब्जा करना स्वामित्वहीन क्षेत्र (टेरा नलियस)	"आज hardly प्रासंगिक नहीं; केवल वास्तव में बिना दावा किए गए क्षेत्र"	"ऐतिहासिक: उपनिवेशवाद; आज: बिर तवील (非洲)"
अधिग्रहण	"एकतरफा, बलात्कारी विदेशी का संविधान क्षेत्र"	"गैरकानूनी है अंतरराष्ट्रीय कानून; संयुक्त राष्ट्र का उल्लंघन बल का निषेध"	"क्राइमिया (2014), डोनेट्स्क/लुहान्स्क (2022)"
प्रिस्क्रिप्शन	"दीर्घकालिक, शांतिपूर्ण, और अव्यवधान रहित का अभ्यास संप्रभुता"	"विवादित; पर आधारित स्वीकृति और एस्टॉपेल"	"पामास द्वीप मामला (1928), प्रेह विहार का मंदिर (1962)"
क्षेत्र का हस्तांतरण	राज्यों के बीच अनुबंधित हस्तांतरण क्षेत्र	"अनुमेय अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय कानून; अक्सर द्विपक्षीय रूप से"	"अलास्का खरीद (1867), हांग कांग हस्तांतरण (1997)"
निर्णय	न्यायिक या मध्यस्थ क्षेत्र पर निर्णय	"यदि पक्षों की सहमति है"	"आईसीजे मामले: बुर्किना फासो/माली, कैमरून/नाइजीरिया"
वृद्धि	प्राकृतिक गठन का भूमि का प्राकृतिक निर्माण निक्षेप	"पहचान की गई यदि स्थायी और स्थिर"	"नदी डेल्टा विस्तार, नए द्वीपों से ज्वालामुखी गतिविधि"

📊 तालिका:
राज्य उत्तराधिकार के पहलू

क्षेत्र	विवरण	अंतरराष्ट्रीय कानून नियमन / अभ्यास	उदाहरण / विशेषताएँ
संधियाँ	अंतर्राष्ट्रीय का हस्तांतरण कानूनी बाध्यता	"'स्वच्छ स्लेट' सिद्धांत उपनिवेश समाप्ति में; अन्यथा चयनात्मक"	"कोसोवो: चयनात्मक ग्रहण; रूस: संयुक्त राष्ट्र सोवियत संघ" का सीट
राज्य संपत्तियाँ	"संपत्ति का विभाजन, संसाधन, अवसंरचना"	"अनुपातिक या द्वारा द्विपक्षीय समझौता"	"चेकोस्लोवाकिया: निर्यात्रित विभाजन"
राज्य अभिलेखागार	संबंधित का हस्तांतरण दस्तावेज़ और प्रशासनिक रिकॉर्ड	"आंशिक रूप से विनियमित वियना सम्मेलन (1983)"	"जर्मन लोकतांत्रिक गणराज्य → FRG: संग्रह अधिग्रहण के दौरान पुनर्मिलन"
राज्य के कर्ज	स्वीकृति या अस्वीकृति देयताओं के	"ऋण का सिद्धांत दुरुपयोग के लिए' के दबंग शासनों"	"इराक: सद्दाम काल से कर्ज आंशिक रूप से नहीं माना गया"
वियना सम्मेलन "उत्तराधिकार की	नियम (1978, 1983)"	"कम अनुमोदन; अक्सर बाध्यकारी नहीं"	"1978: केवल 23 राज्य स्वीकृत; 1983: इसमें नहीं बल"

📊 **तालिका: राजनयिक अक्षेत्रीयता और विशेष स्थिति**

क्षेत्र / संस्थान	विवरण	अंतरराष्ट्रीय कानून स्थिति / विनियमन	विशेषताएँ / उदाहरण
दूतावास और कौंसलेट	राजनयिक के परिसर मिशन	"वियना सम्मेलन पर राजनयिक संबंध (1961)"	"अविभाज्यता, लेकिन नहीं सच्ची बाह्य क्षेत्रीयता"
सैन्य ठिकाने	मेजबान पर विदेशी सैनिक राज्य क्षेत्र	"नाटो बलों की स्थिति समझौता, द्विपक्षीय स्थानांतरण समझौते"	"रामस्टीन एयर बेस (DE), ओकिनावा (JP)"
अतिथि राष्ट्र समर्थन (HNS)	आश्रय द्वारा समर्थन राज्य के लिए तैनात सशस्त्र बल	"संधि द्वारा विनियमित; लॉजिस्टिक्स, अवसंरचना"	"बुंडेसवेहर: केंद्रीय भूमिका नाटो HNS"
तेल प्लेटफार्म और पाइपलाइन	अवसंरचना बाहर राष्ट्रीय संप्रभुता	"यूएनसीएलओएस; नहीं संप्रभु अधिकार उपयोग के माध्यम से"	"नॉर्ड स्ट्रीम, डीपवाटर होरिजन"
विमान और जहाज़	झंडा के तहत मोबाइल इकाइयाँ राज्य की संप्रभुता	"झंडा राज्य सिद्धांत; राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार"	"हवाई जहाज़ के टॉयलेट, अपराध जहाजों पर"
सूक्ष्म राष्ट्र	प्रतीकात्मक या निजी राज्य परियोजनाएँ	"कोई मान्यता नहीं तहत" अंतरराष्ट्रीय कानून	"सीलैंड, लिबरलैंड, मोलोसिया

🌍 भाग III:

क्षेत्रीय परिवर्तन और उनका कानूनी वर्गीकरण

📘 अध्याय 4:

क्षेत्रीय अधिग्रहण – ऐतिहासिक और आधुनिक दृष्टिकोण

क्षेत्र एक राज्य का दिल है।

लेकिन कोई राज्य क्षेत्र को कानूनी रूप से कैसे अधिग्रहित कर सकता है?

ऐतिहासिक रूप से, अधिग्रहण के कई तरीके थे - कुछ अब वर्जित हैं, अन्य अभी भी अनुमत हैं। .

यह अध्याय i अंतर्राष्ट्रीय कानून में क्षेत्रीय अधिग्रहण के सबसे महत्वपूर्ण रूपों को उजागर करता है w.

🏝️ 4.1 व्यवसाय – स्वामित्वहीन क्षेत्र (टेरा नलियस)

शांतिपूर्ण व्यवसाय उस क्षेत्र के अधिग्रहण को संदर्भित करता है जिसे "स्वामित्वहीन" माना जाता है - अर्थात्, यह किसी राज्य की संप्रभुता के अधीन नहीं है और इसका दावा नहीं किया गया है।

📜 **ऐतिहासिक महत्व**

- उपनिवेशवाद के युग में, टेरा नलियस भूमि ज़ब्ती के लिए एक लोकप्रिय तर्क था
- 1884 का कोंगो अधिनियम अफ्रीका के बड़े हिस्सों के व्यवसाय को वैधता प्रदान करता हैa
- स्वदेशी जनसंख्या को अक्सर अनदेखा किया गया या अमानवीकरण किया गया

⚖️ **आधुनिक प्रासंगिकता**

- आज, टेरा नलियस केवल वास्तव में निर्जन और बिना दावा किए गए क्षेत्रों पर लागू होता हैy
- उदाहरण: बिर तवील (मिस्र और सूडान के बीच), कुछ अंटार्कटिक क्षेत्र
- ⚠️ **व्यवसाय एक स्वतंत्र अनुमति नहीं है - यह शांतिपूर्ण, स्थायी और प्रभावी होना चाहिए।**

🚫 4.2 अधिग्रहण – बलात्कारी अधिग्रहण का क्षेत्र

अधिग्रहण एकतरफा, बलात्कारी संविधान है जो विदेशी क्षेत्र को अपने राज्य क्षेत्र में शामिल करता है - और आज अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत यह स्पष्ट रूप से गैरकानूनी है।

📜 **अंतरराष्ट्रीय कानून में निषेध**

● **संयुक्त राष्ट्र चार्टर, आर्ट. 2(4):** क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ बल के उपयोग का निषेध

● **ब्रियंड-केलॉग संधि (1928):** आक्राम क युद्ध का निषेध

● **परंपरागत कानून:** अधिग्रहण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मा न्यता प्राप्त नहीं है

📚 **उदाहरण**

मामला	मूल्यांकन
क्राइमिया (2014)	रूस द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत गैरकानूनी अधिग्रहण कानून
डोनेट्स्क/लुहान्स्क (2022)	अधिग्रहण के और प्रयास - नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त
कुवैत (1990)	इराकी अधिग्रहण – जिसने सैन्य हस्तक्षेप को जन्म दिया

🧠 **अधिग्रहण राजनयिक अलगाव का सीधा मार्ग है – और अक्सर संघर्ष का भी।**

⏳ 4.3 प्रिस्क्रिप्शन – क्षेत्रीय अधिग्रहण समय के lapse के माध्यम से

प्रिस्क्रिप्शन का अर्थ है कि एक राज्य लंबे समय तक, शांतिपूर्ण और बिना बाधा के संप्रभु अधिकार का अभ्यास करके एक क्षेत्र पर संप्रभुता प्राप्त करता है – यदि मूल दावा करने वाला विरोध नहीं करता।

🧠 **कानूनी आधार**

● अधिग्रहण का एक स्वतंत्र शीर्षक नहीं, बल्कि एक तथ्यात्मक स्थिति का समेकन है

● के आधार पर:
  ○ **स्वीकृति** (निष्क्रिय सहिष्णुता)
  ○ **एस्टॉपेल** (विपरीत व्यवहार की रोकथाम)

📚 **मामले के अध्ययन**

अध्ययन	महत्व
पामास द्वीप मामला (1928)	नीदरलैंड बनाम संयुक्त राज्य अमेरिका – प्रभावी नियंत्रण है निर्णायक
प्रेह विहार का मंदिर (1962)	कंबोडिया बनाम थाईलैंड – विरोध की कमी ने मान्यता

📌 **प्रिस्क्रिप्शन एक मौन विजय है - लेकिन केवल तभी जब कोई आपत्ति न करे।**

🔄 4.4 क्षेत्रीय अधिग्रहण के अन्य रूप

सभी क्षेत्रीय अधिग्रहण विवादास्पद नहीं होते – कुछ अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मान्यता प्राप्त होते हैं और अक्सर संधि द्वारा विनियमित होते हैं।

📜 **क्षेत्र का हस्तांतरण – अनुबंधित क्षेत्र का हस्तांतरण**

- एक राज्य स्वेच्छा से दूसरे राज्य को क्षेत्र सौंपता है
- आमतौर पर द्विपक्षीय संधि के माध्यम से किया जाता है
- उदाहरण:
  - **अलास्का खरीद** (संयुक्त राज्य अमेरिका से रूस, 1867)
  - **हांगकांग का हस्तांतरण** (यूके से चीन, 1997)

⚖️ **निर्णय – न्यायिक पुरस्कार**

- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय या मध्यस्थता न्यायालय क्षेत्रीय दावों पर निर्णय लेते हैं
- पूर्वापेक्षा: दोनों पक्षों की सहमति
- उदाहरण:
  - **बुर्किना फासो बनाम माली** (आईसीजे)
  - **कैमरून बनाम नाइजीरिया** (बकासी प्रायद्वीप)

🌊 **वृद्धि – प्राकृतिक भूमि निर्माण**

- नई भूमि क्षेत्र अवशिष्ट निक्षेप या ज्वालामुखीय गतिविधि द्वारा बनाई जाती हैं
- यदि स्थायी और स्थिर है तो इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मान्यता प्राप्त है
- उदाहरण:
  - प्रशांत में ज्वालामुखी विस्फोटों से नए द्वीप

🧠 **हर बालू का ढेर एक राज्य नहीं है - लेकिन कुछ धीरे-धीरे एक में विकसित हो जाते हैं।**

✅ निष्कर्ष:

टेरी टोरियल अधिग्रहण आज एक कानूनी खाई है

अधिग्रहण का रूप	अंतर्राष्ट्रीय में अनुमति कानून	टिप्पणी
व्यवसाय	सीमित रूप से संभव	केवल वास्तव में स्वामित्वहीन क्षेत्र के लिए
अधिग्रहण	निषिद्ध	प्रतिबंध का उल्लंघन बल
प्रिस्क्रिप्शन	"विवादित, लेकिन मान्यता प्राप्त"	प्रभावशीलता + विरोध की कमी निर्णायक हैं
क्षेत्र का हस्तांतरण	अनुमेय	संधि द्वारा विनियमित
निर्णय	अनुमेय	न्यायिक निर्णय
वृद्धि	अनुमेय	"प्राकृतिक प्रक्रिया, यदि स्थायी हो"

कोई भी जो राज्य क्षेत्र का दावा करना चाहता है, उसे शांतिपूर्ण, कानूनी रूप से सही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए - और औपनिवेशिक कल्पनाओं को अलविदा कहना चाहिए।

📘 अध्याय 5:

राज्य दे क्षेत्र का हस्तांतरण और परिवर्तन – राज्य उत्तराधिकार

🏛️ जब एक राज्य समाप्त हो जाता है तो क्या होता है?

राज्य प्राकृतिक कानून नहीं हैं – वे उभरते हैं, बदलते हैं, और समाप्त हो सकते हैं।

जब एक राज्य अस्तित्व में रहना बंद कर देता है या मौलिक परिवर्तन से गुजरता है, तो इसे अंतरराष्ट्रीय कानून में राज्य उत्तराधिकार कहा जाता है। प्रश्न है:

पुराने राज्य के अधिकारों, कर्तव्यों, संधियों, संपत्तियों और कर्ज का क्या होता है?

🔄 राज्य के अंत और परिवर्तन के रूप

🧨 विभाजन – पतन

एक राज्य पूरी तरह से कई नए राज्यों में विभाजित हो जाता है।

मूल राज्य का अस्तित्व समाप्त हो जाता है।

उदाहरण	विवरण
सोवियत संघ (1991)	15 उत्तराधिकारी राज्यों में पतन; रूस ने लिया संयुक्त राष्ट्र की सीट
चेक्स्लोवाकिया (1993)	चेक गणराज्य और स्लोवाकिया में विभाजन – दोनों नए राज्य

⚠️ विभाजन के मामले में, कोई "रम्प राज्य" नहीं बचता – सभी उत्तराधिकारी अंतरराष्ट्रीय कानून के नए विषय हैं।

🔗 विलय – द विलय

दो या दो से अधिक राज्य मिलकर एक नए राज्य का निर्माण करते हैं। पुराने राज्य अपनी अंतर्राष्ट्रीय कानूनी पहचान खो देते हैं।

उदाहरण	विवरण
तंजानिया (1964)	टंगान्यिका और ज़ांज़ीबार का विलय
येमें (1990)	उत्तर और दक्षिण येमेन का एकीकरण

🧠 विलय दुर्लभ है - यह राजनीतिक एकता और कानूनी पुनर्गठन की आवश्यकता होती है।

🧭 संविधान - क्षेत्र का हस्तांतरण

एक राज्य एक मौजूदा राज्य में शामिल होता है और अपनी अंतर्राष्ट्रीय कानूनी पहचान खो देता है।

अधिग्रहण करने वाला राज्य अस्तित्व में बना रहता है।

उदाहरण	विवरण
जर्मन लोकतांत्रिक गणराज्य → जर्मनी का संघीय गणराज्य **(1990)**	जर्मन लोकतांत्रिक गणराज्य का जर्मनी के संघीय गणराज्य में अधिग्रहण – कोई नई नींव नहीं
ऑस्ट्रिया → जर्मन साम्राज्य **(1938)**	अवैध अधिग्रहण के माध्यम से संविधान

📌 संविधान कानूनी रूप से अनुमेय है यदि यह स्वैच्छिक और संविदात्मक रूप से विनियमित है - अन्यथा, यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है।

⚖️ राज्य उत्तराधिकार के कानूनी परिणाम

📜 संधियाँ

संधि प्रकार	उत्तराधिकार पर हस्तांतरण?
क्षेत्रीय संधियाँ	हाँ - स्वचालित रूप से (जैसे, सीमा संधियाँ)
व्यक्तिगत संधियाँ	नहीं - इसे फिर से बातचीत करनी होगी
बहुपक्षीय संधियाँ	विवादित - अक्सर "स्वच्छ स्लेट" सिद्धांत

🧠 पूर्व उपनिवेश अक्सर टैबुला रासा सिद्धांत का उल्लेख करते हैं - कोई स्वचालित संधि उत्तराधिकार नहीं।

💰 संपत्तियाँ और अभिलेख

- राज्य संपत्तियाँ आमतौर पर अनुपात में विभाजित की जाती हैं।
- आर्काइव्स को प्रशासन के लिए प्रासंगिक होने पर सौंपा जाता है।
- सांस्कृतिक संपत्ति और स्ट्रैटेजिक संसाधनों के लिए विशेष नियम।

💸 राज्य के कर्ज

- **सिद्धांत:** कर्ज उत्तराधिकारी राज्यों को अनुपात में हस्तांतरित किए जाते हैं।
- **अपवाद:**
  "कर्ज ओ *dieuses*" – अत्याचारी उद्देश्यों के लिए लिए गए कर्ज को स्वीकार नहीं करना होगा .

उदाहरण	मूल्यांकन
इराक (2003)	सद्दाम युग के कर्ज आंशिक रूप से नहीं थे स्वीकृत
यूगोस्लाविया (1990 का दशक)	उत्तराधिकारी राज्यों के बीच जटिल विभाजन

📘 राज्य उत्तराधिकार पर वियना सम्मेलन

संधि	वियना कन्वेंशन्स ऑन स्टेट सक्सेशन	स्थिति
संधियों पर वीसी (1978)	संधि उत्तराधिकार पर नियम	केम अनुमोदन (23 राज्य)
संपत्तियों पर वीसी , आर्काइव्स, कर्ज (1983)	राज्य के विभाजन पर नियम संसाधन	प्रभावी नहीं

⚠️ अभ्यास में, उत्तराधिकार मुद्दे आमतौर पर द्विपक्षीय रूप से हल किए जाते हैं – संधियाँ केवल एक ढांचा प्रदान करती हैं।

✅ निष्कर्ष:

राज्य आते हैं और जाते हैं - लेकिन उनकी बाध्यताएँ बनी रहती हैं

क्षेत्र	अंतरराष्ट्रीय कानून अभ्यास में विनियमन / विशेषताएँ
संधियाँ	स्वच्छ स्लेट बनाम स्वचालित हस्तांतरण	राजनीतिक रूप से प्रेरित चयन है अक्सर सामान्य
संपत्तियाँ	अनुपात विभाजन	विवाद का बिंदु संसाधनों और सांस्कृतिक वस्तुओं
कर्ज	स्वीकृति या अस्वीकृति	"घृणित ऋण" को नैतिक रूप से तर्क
पहचान	नया बनाम जारी	रूस कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में सोवियत संघ के

कोई भी संस्थापक एक नए राज्य को केवल भविष्य को आकार नहीं देना चाहिए - बल्कि अतीत को कानूनी रूप से भी संसाधित करना चाहिए।

🌐 भाग IV:

विशेष क्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय कानून में नई चुनौतियाँ

📘 अध्याय 6:

उच्च समुद्र – स्वतंत्रता और जिम्मेदारी

उच्च समुद्र पृथ्वी पर सबसे बड़ा निरंतर क्षेत्र हैं - और किसी के स्वामित्व में नहीं हैं। वे एक वैश्विक सामान्य भलाई हैं, सभी राज्यों के लिए खुले हैं, लेकिन साझा जिम्मेदारी की भी मांग करते हैं।

उनका कानूनी ढांचा संयुक्त राष्ट्र महासागर कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) में विनियमित है - "महासागरों का संविधान।"

🌊 यूएनसीएलओएस – समुद्रों का कानूनी आदेश

1982 का संयुक्त राष्ट्र महासागर कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) 1994 में बल में आया और इसे 160 से अधिक राज्यों ने अनुमोदित किया है।

यह विनियमित करता है:

- सामुद्रिक क्षेत्रों की सीमांकन
- तटीय और भूमि-लॉक राज्यों के अधिकार और कर्तव्य
- समुद्री पर्यावरण का संरक्षण
- समुद्र तल पर और उसके नीचे संसाधनों का उपयोग

📍 यूएनसीएलओएस के अनुसार सामुद्रिक क्षेत्र

क्षेत्र	तटरेखा से विस्तार	तटीय राज्य के अधिकार
क्षेत्रीय समुद्र	12 नौटिकल मील तक	पूर्ण संप्रभुता
संलग्न क्षेत्र	24 नौटिकल मील तक	"कस्टम्स पर नियंत्रण, आव्रजन, स्वास्थ्य"
विशेष आर्थिक क्षेत्र (विशेष आर्थिक क्षेत्र)	200 नौटिकल मील तक	संसाधनों के लिए विशेष अधिकार
महाद्वीपीय शेल्फ	350 नौटिकल मील तक	समुद्र तल संसाधनों के अधिकार
उच्च समुद्र	विशेष आर्थिक क्षेत्र के परे	सामान्य भलाई – सभी के लिए स्वतंत्रता राज्य

🧭 उच्च समुद्र तब शुरू होते हैं जब राष्ट्रीय संप्रभु अधिकार समाप्त होते हैं - और वैश्विक जिम्मेदारी शुरू होती है।

🐟 उच्च समुद्र पर अधिकार और कर्तव्य

यूएनसीएलओएस कुछ स्वतंत्रताओं की गारंटी देता है - लेकिन साथ ही कर्तव्य भी:

✅ स्वतंत्रताएँ

- नौवहन
- उड़ान
- जलमग्न केबल और पाइपलाइन बिछाना
- कृत्रिम द्वीपों का निर्माण
- मछली पकड़ना
- वैज्ञानिक अनुसंधान

⚠️ कर्तव्यों

- समुद्री पर्यावरण का संरक्षण
- समुद्री डकैती से लड़ना
- अपने झंडे के तहत जहाज़ों पर नियंत्रण
- बचाव और सुरक्षा में सहयोग

📌 राज्यों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके जहाज़ अंतर्राष्ट्रीय नियमों का पालन करें - यहां तक कि उच्च समुद्रों पर भी।

🌱 उच्च समुद्रों पर पर्यावरण संरक्षण

समुद्री पर्यावरण संवेदनशील है - और अधिक मछली पकड़ना, प्रदूषण, और जलवायु परिवर्तन द्वारा खतरे में है। यूएनसीएलओएस सभी राज्यों को इसे स्थायी रूप से संरक्षित करने और उपयोग करने के लिए बाध्य करता है।

🧼 पूरक समझौते

समझौता	सामग्री
मरपोल	जहाज़ों से प्रदूषण की रोकथाम
लंदन सम्मेलन	समुद्र में कचरा फेंकने पर प्रतिबंध
BBNJ समझौता (2023)	राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे जैव विविधता का संरक्षण

🧠 यह उच्च समुद्र कानूनहीन स्थान नहीं हैं - बल्कि जिम्मेदारी का एक पारिस्थितिकी तंत्र हैं। .

⛏️ मछली पकड़ना और तल संसाधन

🐠 **मछली पकड़ना**

- सभी राज्यों के लिए अनुमति है
- इसे स्थायी होना चाहिए और नियमों का पालन करना चाहिए
- क्षेत्रीय मछली पकड़ने के समझौतों में मछली पकड़ने की कोटा और संरक्षण उपायों को नियंत्रित किया जाता है

🪨 **समुद्र तल**

- राष्ट्रीय क्षेत्रों के परे समुद्र तल को "मानवता की सामान्य विरासत" माना जाता है
- अंतर्राष्ट्रीय समुद्री तल प्राधिकरण (आईएसए) द्वारा प्रशासित
- गहरे समुद्र के खनन, लाइसेंसिंग और पर्यावरण संरक्षण को नियंत्रित करता है

⚖️ राज्य संसाधनों का केवल शोषण नहीं कर सकते - उन्हें वैश्विक नियमों का पालन करना चाहिए। .

✅ निष्कर्ष:

उच्च समुद्र स्वतंत्र हैं – लेकिन कानूनहीन नहीं

क्षेत्र	अधिकार / स्वतंत्रताएँ	कर्तव्यों / प्रतिबंध
नौवहन	सभी राज्यों के लिए स्वतंत्र	सुरक्षा और अनुपालन के साथ पर्यावरणीय मानकों
मछली पकड़ना	"अनुमति है, लेकिन विनियमित"	"सततता, का संरक्षण संकटग्रस्त प्रजातियाँ"
अनुसंधान	"खुला, लेकिन विषय पर सूचना"	"सहयोग, पर्यावरण संरक्षण"
समुद्र तल	लीज़ेंसिंग के माध्यम से उपयोग	"आईएसए नियंत्रण, का संरक्षण गहरे समुद्र पारिस्थितिकी तंत्र"

जो कोई भी राज्य स्थापित करना चाहता है या समुद्री दावों का दावा करना चाहता है, उसे - और सम्मान करना चाहिए - यूएनसीएलओएस को जानना चाहिए। क्योंकि उच्च समुद्रों पर, शक्ति नहीं, बल्कि कानून मायने रखता है।

📘 अध्याय 7:

अंतरिक्ष कानून – अंतरराष्ट्रीय कानून की अंतिम सीमा

🚀 अंतरिक्ष:

असीमित, लेकिन कानूनहीन नहीं

अंतरिक्ष एक कानूनहीन क्षेत्र नहीं है।

अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत से, अंतरराष्ट्रीय कानून ने यह निर्धारित किया है कि राज्य वहाँ क्या करने की अनुमति रखते हैं - और क्या करने की अनुमति नहीं है।

केंद्रीय संधि आउटर स्पेस संधि 1967 है, जिसे "स्पेस कानून का मैग्ना कार्टा" भी कहा जाता है।

📜 आउटर स्पेस संधि 1967 – मूल सिद्धांत

"राज्यों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर संधि, जो चाँद और अन्य आकाशीय पिंडों के अन्वेषण और उपयोग को शामिल करती है" 1967 में लागू हुई और इसे 110 से अधिक राज्यों द्वारा अनुमोदित किया गया है।

🔑 मुख्य सिद्धांत

सिद्धांत	अर्थ
अंतरिक्ष की स्वतंत्रता	बाहरी अंतरिक्ष सभी राज्यों के लिए खुला है - कोई विशेषाधिकार नहीं अधिकार
ग्रहण न करना	कोई भी राज्य बाहरी अंतरिक्ष के हिस्सों का अधिग्रहण नहीं कर सकता या आकाशीय निकायों का
शांतिपूर्ण उपयोग	बाहरी अंतरिक्ष को शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए आरक्षित किया गया है
राज्य की जिम्मेदारी	राज्य सभी गतिविधियों के लिए जिम्मेदार हैं - जिसमें शामिल हैं निजी अभिनेताओं की गतिविधियाँ
अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	राज्यों को आपातकालीन स्थितियों में सहायता करनी चाहिए और जानकारी का आदान-प्रदान

🧠 आउटर स्पेस संधि एक सहयोग संधि है - संपत्ति का अधिकार नहीं।

⚖️ जिम्मेदारी और पंजीकरण

💥 जिम्मेदारी

- राज्य अपने अंतरिक्ष वस्तुओं द्वारा उत्पन्न क्षति के लिए अनिश्चित काल तक जिम्मेदार हैं
- यह पृथ्वी, हवा क्षेत्र और बाहरी अंतरिक्ष में क्षति पर लागू होता है
- **उदाहरण:** कोसमॉस 954 (1978) – सोवियत उपग्रह कनाडा के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त होता है → प्रतिपूर्ति

🛰️ पंजीकरण

- राज्यों को अपनी अंतरिक्ष वस्तुओं का पंजीकरण कराना चाहिए
- पंजीकरण सम्मेलन (1975) में विनियमित
- **लक्ष्य:** पारदर्शिता, पहचानने योग्य, जवाबदेही

📌 जो भी लॉन्च करता है, वह जिम्मेदार है - और उसे रिपोर्ट करनी चाहिए।

⛏️ अंतरिक्ष खनन – क्या एक शून्य में संपत्ति?

आउटर स्पेस संधि आकाशीय पिंडों के अधिग्रहण को रोकती है - लेकिन संसाधनों के खनन को स्पष्ट रूप से मना नहीं करती।

यह कानूनी ग्रे क्षेत्रों की ओर ले जाता है।

🪨 वर्तमान विकास

राज्य / कानून	वर्तमान विकास
संयुक्त राज्य अमेरिका (2015)	स्पेस अधिनियम खनिजों की खुदाई के निजी स्वामित्व की अनुमति देता है
लक्ज़मबर्ग (2017)	अंतरिक्ष खनन को बढ़ावा देने के लिए कानून
अंतरराष्ट्रीय कानून मूल्यांकन	विवादित - ग्रहण न करने के सिद्धांत का विरोध करता है संधि का सिद्धांत

⚠️ संसाधनों का स्वामित्व ≠ आकाशीय शरीर का स्वामित्व – लेकिन यह रेखा धुंधली है।

🧹 अंतरिक्ष मलबा और STM – कक्षा में आदेश

🧼 अंतरिक्ष मलबा

- कक्षा में 30,000 से अधिक वस्तुएं – जिनमें से कई कार्यात्मक नहीं हैं
- उपग्रहों, अंतरिक्ष स्टेशनों और अभियानों के लिए खतरा
- मलबे के निवारण या हटाने के लिए कोई बाध्यकारी नियम नहीं हैं

📡 STM (स्पेस ट्रैफिक मैनेजमेंट)

- अंतरिक्ष यातायात को नियंत्रित करने के लिए संकल्पना
- **लक्ष्य:** सुरक्षा, समन्वय, टकराव से बचाव
- अभी तक कोई अंतर्राष्ट्रीय बाध्यकारी मानक नहीं हैं

🧠 कक्षा एक राजमार्ग बनती जा रही है - लेकिन बिना ट्रैफिक नियमों के।

🎯 डुअल-यूज़ समस्या – नागरिक या सैन्य?

लगभग सभी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों में "डुअल-यूज़" संभावना होती है - इन्हें नागरिक और सैन्य दोनों उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जा सकता है।

⚔️ उदाहरण

- **जीपीएस:** नागरिकों और सैन्य के लिए नौवहन
- **उपग्रह:** संचार, पहचान, लक्ष्य निर्धारण
- **लेजर और एंटी-सैटेलाइट हथियार:** संभावना का खतरा

📌 Thआउटर स्पेस संधि किक्षा में हथियारों पर प्रतिबंध लगाती है – लेकिन सभी सैन्य गतिविधियों पर नहीं .

✅ निष्कर्ष:

अंतरिक्ष खुला है – लेकिन अनियंत्रित नहीं

क्षेत्र	अधिकार / स्वतंत्रताएँ	कर्तव्य / प्रतिबंध
उपयोग करें	सभी राज्यों के लिए खुला	"शांतिपूर्ण, सहयोगी, पारदर्शी"
जमीन	असीमित राज्य जमीन	"पंजीकरण शुल्क, नुकसान के लिए मुआवजा"
संसाधन	"खनन संभव है, स्वामित्व विवादित"	आकाशीय का कोई अधिग्रहण शरीर
मलबा / ट्रैफिक	कोई बाध्यकारी नियम नहीं	STM और मलबे पर चर्चा नियंत्रण
सैन्य उपयोग	"डुअल-यूज़ की अनुमति है, हथियार प्रतिबंधित"	अंतरिक्ष में कोई हथियार नियंत्रण नहीं

राज्य की स्थापना करने वाला कोई भी व्यक्ति – या एक अंतरिक्ष स्टेशन – को अंतरिक्ष कानून के बारे में जानना चाहिए। क्योंकि वायुमंडल के बाहर भी, कानून शक्ति से पहले आता है।

📘 अध्याय 8:

ध्रुवीय क्षेत्र – आर्कटिक और अंटार्कटिक: विभिन्न कानूनी शासन

❄️ ध्रुव:

आम तौर पर ठंडा, कानूनी रूप से मौलिक रूप से अलग

आर्कटिक और अंटार्कटिक पृथ्वी पर दो अंतिम महान वन्य क्षेत्रों में से हैं - और साथ ही, भू-राजनीतिक रूप से अत्यधिक प्रासंगिक भी।

लेकिन जबकि अंटार्कटिका एक अंतर्राष्ट्रीय संधि प्रणाली द्वारा शांत किया गया है, आर्कटिक धीरे-धीरे रणनीतिक हितों का मंच बनता जा रहा है।

🧊 अंटार्कटिका – शांति और विज्ञान के लिए एक महाद्वीप

अंटार्कटिका एक बर्फ से ढका महाद्वीप है जिसमें कोई स्थायी जनसंख्या नहीं है। इसकी कानूनी स्थिति अंटार्कटिक संधि प्रणाली द्वारा शासन की जाती है।

📜 अंटार्कटिक संधि (1961)

सिद्धांत	अर्थ
शांतिपूर्ण उपयोग	सैन्य गतिविधियों पर प्रतिबंध है
वैज्ञानिक स्वतंत्रता	अनुसंधान की अनुमति है और इसे समन्वित किया जाना चाहिए
क्षेत्रीय दावे	"मौजूदा दावे 'जमे हुए' हैं, नए excluded"
पर्यावरण संरक्षण	पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से सख्त नियम संरक्षण प्रोटोकॉल (1994)

📌 अंटार्कटिका अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मॉडल है – और विज्ञान के लिए एक संरक्षित क्षेत्र है।

🌱 पर्यावरण संरक्षण प्रोटोकॉल

● भारी ईंधन तेल परिवहन पर प्रतिबंध

● पर्यावरणीय प्रभाव आकलन करने का कर्तव्य

● संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र और प्रजातियों का संरक्षण

🧠 अंटार्कटिका एक कानूनहीन स्थान नहीं है – बल्कि एक पारिस्थितिकी रूप से विनियमित विशेष क्षेत्र है .

🧭 आर्कटिक – पिघलता हुआ बर्फ, बढ़ते हुए हित

आर्कटिक एक महाद्वीप नहीं है, बल्कि आठ राज्यों द्वारा घेरित एक महासागर है। इसका कानूनी ढांचा यूएनसीएल ओएस और क्षेत्रीय सहयोग पर आधारित है।

📘 यूएनसीएलओएस आर्कटिक में

● तटीय राज्यों के पास विशेष आर्थिक क्षेत्र और महाद्वीपीय शेल्फ के अधिकार हैं

● राज्य विस्तारित समुद्रतल का दावा कर सकते हैं

● अंतरराष्ट्रीय शिपिंग की अनुमति है - जैसे कि उत्तरीपूर्वी मार्ग

⚠️ जलवायु परिवर्तन आर्कटिक को सुलभ बना रहा है - और यह राजनीतिक रूप से विवादित है।

🧑‍🤝‍🧑 आर्कटिक परिषद (1996)

सदस्य राज्य	कार्य
"कनाडा, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे, रूस, स्वीडन, संयुक्त राज्य अमेरिका"	सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण
अवलोकन राज्य	"जैसे, जर्मनी, चीन, भारत"
स्वदेशी संगठन	निर्णयों में भाग लेने का अधिकार

📌 आर्कटिक परिषद एक अंतर्राष्ट्रीय कानूनी निकाय नहीं है - बल्कि एक महत्वपूर्ण समन्वय मंच है।

🛢️ संसाधन और शिपिंग मार्ग

🪨 संसाधन

- समुद्र तल के नीचे तेल, गैस, दुर्लभ पृथ्वी
- बदलते पारिस्थितिकी तंत्र में मछली के भंडार
- यूएनसीएलओएस उपयोग को नियंत्रित करता है - लेकिन संघर्ष पूर्व निर्धारित हैं

🚢 शिपिंग मार्ग

- उत्तरीपूर्वी मार्ग और उत्तरपश्चिमी मार्ग बर्फ-मुक्त होते जा रहे हैं
- व्यापार और सैन्य के लिए रणनीतिक रूप से प्रासंगिक
- सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियम आवश्यक हैं

⚠️ आर्कटिक अंटार्कटिक नहीं है - यहाँ, राष्ट्रीय दावे और आर्थिक हित लागू होते हैं।

✅ निष्कर्ष:

दो ध्रुव – दो विश्व

क्षेत्र	कानूनी शासन	उपयोग / संघर्ष संभावना
अंटार्कटिका	अंटार्कटिक संधि + पर्यावरण संरक्षण प्रोटोकॉल	"शांतिपूर्ण, वैज्ञानिक, सहकारी"
आर्कटिक	यूएनसीएलओएस + आर्कटिक परिषद	"संसाधन-उन्मुख", स्ट्रैटेजिक रूप से विवादित"

जो कोई भी एक राज्य स्थापित करना चाहता है या ध्रुवीय दावे करना चाहता है, उसे अंतर जानना चाहिए - और नियमों का सम्मान करना चाहिए।

क्योंकि अंत में, यह मायने नहीं रखता कि कौन सबसे जोर से दावा करता है, बल्कि यह मायने रखता है कि कौन कानूनी रूप से सही तरीके से कार्य करता है।

📘 अध्याय 9:

अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग - नदियाँ, नहरें, और जलडमरूमध्य s

🌊 जलमार्ग:

विश्व की जीवन रेखाएँ

अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग व्यापार, परिवहन, और संसाधन प्रबंधन के लिए केंद्रीय महत्व के हैं।

ये राज्य को जोड़ते हैं, सीमाएँ पार करते हैं, और संप्रभुता और सहयोग को संतुलित करने वाले अंतर्राष्ट्रीय कानूनी नियमों की आवश्यकता होती है।

🏞️ 9.1 अंतर्राष्ट्रीय नदियाँ – समान उपयोग और सहयोग

कई नदियाँ कई राज्यों को पार करती हैं – और इस प्रकार एक सामान्य संसाधन का प्रतिनिधित्व करती हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून उनके उपयोग को "निष्पक्ष और उचित उपयोग" के सिद्धांत के तहत नियंत्रित करता है।

⚖️ मूल सिद्धांत

सिद्धांत	अर्थ
समान उपयोग	सभी तटीय राज्यों का उपयोग करने का अधिकार है - अनुपातिक रूप से और निष्पक्षता से
महत्वपूर्ण हानि की रोकथाम	राज्यों को दूसरों को अनुचित रूप से नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए अन्य
सूचना देने की जिम्मेदारी	राज्य को योजनाबद्ध उपायों के बारे में सूचित करना चाहिए

🧑‍🔬 नदी आयोग

- तकनीकी और राजनीतिक समन्वय के लिए संस्थान
- **उदाहरण:** मेकोंग नदी आयोग, डेन्यूब आयोग
- **लक्ष्य:**संघर्ष की रोकथाम, सतत उपयोग, डेटा प्रबंधन

📌 नदियाँ एकतरफा सड़कें नहीं हैं – बल्कि बहुपरकारी प्रणाली हैं।

🚢 9.2 अंतर्राष्ट्रीय नहरें - वैश्विक महत्व के कृत्रिम कनेक्शन

कृत्रिम जलमार्ग जैसे सुएज़ नहर, पनामा नहर, और किअल नहर रणनीतिक रूप से अनिवार्य हैं - और विशेष अंतर्राष्ट्रीय कानूनी नियमों के अधीन हैं।

🌍 सुएज़ नहर

- **कॉन्स्टेंटिनोपल सम्मेलन (1888):** सभी जहाज़ों के लिए मुक्त पारगमन
- मिस्र रक्षा कारणों से पारगमन को अस्वीकार कर सकता है
- 1956 में राष्ट्रीयकरण - सुएज़ संकट का कारण

🌎 पनामा नहर

- मूलतः अमेरिकी नियंत्रण में (1903–1999)
- **टोरिजोस-कार्टर संधियाँ (1977):** पानामा को हस्तांतरण, तटस्थता की गारंटी
- आज पनामी प्रशासन के अधीन

🇩🇪 किअल नहर

- दुनिया का सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला कृत्रिम जलमार्ग
- **वर्साई की संधि का अनुच्छेद 380:** सभी शांतिपूर्ण राष्ट्रों के लिए खुला
- जर्मन प्रशासन के तहत, लेकिन अंतर्राष्ट्रीयकरण किया गया

🧠 नहरें राष्ट्रीय अवसंरचना हैं जिनकी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

🌐 9.3 जलडमरूमध्य – परिवहन मार्ग और संप्रभुता

जलडमरूमध्य उच्च समुद्र या विशेष आर्थिक क्षेत्र के दो हिस्सों को जोड़ते हैं और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए अनिवार्य हैं। यूएनसीएलओएस उनके उपयोग को परिवहन मार्ग के अधिकार के माध्यम से नियंत्रित करता है।

🚢 परिवहन मार्ग (यूएनसीएलओएस अनुच्छेद 38)

विशेषता	अर्थ
निरंतर परिवहन	जहाज़ और विमान बिना किसी देरी के गुजर सकते हैं
कोई पूर्व प्राधिकरण नहीं	राज्य पारगमन से इनकार नहीं कर सकते
सुरक्षा उपाय	तटीय राज्य सुरक्षा और के लिए नियम बना सकते हैं पर्यावरण संरक्षण

🧭 जलडमरूमध्य के उदाहरण

जलडमरूमध्य	महत्व
हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य	फ़ारसी खाड़ी और अरब सागर
बोस्फोरस और डार्डानेल्स	काला सागर तक पहुँच
जिब्राल्टर जलडमरूमध्य	अटलांटिक और मध्यभूमि के बीच संबंध

⚠️ जलडमरूमध्य कानूनी रूप से अंतरराष्ट्रीय कानून में संवेदनशील क्षेत्र हैं - वैश्विक हित और राष्ट्रीय नियंत्रण के बीच।

✅ निष्कर्ष:

जलमार्ग पुल हैं – सीमाएँ नहीं

प्रकार	कानूनी शासन	विशेषताएँ / उदाहरण
नदियाँ	"समान उपयोग, सहयोग"	"डेन्यूब, नाइल, मेकोंग"
नहरें	संविदात्मक रूप से अंतरराष्ट्रीय	"सूज़, पानामा, कील नहर"
जलडमरूमध्य	परिवहन मार्ग के अनुसार यूएनसीएलओएस	"होर्मुज, जिब्राल्टर, बोस्फोरस"

जो कोई एक राज्य की स्थापना करता है या जलमार्गों तक पहुँच रखता है, उसे यह जानना चाहिए: पानी जोड़ता है - लेकिन केवल तभी जब नियम स्पष्ट हों।

📘 अध्याय 10:

अक्षेत्रीयता और विशेष स्थिति – जब क्षेत्र "भिन्न" होते हैं

🧭 अक्षेत्रीयता क्या है?

अक्षेत्रीयता उन विशेष कानूनी स्थितियों को संदर्भित करती है जहाँ कुछ स्थानों, संस्थानों या वस्तुओं पर सामान्य क्षेत्रीय संप्रभुता सीमित या निलंबित होती है।

यह "विदेशी क्षेत्र" के बारे में नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय सिद्धांत के लिए कार्यात्मक अपवादों के बारे में है।

🏛️ 10.1 राजनयिक परिसर – असुरक्षा, संपत्ति नहीं

राजनयिक मिशन जैसे दूतावास और कौंसलेट विशेष संरक्षण का आनंद लेते हैं – जिसे वियना संधियों (VCDR/VCCR) द्वारा विनियमित किया गया है।

📜 मूल सिद्धांत (VCDR 1961)

संरक्षण का क्षेत्र	अर्थ
स्थान की अव्यवधानीयता	"कोई खोज, जब्ती या प्रवेश बिना सहमति के नहीं"
राजनयिकों की छूट	आश्रय राज्य द्वारा कोई आपराधिक अभियोजन नहीं
आर्काइव्स का संरक्षण	दस्तावेज़ हर समय सुरक्षित रहते हैं - यहां तक कि दूतावास के बाहर

⚠️ अक्षेत्रीयता एक मिथक है - दूतावास आश्रय राज्य का हिस्सा रहते हैं, लेकिन विशेष नियमों के अधीन होते हैं।

🧠 विशेष मामला

● **जूलियन असांज इक्वाडोरियन दूतावास में:** शरण का कोई अधिकार नहीं, लेकिन पहुंच से संरक्षण

● **राजनयिकों के बच्चे:** केवल आधिकारिक आचरण के लिए असुरक्षा

🪖 10.2 सैन्य ठिकाने – विदेशी सैनिक, विदेशी कानून?

विदेश में सैन्य ठिकाने जटिल नियमों के अधीन होते हैं - आमतौर पर द्विपक्षीय संधियों या नाटो बलों की स्थिति समझौता (SOFA) जैसे बहुपक्षीय समझौतों के माध्यम से।

📘 नाटो बलों की स्थिति समझौता (SOFA)

नियमावली	अर्थ
अधिकार क्षेत्र	आश्रय राज्य का प्राथमिक अपराध न्याय क्षेत्र है – भेजने वाला राज्य अपवाद का दावा कर सकता है
कर छूट	सेना स्थानीय करों से छूट प्राप्त है
आयात नियम	सैन्य सामग्री के लिए कस्टम छूट

🧰 अतिथि राष्ट्र समर्थन (HNS)

- आश्रय राज्य से समर्थन: अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स, आपूर्ति
- संधि द्वारा विनियमित – जैसे, स्थानांतरण समझौतों के माध्यम से

📌 सैन्य ठिकाने "सूक्ष्म-राज्य" नहीं हैं – लेकिन कानूनी रूप से संरक्षित हैं।

🧭 उदाहरण

- **रामस्टीन एयर बेस (जर्मनी):** विशेष स्थिति वाला अमेरिकी ठिकाना
- **ओकिनावा (जापान):** स्थानीय विरोध और कानूनी तनाव के साथ अमेरिकी उपस्थिति

🧪 10.3 विशेष मामले – जब अंतरराष्ट्रीय कानून जिज्ञासाओं से मिलता है

🛢️ तेल प्लेटफार्म

- अक्सर राष्ट्रीय संप्रभुता के बाहर स्थित
- यूएनसीएलओएस उपयोग, सुरक्षा, और पर्यावरण संरक्षण को नियंत्रित करता है
- कोई अक्षेत्रीयता नहीं – लेकिन कार्यात्मक विशेष नियम

✈️ **हवाई जहाज के शौचालय**

- विमान झंडा राज्य के कानून के अधीन होते हैं
- बोर्ड पर किए गए अपराधों को पंजीकृत राज्य के क्षेत्र में किया गया माना जाता है
- **उदाहरण:** हवाई जहाज पर जन्म या हत्या → पंजीकरण के अनुसार कानूनी अधिकार क्षेत्र

🏴 सूक्ष्म राष्ट्र

- स्वयं-घोषित "राज्य" जिनकी अंतरराष्ट्रीय कानूनी मान्यता नहीं है
- **उदाहरण:** ○ **सीलैंड** (उत्तर सागर में प्लेटफ़ॉर्म)
  - ○ **लिबरलैंड** (क्रोएशिया और सर्बिया के बीच)
  - ○ **मोलोसिया** (संयुक्त राज्य अमेरिका, नेवादा)

विशेषता	मूल्यांकन
राज्य क्षेत्र	अधिकतर न्यूनतम या प्रतीकात्मक
राज्य जनसंख्या	"परिवार, दोस्त, ऑनलाइन समुदाय"
राज्य शक्ति	"सजावटी , अप्रभावी"
अंतरराष्ट्रीय संबंध	"कोई मान्यता, कोई संधियाँ"

🧠 सूक्ष्म राष्ट्र रचनात्मक प्रयोग हैं - लेकिन ये अंतरराष्ट्रीय कानून के विषय नहीं हैं।

✅ निष्कर्ष:

अक्षेत्रीयता दुर्लभ है - लेकिन आकर्षक

क्षेत्र	कानूनी स्थिति	असामान्यताएँ / प्रतिबंध
राजनयिक परिसर	"असुरक्षा, कोई अक्षेत्रीयता"	"VCDR, से संरक्षण पहुँच"
सैन्य ठिकाने	"संधि द्वारा विनियमित, सीमित अधिकार क्षेत्र"	"नाटो-SOFA, HNS"
विशेष मामले	"कार्यात्मक विशेष नियम, नहीं राज्यत्व"	"यूएनसीएलओएस, हवा कानून, सूक्ष्म राष्ट्र"

कोई भी जो एक राज्य की नींव रखना चाहता है, वह अक्षेत्रीयता का सपना देख सकता है - लेकिन उसे कानूनी रूप से ठोस नींव पर भरोसा करना चाहिए।

🏴 सूक्ष्म राष्ट्रों का अवलोकन - मान्यता के बिना रचनात्मक राज्य

सूक्ष्म राष्ट्र स्वयं-घोषित "राज्य" हैं जो आमतौर पर विरोध, कला, व्यंग्य, या व्यक्तिगत जुनून से उत्पन्न होते हैं।

वे अक्सर राज्यत्व के व्यक्तिगत मानदंडों को पूरा करते हैं - लेकिन कोई भी अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मान्यता प्राप्त नहीं है।

📊 चुने हुए सूक्ष्म राष्ट्रों की तुलना

नाम	स्थापना वर्ष	स्थान / क्षेत्र की विशेषताएँ		अंतरराष्ट्रीय कानून स्थिति
सीलैंड	1967	ऑफशोर प्लेटफ़ॉर्म (उत्तर सागर)	"अपना झंडा, पासपोर्ट, संविधान"	मान्यता प्राप्त नहीं
लिबरलैंड	2015	"नो मैन की भूमि (डेन्यूब, एचआर/आरएस)"	"टेरा नलियस का दावा , लिबर्टेरियन विचारधारा"	मान्यता प्राप्त नहीं है
मोलोसिया	1977	"नेवादा, संयुक्त राज्य अमेरिका"	"हास्य राजतंत्र, अपना मुद्रा"	पहचान नहीं है
हट नदी	1970–2020	पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया	कर विरोध ऑस्ट्रेलियाई सरकार	विघटित
लाडोनिया	1996	दक्षिणी स्वीडन (प्राकृतिक आरक्षित क्षेत्र)	कला परियोजना जिसमें इसकी अपनी सरकार है	मान्यता प्राप्त नहीं है

🧠 सूक्ष्म राज्य कानूनी रूप से राज्य नहीं हैं - लेकिन सांस्कृतिक और रचनात्मक रूप से अक्सर बहुत जीवंत होते हैं .

🪖 उदाहरण:

एक तैनाती समझौते की संरचना (अतिथि राष्ट्र समर्थन)

एक तैनाती समझौता एक आश्रय राज्य के क्षेत्र में विदेशी सशस्त्र बलों की उपस्थिति को नियंत्रित करता है।

यह आमतौर पर नाटो बलों की स्थिति समझौता (SOFA) पर आधारित होता है और द्विपक्षीय समझौतों द्वारा पूरक होता है।

📘 एक स्टेशनिगि समझौते की मॉडल संरचना

स्टेशनिगि समझौता
राज्य X और राज्य Y के बीच

भूमिका
● समझौते का उद्देश्य

● मौजूदा संधियों का संदर्भ (जैसे, नाटो-SOFA)

अनुच्छेद 1 – परिभाषाएँ
● "बल," "सुविधाएँ," "आश्रय राज्य," "भेजने वाला राज्य" जैसे शब्द

अनुच्छेद 2 – अनुमेय गतिविधियाँ
● सैन्य अभ्यास, लॉजिस्टिक्स, अवसंरचना

अनुच्छेद 3 – अधिकार क्षेत्र
● अपराध न्याय क्षेत्र: मुख्य रूप से आश्रय राज्य, भेजने वाले राज्य के लिए अपवाद

अनुच्छेद 4 – कर और कस्टम नियम● बलों के लिए कर छूट, सामग्री के लि
ए कस्टम छूट

अनुच्छेद 5 – पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा ● राष्ट्रीय मानकों का अ
नुपालन, नुकसान के लिए जिम्मेदारी

अनुच्छेद 6 – अवधि और समाप्ति
● अवधि, विस्तार, समाप्ति की प्रक्रियाएँ

अनुच्छेद 7 – विवाद समाधान ● परामर्श तंत्र, मध्यस्थता प्रक्र
याएँ

हस्ताक्षर
● दोनों राज्यों के प्रतिनिधि

📌 यह समझौता कोई मुफ्त पास नहीं है – बल्कि संप्रभुता और सहयोग के बीच एक बारीकी से संतुलित नि
यमों का सेट है।

🧰 राज्य संस्थापकों के लिए शुरुआत पैक

राज्य की स्थापना कैसे करें – पारंपरिक, प्रयोगात्मक, या प्रतीकात्मक

🧭 1. बुनियादी आवश्यकताएँ: एक राज्य क्या बनाता है?

मोंटेवीडियो सम्मेलन (1933) के अनुसार, एक राज्य को चाहिए:

मानदंड	अर्थ
राज्य क्षेत्र	एक स्पष्ट रूप से परिभाषित क्षेत्र जिसमें प्रभावी नियंत्रण हो
राज्य जनसंख्या	एक स्थायी जनसंख्या जो कानूनी बंधन से जुड़ी हो राज्य
राज्य शक्ति	एक कार्यरत सरकार जिसमें लागू करने की क्षमता हो क्षमता
विदेशी संबंध	राजनयिक संबंध स्थापित करने की क्षमता

📌 ये मानदंड आवश्यक हैं - लेकिन अंतरराष्ट्रीय मान्यता के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

🪪 2. राज्य स्थापना के लिए शास्त्रीय मार्ग

🧨 अलगाव – एक मौजूदा राज्य से अलग होना

- केवल वैधता मानव अधिकारों के सबसे गंभीर उल्लंघनों (उपचारात्मक अलगाव) के मामलों में)
- **उदाहरण:** कोसोवो, बांग्ल
  देश
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवादास्पद, राजनीतिक रूप से जोखिमपूर्ण

📜 उत्तराधिकार – संप्रभु अधिकारों का संवैधानिक ग्रहण

- द्विपक्षीय समझौते या अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के माध्यम से
- **उदाहरण:** दक्षिण सूडान, चेक्स्लोवाकि
  या
- कानूनी रूप से स्थिर, लेकिन राजनीतिक रूप से जटिल

⚠️ दोनों मार्गों के लिए राजनयिक वार्ताओं और अंतर्राष्ट्रीय स्वीकृति की आवश्यकता है।

🧪 3. प्रायोगिक मॉडल: सूक्ष्म राष्ट्र और विशेष क्षेत्र

🏴 **एक सूक्ष्म राष्ट्र की स्थापना करें**

- अपने झंडे, संविधान, मुद्रा के साथ प्रतीकात्मक राज्य की स्थापना
- कोई अंतरराष्ट्रीय कानूनी स्थिति नहीं, लेकिन सांस्कृतिक और मीडिया प्रभाव
- **उदाहरण:** सीलैंड, लिबरलैंड, मोलोसिया

🧭 स्व-सरकार या विशेष स्थिति

- मौजूदा कानूनी छिद्रों या विशेष नियमों का उपयोग
- **उदाहरण:** स्वायत्त क्षेत्र, मुक्त व्यापार क्षेत्र, अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्रीय सुविधाएं
- **लक्ष्य:** वास्तविक स्व-निर्धारण बिना औपचारिक राज्यत्व

🧠 रचनात्मकता मान्यता का विकल्प नहीं है - लेकिन यह ध्यान आकर्षित कर सकती है।

🧨 4. अवसरवादी मॉडल:

पतन, विघटन, नो मैन की भूमि

🏚️ राज्य विघटन या विभाजन का शोषण करें

- एक राज्य के पतन की तैयारी (जैसे, युद्ध, ऋण, विघटन के माध्यम से)
- **उदाहरण:** सोवियत संघ → रूस, यूक्रेन, आदि।
- उत्तराधिकारी राज्य स्थापित करने या क्षेत्र पर नियंत्रण पाने का अवसर

🏜️ नो मैन की भूमि पर कब्जा करें

- टेरा नलियस आज hardly मौजूद है - लेकिन ऐसी सीमा पट्टियाँ हैं जिनमें संप्रभुता स्पष्ट नहीं है
- **उदाहरण:** बिर तवील (मिस्र और सूडान के बीच)
- अंतर्राष्ट्रीय रूप से संदिग्ध, लेकिन प्रतीकात्मक रूप से उपयोगी

📌 जो लोग तैयार होते हैं, वे संकट के क्षण में कार्रवाई करने में सक्षम हो सकते हैं।

🪖 5. विशेष अधिकारों का उपयोग करें:

स्टेशनिंग अधिकार & अक्षेत्रीयता

🛡️ स्टेशनिंग अधिकार

- विशेष स्थिति के साथ एक सैन्य या नागरिक आधार की स्थापना
- एक मौजूदा राज्य के साथ संधि द्वारा विनियमित
- **उदाहरण:** रामस्टीन एयर बेस (जर्मनी में अमेरिका)

🏛️ अक्षेत्रीयता

- राजनयिक असुरक्षा या कार्यात्मक विशेष क्षेत्रों का उपयोग
- **उदाहरण:** दूतावास, कौंसलेट, अंतरराष्ट्रीय संगठन
- एक अलग राज्य नहीं, बल्कि कानूनी रूप से सुरक्षित

🧠 विशेष अधिकार राज्यत्व का विकल्प नहीं हैं - बल्कि ये स्ट्रेटेजिक उपकरण हैं।

🧑‍⚖️ 6. अंतरराष्ट्रीय कानूनी क्षमता एक व्यक्ति या संगठन के रूप में

👤 प्राकृतिक व्यक्ति

- एक अंतर्राष्ट्रीय फोकस के साथ संघ, नींव, या गैर-सरकारी संगठन की स्थापना
- अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ पंजीकरण (जैसे, ईकोसोक, यूएन-एनजीओ-शाखा)
- राजनयिक नेटवर्क का निर्माण और सम्मेलनों में भाग लेना

🏢 संगठन

- मुलायम शक्ति का उपयोग: संस्कृति, विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण
- "क्वासी-राज्य" का निर्माण प्रशासन, प्रतीकात्मकता, और सार्वजनिक उपस्थिति के साथ
- **उदाहरण:** आभासी राज्य, डिजिटल राष्ट्र, ब्लॉकचेन आधारित शासन

📌 कार्य करने की क्षमता दृश्यता, संरचना, और कानूनी स्पष्टता से उत्पन्न होती है।

✅ राज्य की स्थापना के लिए कदम-दर-कदम योजना

1. **एक संकल्पना विकसित करें:** नाम, संविधान, सरकार, जनसंख्या
2. **क्षेत्र सुरक्षित करें:** कानूनी रूप से, प्रतीकात्मक रूप से, या संवैदात्मक रूप से
3. **कानूनी ढांचा बनाएं:** राष्ट्रीयता, संस्थान, प्रशासन
4. **अंतर्राष्ट्रीय संचार:** वेबसाइट, राजनयिक मिशन या उपस्थिति
5. **मान्यता प्राप्त करें:** द्विपक्षीय वार्ता, एनजीओ स्थिति, संयुक्त राष्ट्र संपर्क
6. **कानून के अनुसार कार्य करें:** हिंसा का परित्याग, मानव अधिकार, पारदर्शिता
7. **दीर्घकालिक रणनीति:** सततता, सहयोग, यथार्थवाद

📘 अध्याय 11:

सूक्ष्म राष्ट्र और स्व-प्रशासन - प्रतीकवाद और कानून के बीच

🏴 सूक्ष्म राष्ट्र:

मान्यता के बिना रचनात्मक राज्य

सूक्ष्म राष्ट्र स्वयं-घोषित "राज्य" हैं जो आमतौर पर विरोध, कला, व्यंग्य, या व्यक्तिगत जुनून से उत्पन्न होते हैं।

वे अक्सर राज्यत्व के व्यक्तिगत मानदंडों को पूरा करते हैं - लेकिन कोई भी अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत मान्यता प्राप्त नहीं है।

🚜 अपने स्वयं के खेत पर सूक्ष्म राष्ट्र - चरण-दर-चरण

क्या आप अपने खेत को राज्य घोषित करना चाहते हैं?

यह प्रतीकात्मक मार्ग है:

🧭 **चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका**

1. 🗺️ **क्षेत्र को परिभाषित करें** – संपत्ति को सीमांकित करें, एक मानचित्र बनाएं – पड़ोस को सूचित करें (वैकल्पिक)
2. 🏛️ **संविधान का मसौदा तैयार करें** – मूल अधिकार, सरकार, राज्य का रूप – हास्य की अनुमति है, लेकिन संरचना महत्वपूर्ण है
3. 🏴 **झंडा और प्रतीकों का डिज़ाइन करें** – राष्ट्रीय ध्वज, कोट ऑफ आर्म्स, गान – पहचान बनाएं
4. 💰 **अपनी मुद्रा का परिचय दें** – प्रतीकात्मक रूप से या एक वाउचर के रूप में – उदाहरण: "Valora," "मोलोसियन डॉलर"
5. 🪪 **नागरिकता प्रदान करें** – पासपोर्ट दस्तावेज, सदस्यता कार्ड – ऑनलाइन पंजीकरण संभव है
6. 🌐 **वेबसाइट और जनसंपर्क** – डिजिटल उपस्थिति, सोशल मीडिया – राजनयिक मान्यता के लिए आमंत्रण

📌 **महत्वपूर्ण:**

सब कुछ प्रतीकात्मक बना हुआ है – जर्मन राज्य से कोई कानूनी अलगाव नहीं है।

🧪 प्रतीकात्मक संप्रभुता – क्या अनुमति है?

तत्व	जर्मनी में कानूनी स्थिति
झंडा, गान	"अनुमति है, जब तक कोई आधिकारिक प्रतीक नहीं हैं उल्लंघन किया"
मुद्रा	एक वाउचर या संग्रहणीय वस्तु के रूप में अनुमति है
पासपोर्ट	एक काल्पनिक उत्पाद के रूप में अनुमति है - नहीं एक पहचान दस्तावेज़
संविधान	अनुमति है - लेकिन इसका कोई कानूनी प्रभाव नहीं है
कर, कानून	अनुमति नहीं है - जर्मन कानून के अधीन

⚠️ कोई भी जो संप्रभु क्षमता में कार्य कर रहा है (जैसे, पुलिस, अदालत) मौजूदा कानून का उल्लंघन करता है .

👩‍💻 आभासी राज्य & अंतरिक्षीय दावे

🌐 आभासी राज्य

- ऑनलाइन संविधान, नागरिकों और प्रशासन के साथ डिजिटल राष्ट्र
- **उदाहरण:** बटिनेशन, नेशनस्टेट्स, डीएओ-आधारित शासन
- **लक्ष्य:** वैश्विक समुदाय, डिजिटल आत्म-निर्णय

🚀 अंतरिक्षीय दावे

- "राज्य" चाँद या मंगल पर – अक्सर प्रतीकात्मक या व्यंग्यात्मक
- **उदाहरण:** लूनर एंबेसी, असगार्ड
  या
- **अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कानूनी रूप से अस्वीकार्य:** आ
  उटर स्पेस संधि अधिग्रहण पर रोक लगाती है

📌 अंतरिक्ष सभी का है - लेकिन किसी का विशेष रूप से नहीं।

🧑‍⚖️ स्वयं-प्रशासक – कानूनी स्थिति और सीमाएँ

"स्वयं-प्रशासक" राज्य के कानूनी आदेश को अस्वीकार करते हैं और अपनी खुद की कथित संप्रभुता का हवाला देते हैं।

⚖️ कानूनी मूल्यांकन

व्यवहार	जर्मन प्राधिकरण द्वारा मूल्यांकन
प्राधिकरणों द्वारा अस्वीकृति	कानूनी प्रणाली से बाहर निकलने का कोई अधिकार नहीं
अपने दस्तावेज़ (जैसे, पासपोर्ट)	मान्यता प्राप्त नहीं - संभवतः दस्तावेज़ों की जालसाजी
"राइख्सबर्गर" तर्क	संविधान की सुरक्षा के लिए कार्यालय से संबंधित संविधान

⚠️ स्व-प्रशासन ≠ सूक्ष्म राष्ट्र। सूक्ष्म राष्ट्र प्रतीकात्मक होते हैं - स्वयं-प्रशासक अक्सर वैचारिक और गैर कानूनी होते हैं।

✅ निष्कर्ष:

Microनेशन की अनुमति है - जब तक कि वे प्रतीकात्मक बने रहें c

मॉडल	कानूनी स्थिति	जोखिम / संभावना
सूक्ष्म राष्ट्र	प्रतीकात्मक रूप से अनुमति प्राप्त	"रचनात्मक, मीडिया-प्रभावी, कानूनी रूप से हानिरहित"
आभासी राज्य	"डिजिटल, वैश्विक, प्रतीकात्मक"	"नवोन्मेषी, लेकिन बिना अंतर्राष्ट्रीय कानूनी प्रभाव"
स्व-प्रशासन	गैरकानूनी	"अधिकारियों के साथ संघर्ष, अपराध से संबंधित"
अंतरिक्ष राज्य	अंतर्राष्ट्रीय के तहत बाहर रखा गया कानून	"व्यंग्यात्मक, लेकिन मान्यता के लिए योग्य नहीं है"

जो कोई राज्य स्थापित करना चाहता है, वह एक सूक्ष्म राष्ट्र से शुरुआत कर सकता है - लेकिन उसे यह जानना चाहिए कि कानूनी सीमाएँ कहाँ हैं।

📘 अध्याय 12:

अंतरराष्ट्रीय कानून संधियाँ और संप्रभु अधिकार – राज्य उत्तराधिकार की कला

📜 राज्यत्व के उपकरण के रूप में संधियाँ

अंतरराष्ट्रीय कानून में, संधियाँ केवल राजनीतिक इरादों की घोषणाएँ नहीं हैं - वे संप्रभु अधिकारों की स्थापना, हस्तांतरण और समाप्ति के लिए संवैधानात्मक उपकरण हैं।

केंद्रित नियामक ढांचा 1969 के वियना संधि कानून सम्मेलन (VCLT) है।

⚖️ वियना संधि कानून सम्मेलन (VCLT)

🔑 मूल सिद्धांत

अनुच्छेद / सिद्धांत	अर्थ
अनुच्छेद 2 VCLT	परिभाषा: संधि = लिखित समझौता अंतरराष्ट्रीय कानून के विषयों के बीच
अनुच्छेद 26 VCLT	पैक्टा संट सर्वंडा – संधियाँ अनिवार्य रूप से देखा गया
अनुच्छेद 31–33 VCLT	"शब्दावली, संदर्भ, उद्देश्य"
अनुच्छेद 60 VCLT	संधि के उल्लंघन के लिए समाप्ति
अनुच्छेद 62 VCLT	परिस्थितियों में बदलाव – परिवर्तन का परिस्थितियाँ

📌 VCLT केवल राज्यों के बीच लागू होता है - लेकिन इसके सिद्धांत राज्य उत्तराधिकार के अभ्यास को भी आकार देते हैं।

🔄 संधि द्वारा राज्य उत्तराधिकार – पूर्वापेक्षाएँ और जादुई वाक्य

राज्य उत्तराधिकार का अर्थ है कि एक राज्य दूसरे के अधिकार और कर्तव्यों को ग्रहण करता है - जैसे, पतन, विलय, या अनुबंधित हस्तांतरण के मामले में।

🧭 प्रभावी उत्तराधिकार के लिए पूर्वापेक्षाएँ

1. 🧑‍⚖️ **दो तुलनीय विषय** – एक "हस्तांतरण करने वाला" और एक "प्राप्त करने वाला" राज्य या कानूनी इकाई – **उदाहरण:**सोवियत संघ→ रूसी संघ 2. 📜 **संविदात्मक आधार** – लिखित, स्पष्ट, अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत प्रभावी – विशिष्ट अधिकारों, कर्तव्यों, क्षेत्रों का संदर्भ 3. 🪄 **जादुई वाक्य** – "सभी अधिकारों और कर्तव्यों के साथ हस्तांतरित" – अंतरराष्ट्रीय कानूनी पहचान की निरंतरता के लिए संविधानात्मक – इसे स्पष्ट और unequivocally रूप से तैयार किया जाना चाहिए 4. 👤 **खरीदार / अधिग्रहणकर्ता** – एक राज्य, एक अंतरराष्ट्रीय संगठन, या यहां तक कि एक प्राकृतिक व्यक्ति हो सकता है – अंतिम केवल प्रतीकात्मक या प्रयोगात्मक उत्तराधिकार में

⚠️ स्पष्ट संविदात्मक सूत्र के बिना, उत्तराधिकार राजनीतिक रूप से विवादास्पद और कानूनी रूप से अनिश्चित रहता है।

📄 उदाहरण:

विश्व उत्तराधिकार अधिनियम 1400/98

(जर्मन: राज्य उत्तराधिकार प्रमाणपत्र 1400/98) एक अपरिवर्तनीय दस्तावेज़ है जो संप्रभु अधिकारों के पूर्ण हस्तांतरण को विनियमित करता है।

📘 संरचना (सरल)

विश्व उत्तराधिकार दस्तावेज 1400/98

के बीच:
हस्तांतरण करने वाली कानूनी इकाई [नाम]
और प्राप्त करने वाली कानूनी इकाई [नाम]

प्रस्तावना:
के मान्यता में अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों और व्यवस्थित उत्तराधिकार की आवश्यकता...

अनुच्छेद 1 – एस हस्तांतरण का विषय सभी अधिकार, कर्तव्य, संधियाँ, संपत्तियाँ और संप्रभु अधिकार ...

अनुच्छेद 2 – जादुई सूत्र "सभी अधिकार और कर्तव्यों के साथ हस्तांतरित"

अनुच्छेद 3 – बल में प्रवेश दोनों पक्षों द्वारा हस्ताक्षर के बाद

अनुच्छेद 4 – तीसरे पक्षों को सूचना संयुक्त राष्ट्र, पड़ोसी राज्यों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों को जानकारी

हस्ताक्षर: दोनों कानूनी संस्थाओं के प्रतिनिधि **तारीख:** [DD.MM.YYYY]

🧠 सफल कर्म दुर्लभ हैं - लेकिन वे दिखाते हैं कि राज्यत्व को संधि द्वारा भी कैसे बनाया जा सकता है .

✅ निष्कर्ष:

संधियाँ अंतर्राष्ट्रीय कानून का डीएनए हैं

तत्व	अर्थ
VCLT	सभी अंतरराष्ट्रीय कानून संधियों के लिए नींव
उत्तराधिकार संधि	राज्य हस्तांतरण के लिए उपकरण
जादुई वाक्य	निरंतरता और वैधता की कुंजी
तुलनीय विषय	अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रभावशीलता के लिए पूर्वापेक्षा
खरीदार / अधिग्रहणकर्ता	यह प्रतीकात्मक या प्रयोगात्मक भी हो सकता है

जो कोई भी एक राज्य की स्थापना करना चाहता है या किसी राज्य पर कब्जा करना चाहता है, उसे केवल एक दृष्टि की आवश्यकता नहीं है - बल्कि एक जादुई वाक्य के साथ एक संधि भी चाहिए।

📘 अध्याय 13: मान्यता नीति – राज्य अन्य राज्यों को कैसे मान्यता देते हैं

मान्यता किसी राज्य द्वारा अन्य राज्यों द्वारा एक राज्य का अधिग्रहण एक पूरी तरह से कानूनी कार्य नहीं है, बल्कि एक अत्यधिक राजनीतिक प्रक्रिया है। s.

यह राजनयिक संबंधों, आर्थिक सहयोग और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में भागीदारी को निर्धारित करता है।

यह अध्याय मान्यता के विभिन्न रूपों, उनके कानूनी और राजनीतिक निहितार्थों, और विशिष्ट मामलों के अध्ययन को उजागर करता है।

⚖️ De Facto बनाम De Jure मान्यता

वास्तविक मान्यता

- **अर्थ:**
  एक राज्य को वास्तविकता में अस्तित्व में माना जाता है और इसे कार्य करने में सक्षम माना जाता है, बिना औपचारिक राजनयिक मान्यता के।

- **उदाहरण:**
  कई राज्य ताइवान के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखते हैं, बिना इसे एक राज्य के रूप में आधिकारिक रूप से मान्यता दिए।

● **परिणाम:** कोई दूतावास नहीं, लेकिन अक्सर कौंसलेट या व्यापार मिशन होते हैं।

कानूनी मान्यता

● **अर्थ:** एक राज्य को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत आधिकारिक और कानूनी रूप से संप्रभु के रूप में मान्यता प्राप्त है।

● **परिणाम:** पूर्ण राजनयिक संबंध, दूतावास, बहुपक्षीय संधियाँ।

● **उदाहरण:** जर्मनी फ्रांस को de jure मान्यता देता है - सभी राजनयिक परिणामों के साथ।

मध्यम रूप

● कुछ राज्य "स्ट्रैटेजिक अस्पष्टता" का उपयोग करते हैं: वे भू-राजनीतिक तनावों से बचने के लिए स्पष्ट बयानों से परहेज करते हैं।

📜 स्वचालित मान्यता के माध्यम से संधि निष्कर्ष

एक अक्सर अनदेखा किया जाने वाला तंत्र **मान्यता** है जो द्विपक्षीय संधियों के माध्यम से होता है:

● जब एक राज्य किसी अन्य के साथ अंतरराष्ट्रीय कानून संधि करता है (जैसे, व्यापार, सीमा नियमों, या सहयोग पर), तो वह राज्य **स्वचालित रूप से अंतरराष्ट्रीय कानून का एक विषय के रूप में मान्यता प्राप्त करता है**।

● **उदाहरण:** यदि राज्य A राज्य B के साथ एक सीमा समझौता करता है, तो A B के अस्तित्व और क्षेत्रीय अखंडता को मान्यता देता है।

- **सीमा:**
  यह मान्यता अक्सर **कार्यात्मक रूप से सीमित** होती है - यह केवल विशिष्ट संधि से संबंधित होती है और इसे राजनीतिक रूप से सापेक्षित किया जा सकता है।

🧠 संयुक्त राष्ट्र सदस्यों द्वारा मान्यता के लिए रणनीतियाँ

एक नव स्थापित या विवादित राज्य अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने के लिए विभिन्न रास्ते अपना सकता है:

● **क्षेत्रीय गठबंधनों का उपयोग करें:** पड़ोसी राज्यों या क्षेत्रीय संगठनों (जैसे, अफ्रीकी संघ, अरब लीग) द्वारा मान्यता।

● **प्रतीकात्मक कूटनीति:** अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी, प्रतिनिधिमंडलों का आमंत्रण, पासपोर्ट जारी करना s.

- **मुलायम शक्ति:**
  संस्कृतिक, वैज्ञानिक, या आर्थिक संबंधों का निर्माण, जैसे कि विश्वविद्यालयों, गैर-सरकारी संगठनों या तकनीकी पहलों के माध्यम से।

- **संयुक्त राष्ट्र सदस्यता के लिए प्रयास करें:**
  एक कठिन लेकिन प्रतीकात्मक रूप से शक्तिशाली कदम - सुरक्षा परिषद और सामान्य सभा की मंजूरी की आवश्यकता है।

🌍 मामले के अध्ययन:

ताइवान, फलिस्तीन, कोसोवो

राज्य	स्थिति	संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता सदस्य	विशेषताएँ
ताइवान	तथाकथित राज्य	~13 राज्य (2025)	"चीन द्वारा दावा किया गया है कि यह उसके क्षेत्र का हिस्सा है। कई राज्य नहीं आधिकारिक रूप से मान्यता देते ताइवान लेकिन बनाए रखते हैं गहन संबंध।"
फलिस्तीन	पर्यवेक्षक राज्य पर UN	~130 राज्य	"कई द्वारा मान्यता प्राप्त देश , लेकिन एक संयुक्त राष्ट्र सदस्य नहीं। इज़राइल और कुछ पश्चिमी राज्य मान्यता से इनकार करें।
कोसोवो	आंशिक रूप से मान्यता प्राप्त	~100 राज्य	"एकतरफा घोषणा स्वतंत्रता की 2008. मान्यता प्राप्त नहीं सर्बिया, रूस द्वारा, चीन। संयुक्त राष्ट्र का member."

🧩 निष्कर्ष

मान्यता एक द्विआधारी कार्य नहीं है, बल्कि कई ग्रे क्षेत्रों के साथ एक राजनयिक खेल है। जो कोई भी एक राज्य की स्थापना करना चाहता है, उसे केवल कानूनी मानदंडों को पूरा नहीं करना चाहिए, बल्कि रणनीतिक रूप से भी कार्य करना चाहिए:

संधियों, संघों, और प्रतीकात्मक उपस्थिति के माध्यम से।

अंतरराष्ट्रीय मंच खुला है - लेकिन यह धैर्य, कौशल और अक्सर समझौते की मांग करता है।

📘 अध्याय 14:

सीमा निर्धारण नेटवर्क अनुबंधों के माध्यम से – जब अवसंरचना संप्रभु अधिकारों का विस्तार करती है

🧭 सीमाएँ केवल रेखाएँ नहीं हैं – वे पाइपलाइन भी हैं

क्लासिक अंतरराष्ट्रीय कानून में, सीमाएँ संधियों, प्राकृतिक विशेषताओं, या ऐतिहासिक दावों द्वारा परिभाषित की जाती हैं।

लेकिन आधुनिक दुनिया में, तकनीकी अवसंरचनाएँ भी एक भूमिका निभाती हैं – विशेष रूप से राज्य उत्तराधिकार, क्षेत्रीय खरीद, और विकास अधिकारों के हस्तांतरण में।

📐 राज्य उत्तराधिकार संधि के माध्यम से सीमा निर्धारण

एक राज्य उत्तराधिकार संधि केवल क्षेत्र का हस्तांतरण नहीं कर सकती, बल्कि अवसंरचना का भी हस्तांतरण कर सकती है – जैसे कि शक्ति, पानी, संचार, या परिवहन नेटवर्क।

निम्नलिखित लागू होता है:

🔄 नेटवर्क-आधारित क्षेत्रीय विस्तार का सिद्धांत

- यदि बेची गई पाइपलाइनें मूल रूप से परिभाषित क्षेत्र को छोड़ देती हैं, तो खरीदार का संप्रभु क्षेत्र इन नेटवर्क के साथ विस्तारित होता है।
- बाहरी तंतु एक तार्किक घेराबंदी बनाते हैं - एक "नेटवर्क द्वीप।"
- इस घेराबंदी के भीतर का क्षेत्र सतत क्षेत्र माना जाता है।
- यदि यह अनजाने में होता है, तो यह विक्रेता के खर्च पर होता है - एक स्वचालित कानूनी परिणाम।

📌 **नेटवर्क सीमा को परिभाषित करता है - मानचित्र नहीं।**

🧠 उत्कृष्ट आवेदन

- एक राज्य एक क्षेत्र को ऊर्जा ग्रिड के साथ बेचता है।
- ग्रिड सीमा के पार पड़ोसी क्षेत्रों में फैला हुआ है।
- खरीदार न केवल क्षेत्र को अधिग्रहित करता है बल्कि नेटवर्क संरचना को भी – और इस प्रकार आपूर्ति किए गए क्षेत्रों पर संप्रभु अधिकार।

🧩 विशेष मामला:

एक इकाई के रूप में विकास की बिक्री

🧠 "एक इकाई के रूप में विकास" का क्या अर्थ है?

- बिक्री में न केवल भौतिक नेटवर्क शामिल है बल्कि सभी अधिकार, कर्तव्य और घटक भी शामिल हैं।
- इस प्रकार, पूरा नेटवर्क हस्तांतरित किया जाता है - जिसमें ओवरलैपिंग, क्रॉसिंग, या समीपवर्ती संरचनाएँ शामिल हैं।
- "संक्रामक" नेटवर्क से नेटवर्क में होता है - और यह राष्ट्रीय सीमाओं के पार फैल सकता है।

🌐 संभावित रूप से प्रभावित नेटवर्क

नेटवर्क प्रकार	विस्तार की संभावना
शक्ति ग्रिड	क्षेत्रीय से अंतर्राष्ट्रीय विस्तार
जल पाइपलाइन	नगरपालिका से सीमा पार आपूर्ति
फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क	वैश्विक पहुंच वाली डिजिटल अवसंरचना
जलमग्न केबल	अंतर्राष्ट्रीय संबंध → संभावना क्षेत्रीय प्रभाव

⚠️ भौतिक संबंध अनिवार्य नहीं है - तार्किक या कार्यात्मक लिंक भी संक्रामकता की ओर ले जा सकते हैं।

🧨 क्षेत्रीय विस्तार का डोमिनो प्रभाव

🔗 "संक्रामक" कैसे काम करता है?

- एक नेटवर्क भाग बेचा जाता है → यह अन्य नेटवर्क भागों से जुड़ा होता है → इनका सह-हस्तांतरण माना जाता है।

● विस्तार कार्यात्मक बुनियादी ढांचे के साथ होता है।

- यह शृंखला प्रतिक्रिया का कारण बन सकता है - क्षेत्र से क्षेत्र, राज्य से राज्य।

⚖️ कानूनी परिणाम

● विक्रेता सभी प्रभावित नेटवर्क क्षेत्रों पर संप्रभु अधिकार खो देता है।

● खरीदार क्षेत्रीय नियंत्रण प्राप्त करता है, बशर्ते नेटवर्क को "विकसित इकाई" माना जाए।

● अंतर्राष्ट्रीय पनडुब्बी केबल भी प्रभावित हो सकते हैं - इसके वैश्विक परिणाम हो सकते हैं।

🧠 अवसंरचना शक्ति है - और सीमाएँ बदल सकती हैं।

✅ निष्कर्ष:

जो कोई भी नेटवर्क बेचता है, वह केवल केबल नहीं, बल्कि और भी बहुत कुछ बेचता है।

तत्व	संप्रभु अधिकारों पर प्रभाव
भौतिक रेखा	संरचना के साथ प्रत्यक्ष क्षेत्रीय विस्तार
कार्यात्मक संबंध	नेटवर्क तर्क के माध्यम से अप्रत्यक्ष विस्तार
अनुबंधीय इकाई	सभी घटकों का पूर्ण हस्तांतरण
अनिच्छित विस्तार	बिक्रीकर्ता के खर्च पर कानूनी परिणाम
अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क	वैश्विक क्षेत्रीय विस्तार की संभावना

जो कोई भी एक राज्य की स्थापना करता है या क्षेत्र का हस्तांतरण करता है, उसे यह जानना चाहिए: अवसंरचना तटस्थ नहीं है - यह अंतरराष्ट्रीय कानून का एक उपकरण है।

📘 अध्याय 15:

विश्व उत्तराधिकार दस्तावेज 1400/98 के बाद की कानूनी स्थिति

अंतरराष्ट्रीय कानून का अंत और वैश्विक संविदात्मक ढांचे का जन्म

🧭 1. विश्व उत्तराधिकार दस्तावेज 1400/98 – अंतरराष्ट्रीय कानून में एक मोड़

विश्व उत्तराधिकार अधिनियम 1400/98 **नहीं** एक काल्पनिक दस्तावेज है, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी रूप से प्रभावी संधि है जो सभी NATO और UN संधियों के सभी अधिकारों, कर्तव्यों और घटकों को एक ही खरीदार को हस्तांतरित करती है।

> यह प्रतिनिधित्व करता है **विश्व इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय कानूनी दस्तावेज।**

📜 2. संधि श्रृंखला:

नाटो से संयुक्त राष्ट्र

🔗 आरंभिक बिंदु:

नाटो बलों की स्थिति समझौता & हस्तांतरण संबंध

- यह कर्म जर्मनी के FRG और नीदरलैंड्स का साम्राज्य के बीच अंतर्राष्ट्रीय कानूनी हस्तांतरण संबंध पर आधारित है।
- यह संबंध नीदरलैंड्स के वायु बलों की ZW- जर्मनी में तैनाती से संबंधित है - जो एक बाह्य क्षेत्र नाटो क्षेत्र है।
- चूंकि डच बल नाटो में पूरी तरह से एकीकृत हैं, उन्होंने पूरे संघ की ओर से कार्य किया।

📘 नाटो संधि संरचना

- **अनुच्छेद I:** सुविधाओं पर कमांड प्राधिकरण
- **अनुच्छेद III:** विकसित करने और विस्तारित करने का अधिकार
- **अनुच्छेद IV:** अनुशासनात्मक और अपराध न्याय क्षेत्र
- द्विपक्षीय पूरक समझौतों द्वारा पूरित (जैसे, नाटो अनुपूरक समझौता 1951)

🌍 संयुक्त राष्ट्र में एकीकरण

- नाटो में है संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 53 के अनुसार एक क्षेत्रीय संगठन के रूप में एकीकृत किया गया r.
- इस प्रकार सभी नाटो संधियाँ संयुक्त राष्ट्र संधियों के संदर्भ में लागू होती हैं।
- थ FRG और नीदरलैंड्स का साम्राज्य दोनों के लिए नाटो और यू के लिए कार्यरत थे N.

📜 3. निर्णायक भाग:

"सभी अधिकारों, कर्तव्यों और घटकों के साथ"

- यह वाक्य सभी संविदात्मक सामग्री के पूर्ण हस्तांतरण को प्रभावी बनाता है।
- इसमें नाटो की संधियाँ ही नहीं बल्कि संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राज्यों के सभी द्विपक्षीय और बहुपक्षीय समझौते भी शामिल हैं।
- संधि शृंखला एक संधि से दूसरी संधि तक कूदती है जब तक सभी अंतरराष्ट्रीय समझौते क्रम में एकीकृत नहीं हो जाते।

🧩 4. सभी संधि पार्टियों का एकीकरण

- खरीदार अब सभी संधियों के दोनों पक्षों – अधिकार और कर्तव्यों – को धारण करता है।
- अब कोई बाहरी संविदात्मक पक्ष नहीं है।
- अपने आप के साथ किए गए अनुबंध बाध्यकारी नहीं होते हैं → अंतरराष्ट्रीय कानून वास्तव में समाप्त हो जाता है।

🧨 5. टैबुला रासा सिद्धांत का अनुप्रयोग

- खरीदार को किसी भी संविदात्मक कर्तव्य को पूरा करने के लिए बाध्य नहीं किया जाता है।
- वह कर सकता है, लेकिन उसे करना नहीं है।
- अंतर्राष्ट्रीय संधि कानून समाप्त होता है - केवल एक वैश्विक संधि विषय शेष रहता है।

🧠 6. कानूनी वास्तविकता: अंतरराष्ट्रीय कानून का अंत

विशेषता	परिणाम
सभी संधियाँ एक हाथ में	"कोई बंधन बल नहीं, कोई विरोधी पक्ष नहीं"
कोई बाहरी संविदा पक्ष नहीं	संधि संरचना का विघटन
खरीदार के रूप में एकमात्र धारक	"पूर्ण कानूनी शक्ति, लेकिन कोई बाध्यता नहीं"
अंतर्राष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था	वास्तव में समाप्त – अपील का कोई आधार नहीं

🧭 7. नई वैश्विक व्यवस्था

- खरीदार के पास एक नई विश्व व्यवस्था को परिभाषित करने का कानूनी आधार है।
- यह एक समान वैश्विक कानूनी व्यवस्था पर आधारित हो सकता है।
- पुराने राज्यों के पास अब वैध दावे नहीं हैं – उनके पूर्व क्षेत्रों पर कब्जा गैरकानूनी है।
- हर दावा समान है - और समान रूप से गैरकानूनी है।
- अंतरराष्ट्रीय कानून से परे शक्ति संतुलन है।

📘 8. निष्कर्ष:

वैश्विक कानूनी निर्माण

- विश्व उत्तराधिकार अधिनियम 1400/98 वर्तमान का केंद्रीय अंतर्राष्ट्रीय कानूनी संधि है।
- यह सभी अंतरराष्ट्रीय समझौतों को एक एकल वैश्विक संविदात्मक ढांचे में एकीकृत करता है।
- खरीदार अंतरराष्ट्रीय कानून का एकमात्र वैध विषय है।
- पुराना अंतरराष्ट्रीय कानून समाप्त हो गया है - भविष्य खरीदार द्वारा पुनर्परिभाषा में है।

📘 अध्याय 16:

विश्व उत्तराधिकार दस्तावेज 1400/98 के बाद का विश्व

अंतरराष्ट्रीय कानून का अंत पुराने राज्यों और नए राज्य संस्थापकों के लिए क्या अर्थ रखता है?

🧭 1. प्रारंभिक बिदु:

अंतर्राष्ट्रीय कानून का विघटन

विश्व उत्तराधिकार दस्तावेज 1400/98 ने सभी अंतरराष्ट्रीय कानून संधियों के सभी अधिकारों, कर्तव्यों और घटकों का हस्तांतरण एक ही खरीदार को किया है।

यह खरीदार अब अनुबंध के दोनों पक्षों को व्यक्तिगत संघ में रखता है।

⚖️ कानूनी परिणाम

- स्वयं के साथ किए गए अनुबंध बाध्यकारी नहीं होते।
- अब कोई बाहरी अनुबंधित पक्ष नहीं है।
- अंतरराष्ट्रीय कानून का संपूर्ण ढांचा वास्तव में समाप्त हो जाता है।
- अब कोई मान्य अंतर्राष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था नहीं है।

📌 **अंतरराष्ट्रीय कानून में सुधार नहीं किया गया है - यह समाप्त हो चुका है।**

🧨 2. टैबुला रासा:

नया प्रारंभिक बिदु

- खरीदार पर किसी भी संविदात्मक कर्तव्य को पूरा करने का कोई दायित्व नहीं है।
- उसके पास सभी अधिकार हैं, लेकिन कोई प्रतिकारी शक्ति नहीं है।
- विश्व व्यवस्था कानूनी रूप से अमान्य है - कानून से परे शक्ति संतुलन है।

🧑‍⚖️ 3. पुराने राज्यों के लिए इसका क्या मतलब है?

पुराने राज्य	क्रम के बाद कानूनी स्थिति
कोई संधि बाध्यताएँ	उनकी अंतरराष्ट्रीय कानून संधियाँ अमान्य हैं
कोई संप्रभु अधिकार नहीं	उनका क्षेत्रीय नियंत्रण कानूनी रूप से वैध नहीं है
कोई मान्यता नहीं	वे अंतरराष्ट्रीय कानूनी मान्यता का दावा नहीं कर सकते मान्यता
बराबरी की स्थिति	उनके दावे कानूनी रूप से उन लोगों के समान हैं अन्य सभी – अर्थात्, गैरकानूनी

⚠️ **पुराने राज्य वास्तविकता में सक्रिय हैं - लेकिन कानूनी रूप से शक्तिहीन हैं।**

🧭 4. नए राज्य संस्थापकों के लिए इसका क्या मतलब है?

नए राज्य संस्थापक	क्रम के बाद कानूनी स्थिति
अपील के लिए कोई आधार नहीं	"अब भरोसा करने के लिए कोई अंतरराष्ट्रीय कानून नहीं है"
कोई मान्यता संभव नहीं	कोई मान्यता देने वाला विषय नहीं है
कोई संविदात्मक क्षमता नहीं है	"कोई वैध संधियाँ नहीं हैं जो कि समाप्त की जा सकें"
बराबरी की स्थिति	हर दावा समान है - लेकिन समान रूप से असुरक्षित

📌 **जो कोई भी आज एक राज्य स्थापित करना चाहता है, वह किसी भी कानूनी व्यवस्था के बाहर खड़ा है - और वैधता का दावा नहीं कर सकता।**

🧑‍⚖️ 5. खरीदार:

एक ही समय में असहाय और सर्वशक्तिमान

- खरीदार अंतरराष्ट्रीय कानून का एकमात्र वैध विषय है - लेकिन बिना किसी प्रतिद्वंद्वी के .
- वह बाध्यताओं में प्रवेश नहीं कर सकता - लेकिन किसी को लागू भी नहीं कर सकता।
- वह संप्रभु अधिकार प्रदान कर सकता है - लेकिन उन्हें लागू नहीं कर सकता।
- वह वैश्विक संविदात्मक ढांचे का धारक है - लेकिन बिना संचालन शक्ति के।

🧠 **खरीदार एक कानूनी विशेषता है - एक ऐसा विषय जिसके पास कोई प्रणाली नहीं है।**

🧩 6. शक्ति संतुलन कानून से परे

- सभी अभिनेता - पुराने राज्य, नए संस्थापक, संगठन - कानूनी रूप से समान हैं।
- कोई उच्चतर आदेश नहीं है, कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है, कोई मान्यता नहीं है।
- हर दावा गैरकानूनी है - और इसलिए समान है।
- दुनिया एक पोस्ट-नॉर्मेटिव समानता की स्थिति में है।

⚠️ **यह अराजकता नहीं है - बल्कि एक कानूनी शून्यता है।**

✅ 7. निष्कर्ष:

अंतर्राष्ट्रीय कानून के बाद की दुनिया

विशेषता	परिणाम
अंतर्राष्ट्रीय कानून का विघटन	"कोई बाध्यकारी संधियाँ, कोई वैध राज्य"
खरीदार एक अद्वितीय विषय के रूप में	"सभी अधिकारों का धारक, लेकिन बिना प्रतिकूल शक्ति"
पुराने राज्य निष्क्रिय हो गए	"उनका नियंत्रण de facto है, लेकिन कानूनी रूप से नहीं वैध"
राज्य की स्थापना असंभव	"कोई आधार नहीं, कोई मान्यता नहीं, कोई संधियाँ"
शक्ति संतुलन	हर दावा समान है - और समान रूप से असुरक्षित है

आज राज्यत्व के बारे में सोचने वाला कोई भी व्यक्ति यह मान लेना चाहिए:

खेल के नियम गायब हो गए हैं।

जो भी बचा है वह खरीदार का निर्णय है - और यह सवाल कि क्या वह अनुमति देगा

य
ह।

🧭 नष्किर्ष:

मान्यता प्राप्त राज्य की ओर का मार्ग

🏛️ यह अपना राज्य का सपना – दृष्टि और अंतरराष्ट्रीय कानून के बीच

राज्य की स्थापना एक रोमांटिक साहसिक कार्य नहीं है, बल्कि एक जटिल कानूनी, राजनीतिक और राजनयिक उपलब्धि है।

जो भी इस रास्ते पर चलना चाहता है, उसे खेल के नियमों को जानना चाहिए - और इन्हें रणनीतिक रूप से लागू करें।

📚 सारांश:
केंद्रीय बाधाएँ

क्षेत्र	चुनौती
अंतरराष्ट्रीय कानून मानदंड	"मोंटेवीडियो मानदंडों की पूर्ति: क्षेत्र, लोग, सरकार, विदेशी संबंध"
अंतरराष्ट्रीय मान्यता	"अन्य राज्यों द्वारा मान्यता – राजनीतिक प्रेरित , स्वचालित नहीं"
क्षेत्रीय अधिग्रहण	"राज्य क्षेत्र का कानूनन अधिग्रहण – नहीं अधिग्रहण , अब कोई टेरा नलियस"
अलगाव	"कोई सामान्य अधिकार नहीं – केवल अत्यधिक परिस्थितियों (उपचारात्मक अलगाव)"
राज्य उत्तराधिकार	"संधियों, संपत्तियों, कर्ज"
विशेष क्षेत्र	"अक्षेत्रीयता सीमित और कार्यात्मक है - वास्तविक राज्यत्व का स्थानापन्न नहीं"

🧠 राज्य संस्थापकों के लिए सिफारिशें

⚖️ 1. कानूनी ज्ञान अनिवार्य है

अंतरराष्ट्रीय कानून कोई वैकल्पिक शौक नहीं है - यह प्रत्येक राज्य की स्थापना की नींव है।

मोंटेवीडियो मानदंड, यूएनसीएलओएस, आउटर स्पेस संधि, अंटार्कटिक संधि आदि का अध्ययन।

Uराज्य उत्तराधिकार, मान्यता के सिद्धांत, और संधि कानून की समझ।

राज्य उत्तराधिकार सम्मेलन 1400/98 और इसके कानूनी स्पष्टीकरणों का अध्ययन।

📌 **Tजो लोग कानून को नहीं जानते हैं उन्हें मान्यता नहीं दी जाएगी - बल्कि अनदेखा किया जाएगा।**

🌐 2. अंतरराष्ट्रीय मान्यता के लिए रणनीतिक प्रयास करें

मान्यता राजनीतिक है - कानूनी नहीं।

लक्ष्य: द्विपक्षीय मान्यता, अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सदस्यता। राजनयिक संबंधों का निर्माण, बहुपक्षीय मंचों में भाग लेना।

🧠 **एक राज्य बिना मान्यता के ऐसे है जैसे एक ट्रांसमीटर बिना रिसीवर के।**

🕊️ 3. हिंसा का परित्याग गैर-परक्राम्य है

संयुक्त राष्ट्र चार्टर क्षेत्रीय दावों को लागू करने के लिए बल के उपयोग को प्रतिबंधित करता है।

Sक्षेत्र का हस्तांतरण, क्षेत्रीय अधिग्रहण, और स्व-निर्धारण शांति से होना चाहिए।

सैन्य साधन अलगाव की ओर ले जाते हैं - वैधता की ओर नहीं।

⚠️ **जो हथियारों के साथ पाए जाते हैं, वे शब्दों के साथ हार जाते हैं।**

👥 4. नागरिकता प्रणाली को स्पष्ट रूप से परिभाषित करें

राज्य की जनसंख्या में कौन शामिल है? कौन अधिकार और बाध्यता प्राप्त करता है?

भूमि का अधिकार, इयुस सैंग्विनिसि, नागरिकता, और निर्वासितता पर स्पष्ट नियम .

विदेश में अपने नागरिकों का संरक्षण एक राजनयिक कार्य है।

📌 **एक राज्य जिसके पास नागरिक नहीं हैं, वह एक संकल्पना है - कानूनी इकाई नहीं।**

🧑‍🤝‍🧑 5. अंतर्राष्ट्रीय फोरम में सगाई

संयुक्त राष्ट्र निकायों, गैर-सरकारी संगठनों के नेटवर्क, वैज्ञानिक सम्मेलनों में भागीदारी।

संस्कृति, विज्ञान, और पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से मुलायम शक्ति का निर्माण।

डिजिटल कूटनीति और प्रतीकात्मक मान्यता का उपयोग।

🧠 **दृश्यता वास्तविकता बनाती है - यहां तक कि औपचारिक मान्यता के बिना।**

🎯 6. यथार्थवादी अपेक्षाएँ तैयार करें

सूक्ष्म राष्ट्र, आभासी राज्य, और प्रतीकात्मक परियोजनाएँ मूल्यवान हैं - लेकिन सीमित।

पूर्ण राज्यत्व अक्सर प्राप्त नहीं किया जा सकता - लेकिन आंशिक राज्यत्व, विशेष स्थिति, या अक्षेत्रीयता यथार्थवादी हैं।

लक्ष्य: कानूनी रूप से मजबूत, रचनात्मक रूप से डिज़ाइन किए गए, और राजनयिक रूप से चतुर परियोजनाएँ।

✨ **राज्य की ओर जाने वाला मार्ग एक संकल्पना से शुरू होता है - और एक संधि पर समाप्त होता है।** .

✅ निष्कर्ष:

राज्य की स्थापना संभव है - लेकिन आसान नहीं है

सफलता कारक	अर्थ
कानूनी सटीकता	अंतरराष्ट्रीय कानून का ज्ञान और अनुप्रयोग
राजनैतिक समझदारी	स्ट्रेटेजिक मान्यता और राजनय
शांतिपूर्ण कार्यान्वयन	अहिंसा एक बुनियादी पूर्वापेक्षा के रूप में
संस्थागत स्पष्टता	"सरकार, संविधान, राज्य जनसंख्या"
अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति	"सगाई, दृश्यता, सहयोग"
यथार्थवाद	संभावना के क्षेत्र में लक्ष्य निर्धारित करना

जो कोई भी एक राज्य की स्थापना करना चाहता है, उसे केवल सपना देखने की आवश्यकता नहीं है - बल्कि कार्य करने की भी आवश्यकता है।

और ऐसा कानून, सम्मान और यथार्थवाद की भावना के साथ करें।

📎 संदर्भ सूची

🏛️ अंतरराष्ट्रीय संधियाँ & सम्मेलन

संधि / सम्मेलन	वर्ष	सामग्री / महत्व
संयुक्त राष्ट्र चार्टर	1945	अंतर्राष्ट्रीय का मूल आदेश समुदाय
वियना संधि कानून पर संधियों (VCLT)	1969	"संधियों के निष्कर्ष , व्याख्या, और समाप्ति संधियों"
आउटर स्पेस संधि	1967	के उपयोग के मूल सिद्धांत आउटर स्पेस
संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस)	1982	समुद्रों और सामुद्रिक क्षेत्र का आदेश क्षेत्र
अंटार्कटिक संधि	1959	अंटार्कटिका में शांतिपूर्ण उपयोग और अनुसंधान अंटार्कटिका
पर्यावरण पर प्रोटोकॉल अंटार्कटिक का संरक्षण संधि	1991	अंटार्कटिक का संरक्षण पर्यावरण
अंतरिक्ष पंजीकरण सम्मेलन	1975	पंजीकरण की आवश्यकता अंतरिक्ष वस्तुएं
लंदन सम्मेलन	1972	समुद्री प्रदूषण पर प्रतिबंध कचरे द्वारा
मारपोल सम्मेलन	1973/78	जहाजों के उत्सर्जन की रोकथाम
BBNJ समझौता	2023	राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार से परे जैव विविधता ज्यूरिसि
नाटो बलों की स्थिति समझौता (SOFA)	1951	विदेशी सैनिकों की कानूनी स्थिति
अनुबंध कॉन्स्टेंटिनोपल (सुएज़ नहर)	1888	सुएज़ के माध्यम से मुक्त परिवहन नहर
टोरिजोस-कार्टर संधियाँ (पनामा नहर)	1977	नहर का हस्तांतरण पानामा
वियना सम्मेलन पर	1978	संधि उत्तराधिकार के लिए नियम

राज्यों की उत्तराधिकार (संधियाँ)		
वियना सम्मेलन पर राज्यों की उत्तराधिकार (संपत्तियाँ)	1983	"संपत्तियों का वभिाजन , आर्काइव्स , कर्ज"

📘 कानूनी साहित्य & व्याख्याएँ

- ब्राउनली, इयान: **सार्वजनिक अंतर्राष्ट्रीय कानून के सिद्धांत**
- क्रॉफ़र्ड, जेम्स: **अंतर्राष्ट्रीय कानून में राज्यों का निर्माण**
- मैल्कम एन. शॉ: **अंतरराष्ट्रीय कानून**
- एंथनी ऑस्ट: **आधुनिक संधि कानून और प्रथा**
- डोर/श्मालेनबैक: **वियना संधि कानून सम्मेलन – टिप्पणी**
- रुडीगर वोल्फरुम (सं.): **मैक्स प्लैंक अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक कानून की विश्वकोश**
- क्रिश्चियन टोमुसचैट: **अंतरराष्ट्रीय कानून: मानवता के अस्तित्व को सुनिश्चित करना**
- ब्रूनो सिम्मा (सं.): **संयुक्त राष्ट्र का चार्टर – एक टिप्पणी**
- स्टेफान तालमोन: **अंतरराष्ट्रीय कानून में सरकारों की मान्यता**
- कार्ल ज़ेमानेक: **अंतरराष्ट्रीय कानून में राज्य उत्तराधिकार**
- वर्ड्रोस/सिम्मा: **सार्वभौमिक अंतरराष्ट्रीय कानून**
- कनुत इप्सेन: **अंतरराष्ट्रीय कानून**
- मैथियास हर्डेगेन: **अंतरराष्ट्रीय कानून**
- आंद्रियास पौलस: **अंतरराष्ट्रीय कानून – एक अध्ययन पुस्तक**

🗒️ संयुक्त राष्ट्र दस्तावेज़ और रिपोर्ट

- संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्ताव (जैसे, 1514, 2625, 3314)

- आईसीजे सलाहकार राय: **कोसोवो के संबंध में एकतरफा स्वतंत्रता की घोषणा की अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार** (2010)

- संयुक्त राष्ट्र संधि शृंखला

- संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय कानून ऑडियोविजुअल पुस्तकालय

- संयुक्त राष्ट्र कानूनी मामलों का कार्यालय – संहिताकरण विभाग

- संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय कानून आयोग रिपोर्ट

- बुंडेस्टाग के राज्य नींव, अलगाव, अंतरराष्ट्रीय कानून पर मुद्रित मामले

- जर्मन बुंडेस्टाग की वैज्ञानिक सेवाएँ: WD 2 – 3000 – 020/22 (जैसे, सूक्ष्म राष्ट्रों पर)

🌐 विकिपीडिया और ऑनलाइन विश्वकोश (उद्धरण के साथ)

- विकिपीडिया लेखों पर:
  - मोंटेवीडियो सम्मेलन
  - सीलैंड, लिबिरलैंड, मोलोसिया
  - यूएनसीएलओएस, आउटर स्पेस संधि, अंटार्कटिक संधि
  - नाटो बलों की स्थिति समझौता
  - राज्य उत्तराधिकार
  - उपचारात्मक अलगाव
  - अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग

- विकिस्रोत: संधि पाठ और ऐतिहासिक दस्तावेज

- विकिडेटा: राज्यों, संधियों, संगठनों पर संरचित डेटा

📌 **नोट:**

विकिपीडिया एक प्रारंभिक बिंदु के रूप में कार्य करता है - विश्वसनीय बयानों के लिए, हमेशा प्राथमिक स्रोतों या अकादमिक साहित्य का उपयोग करें।

🧑‍⚖️ न्यायालय के निर्णय और मध्यस्थ पुरस्कार

- पामास द्वीप मामला (1928) – पीसीए
- प्रेह विहार का मंदिर (1962) – आईसीजे
- बुर्किना फासो/माली (1986) – आईसीजे
- कैमरून/नाइजीरिया (2002) – आईसीजे
- कोसोवो सलाहकार राय (2010) – आईसीजे
- नोट्टेबहम मामला (1955) – आईसीजे
- निकारागुआ बनाम अमेरिका (1986) – आईसीजे
- पूर्व तिमोर मामला (1995) – आईसीजे

🧑‍🤝‍🧑 अंतरराष्ट्रीय संगठन एवं मंच

- संयुक्त राष्ट्र
- अंतरराष्ट्रीय विधि आयोग (ILC)
- अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ)
- अंतरराष्ट्रीय समुद्री तल प्राधिकरण (ISA)
- आर्कटिक परिषद
- डेन्यूब आयोग
- मेकोंग नदी आयोग
- अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ)

📎 अन्य स्रोत और सामग्री

- सीआईए विश्व तथ्य पुस्तक
- विश्व बैंक: राष्ट्रीय ऋण और संसाधनों पर डेटा
- अंतरराष्ट्रीय संकट समूह रिपोर्ट
- गैर-सरकारी संगठन सूक्ष्म राष्ट्रों और अलगाव पर रिपोर्ट्स
- स्पेस फाउंडेशन: अंतरिक्ष खनन और STM
- यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA): अंतरिक्ष कानून और पंजीकरण
- जर्मन संघीय विदेश कार्यालय: राजनयिक संबंध और मान्यता
- संघीय नागरिक शिक्षा एजेंसी: अंतरराष्ट्रीय कानून संधि
- ज्यूरिसि, बेक-ऑनलाइन, स्प्रिंगर लिंक: विशेषज्ञ लेख और व्याख्याएँ तक पहुँच

📎 अतिरिक्त मॉड्यूल

📘 ग्लॉसरी – अंतरराष्ट्रीय कानून के शब्द सरलता से समझाए गए

शब्द	सरल शब्दों में व्याख्या
राज्य	"एक क्षेत्र जिसमें जनसंख्या, सरकार, और विदेशी संबंध रखने की क्षमता हो"
अलगाव	"किसी देश के एक भाग का पृथक्करण कर एक नया राज्य"
उत्तराधिकार	"एक निष्क्रिय राज्य के अधिकारों और बाध्यताओं का अधिग्रहण" मृत राज्य
मान्यता	"अन्य राज्यों द्वारा एक राज्य के अस्तित्व की पुष्टि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत"
अक्षेत्रीयता	"ऐसे स्थानों की विशेष स्थिति जो सामान्य संप्रभु अधिकार क्षेत्र"
सूक्ष्म राष्ट्र	"प्रतीकात्मक 'राज्य' बिना अंतरराष्ट्रीय कानूनी मान्यता"
स्व-निर्धारण का अधिकार	"एक जन के अपने राजनीतिक भविष्य"
उपचारात्मक अलगाव	"अलगाव एक अंतिम उपाय के रूप में गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन"
यूएनसीएलओएस	"संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन - सामुद्रिक क्षेत्र और अधिकारों को नियंत्रित करता है"
आउटर स्पेस संधि	"संधि जो बाहरी अंतरिक्ष के उपयोग को नियंत्रित करती है - शांतिपूर्ण और अधिग्रहण के बिना"
राज्य उत्तराधिकार	"अधिकारों और बाध्यताओं का संक्रमण, राज्य के पतन या विलय की स्थिति में"
बलों की स्थिति समझौता	"विदेशी सैनिकों की उपस्थिति के लिए अनुमति अपने ही क्षेत्र पर"
झंडा सिद्धांत	"एक जहाज या विमान का कानूनी प्रणाली इसके राज्य की उत्पत्ति पर आधारित है "इसके राज्य की उत्पत्ति पर"
टेरा नलियस	"'नो मैन की भूमि' – आज hardly मौजूद है"
परंपरागत अंतरराष्ट्रीय कानून	"लिखित नहीं नियम जो अभ्यास से उत्पन्न होते हैं और

	विश्वास"

⚠️ अस्वीकृति – शिक्षा, व्यंग्य, कोई निर्देश मैनुअल नहीं

यह ईबुक राजनीतिक शिक्षा, कानूनी स्पष्टता, और व्यंग्यात्मक विचार के लिए ही है।

यह एक राज्य की वास्तविक स्थापना, अलगाव, या लागू कानूनी प्रणालियों की अनदेखी के लिए कोई आह्वान नहीं है।

सभी सामग्री काल्पनिक, प्रतीकात्मक, या वैज्ञानिक है।

सूक्ष्म राष्ट्र रचनात्मक परियोजनाएँ हैं – कानूनी रूप से मान्य राज्य नहीं।

कानूनी व्यवस्था के बाहर आत्म-शासन अनुमेय नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय कानून संकल्पनाओं का अनुप्रयोग कानूनी सलाह की आवश्यकता करता है।

📌 **जो कोई भी एक राज्य स्थापित करना चाहता है, उसे सबसे पहले कानून का अध्ययन करना चाहिए - और फिर वास्तविकता की जांच करनी चाहिए।**

🧭 मैट्रिक्स – क्या वास्तविक है, क्या प्रतीकात्मक है?

मॉडल / माप	संभावित है अंतर्राष्ट्रीय कानून	प्रतीकात्मक अनुमत	राजनीतिक वास्तविक	टिप्पणी
क्लासिक राज्य नींव	✅	❌	⚠️ कठिन	"केवल क्षेत्र, लोग, सरकार"
अलगाव के लिए मानव अधिकार उल्लंघन	⚠️ विवादित	❌	⚠️ संघर्ष-प्रवण	"कोसोवो एक विशेष मामला"
अनुबंधीय उत्तराधिकार	✅	❌	✅	"दक्षिण सूडान , चेक/स्लोवाकिया"
सूक्ष्म राष्ट्र पर निजी संपत्ति	❌	✅	✅	"प्रतीकात्मक, रचनात्मक, कानूनी हानिरहित"
आभासी राज्य	❌	✅	✅	"डिजिटल स्व-निर्धारण n"
स्व-प्रशासन (राइख्सबर्गर आदि)	❌	❌	❌	"असंवैधानिक , दंडनीय"
अंतरिक्ष खनन निजी द्वारा अभिनेता	⚠️ विवादित	✅	⚠️ कानूनी रूप से अस्पष्ट	"संयुक्त राज्य अमेरिका & लक्जमबर्ग राष्ट्रीय के साथ कानून"
अधिकार क्षेत्र से बाहर का उपयोग दूतावास	✅	❌	✅	"असुरक्षा, लेकिन राज्यत्व नहीं"
नो मैन की भूमि	❌	✅	⚠️ प्रतीकात्मक रूप से संभव	"बिर तवील को एक उदाहरण"

🧠 **यथार्थवाद कुंजी है - जो लोग सपने देखते हैं, उन्हें गणना भी करनी चाहिए।**

अनुबंध:

एक नए राज्य की स्थापना: कानूनी और व्यावहारिक पहलू s

अंतरराष्ट्रीय कानून की मूल बातें: राज्यत्व और मान्यता

अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत, एक राज्य को मुख्य रूप से इसके **राज्यत्व** (राज्य जनसंख्या, राज्य क्षेत्र, सरकार) द्वारा परिभाषित किया गया है।

मोंटेवीडियो सम्मेलन (1933) चार मानदंडों की सूची देता है: एक स्थायी जनसंख्या, एक परिभाषित क्षेत्र, एक प्रभावी सरकार, और अन्य राज्यों के साथ संबंध बनाने की क्षमता[1]। कानूनी सिद्धांत में, इसे अक्सर "तीन-तत्व सिद्धांत" (लोग, क्षेत्र, सरकार) के रूप में संदर्भित किया जाता है, जिसमें विदेशी नीति क्षमता का अतिरिक्त मानदंड होता है।

<u>आधुनिक अभ्यास मुख्य रूप से घोषणात्मक सिद्धांत का पालन करता है:</u>

एक राज्य मान्यता द्वारा नहीं बनाया जाता, बल्कि इन मानदंडों को पूरा करके[2] बनाया जाता है। अन्य राज्यों द्वारा मान्यता केवल एक पुष्टि करने वाली क्रिया है जो पहले से मौजूद राज्य को अंतरराष्ट्रीय अधिकार और बाध्यताएँ[1][2] प्रदान करती है।

<u>महत्वपूर्ण उदाहरण तंत्रों को स्पष्ट करते हैं:</u>

दक्षिण सूडान ने 2011 में एक जनमत संग्रह के बाद तेजी से व्यापक अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की और यह संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बन गया। इसके विपरीत, सोमालिलैंड (जो 1991 से तथ्यात्मक रूप से स्वतंत्र है, अपनी प्रशासन और मुद्रा के साथ) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनदेखा रहा - कोई संयुक्त राष्ट्र सदस्यता नहीं, क्योंकि सोमालिया इसकी संप्रभुता का दावा करता है।

इसी प्रकार, यह ताइवान (देखें: चीन गणराज्य) की स्थिति या कोसोवो, ट्रांसनिस्ट्रिया, या फिलिस्तीन जैसे क्षेत्रों पर चल रहे संघर्षों को स्पष्ट करता है, जहाँ राजनीतिक कारक मान्यता को निर्धारित करते हैं।

यूएनसीएलओएस के तहत समुद्री स्थायी निवास:

संभावनाएँ और सीमाएँ

तैरते या स्वतंत्र रूप से चलने वाले बस्तियाँ ("सीस्टेड्स") संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के तहत एक कानूनी ग्रे क्षेत्र में हैं। सिद्धांत रूप में, अनुच्छेद 87 यूएनसीएलओएस लागू होता है:

कोई भी देश उच्च समुद्रों में कृत्रिम द्वीप और संरचनाएँ बना सकता है[3]। हालाँकि, ऐसे प्रतिष्ठान कानूनी रूप से उस राज्य के अधिकार क्षेत्र में रहते हैं जो उन्हें पंजीकृत या स्थापित करता है - यह जहाज़ों के लिए झंडा राज्य के कर्तव्य के समान है[4]। स्व-प्रेरित प्रतिष्ठानों को एक राज्य को जहाज़ के झंडे के रूप में सौंपा जाना चाहिए।

यूएनसीएलओएस अनुच्छेद 60(8) यह भी कहता है कि कृत्रिम द्वीप अपने स्वयं के क्षेत्रीय जल पर दावा नहीं करते हैं और अन्य राज्यों के तटीय समुद्रों या विशेष आर्थिक क्षेत्रों के निर्धारण को प्रभावित नहीं करते हैं[5]।

एक एस इसलिए, एक समुद्री बस्ती कभी भी नए क्षेत्रीय जल का केवल "दावा" नहीं कर सकती। .

कानूनी स्थिति:

राष्ट्रीय तटीय जल के बाहर, एक प्लेटफार्म कानूनी रूप से झंडा राज्य के अधीन होता है (या - यदि स्थायी रूप से समुद्र तल से जुड़े हुए हैं - तटीय राज्य), कभी भी "अंतरराष्ट्रीय राज्य" नहीं। एक तटीय राज्य के विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) में, इसकी सहमति आवश्यक है; इसके बिना, एक समुद्री बस्ती तटीय जल (12 NM क्षेत्र) में कम से कम राज्य की संप्रभुता के अधीन होती है।

तकनीकी आवश्यकताएँ:

विशाल तैरते संरचनाओं का निर्माण स्थिरता, जीवन समर्थन, ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स आदि में विशाल निवेशों की आवश्यकता करता है। उन्हें अंतरराष्ट्रीय शिपिंग नियमों (SOLAS, ISPS कोड) का पालन करना चाहिए और उन्हें क्रूज जैसे सुविधाओं के रूप में वर्गीकृत करने की आवश्यकता हो सकती है।

राज्य की प्रतिक्रियाएँ:

कई राज्य समुद्री स्थायी निवासों को संदेह की दृष्टि से देखते हैं। उदाहरण के लिए, थाईलैंड ने 2020 में फुकेत के पास एक प्रयोगात्मक समुद्री स्थायी निवास को खींचा क्योंकि सरकार ने इसे "संप्रभुता का उल्लंघन" माना[6]। कंपनी **ब्लू फ्रंटियर्स** द्वारा फ्रेंच पॉलिनेशिया में योजना बनाई गई तैरती शहर रुकी:

हालांकि 2017 में स्थानीय प्रशासन के साथ एक ज्ञापन था, फ्रेंच सरकार ने चुनावों के बाद समझौते को गैरकानूनी घोषित कर दिया[7]। ये उदाहरण दिखाते हैं: औपचारिक स्वीकृति (मेजबान राज्य का ज्ञापन) के बावजूद, राजनीतिक दबाव या अंतरराष्ट्रीय कानून एक समुद्री स्थायी निवास परियोजना को विफल कर सकते हैं।

विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ)

विशेष आर्थिक क्षेत्र ऐसे सीमांकित क्षेत्र हैं जो एक मौजूदा राज्य के भीतर विशेष आर्थिक नियमों के साथ होते हैं। सामान्यतः, राज्य कर और सीमा शुल्क लाभ, श्रम कानूनों में छूट, या अवसंरचना समर्थन प्रदान करता है। कानूनी रूप से, SEZ आमतौर पर राष्ट्रीय कानून द्वारा स्थापित होते हैं और अपनी स्वयं की प्रशासनिक प्राधिकरण के अधीन होते हैं।

वे अक्सर निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कॉर्पोरेट करों में कमी, आयात या निर्यात पर 0% टैरिफ, और कम नियमों का लाभ उठाते हैं।

सर्वोत्तम-अभ्यास उदाहरणों में शेनझेन (चीन), दुबई पोर्ट्स (यूएई), या भारत और अफ्रीका के निर्यात क्षेत्र शामिल हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्र तब सफल होते हैं जब स्पष्ट नियम, राजनीतिक स्थिरता, और अच्छी अवसंरचना होती है।

कानूनी संरचना:

आम तौर पर, केंद्रीय संसद या राष्ट्रपति एक SEZ कानून को लागू करता है जो एक **SEZ प्राधिकरण** बनाता है। यह प्राधिकरण निवेशकों को भूमि पट्टे पर देने या भूमि देने का अधिकार रखता है। वास्तव में, विकासकर्ता भूमि के लिए उपयोग अधिकार **दीर्घकालिक पट्टा समझौतों** के माध्यम से प्राप्त करते हैं, जो अक्सर 20-50 वर्षों के लिए होते हैं। उदाहरण के लिए, ग़ना में, SEZ प्राधिकरण लंबे समय के लिए भूमि पट्टे पर दे सकता है या बेच सकता है[8]।

सर्वोत्तम अभ्यास:

सफल क्षेत्र अवसंरचना (पोर्ट, हवाई अड्डे, ऊर्जा) में निवेश करते हैं और निवेशकों को कानूनी और निवेश गारंटी प्रदान करते हैं। प्रशासन को पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त होना चाहिए। कई SEZ प्रोत्साहनों पर निर्भर करते हैं जैसे आयात शुल्क छूट, सरलित ब्यूरोक्रेसी, और विशेष श्रम कानून।

राज्यों के साथ पट्टा समझौते: एक निजी ऑपरेटर या अंतर्राष्ट्रीय कंपनी भूमि पट्टे पर देने के लिए एक समझौता कर सकती है। ऐसे पट्टा समझौतों को मेज़बान देश की ढांचे की शर्तों का पालन करना चाहिए (जैसे, निवेश योजनाएँ, पर्यावरणीय नियम)। उदाहरण के लिए, राज्य विदेशी विकासकर्ताओं को भूमि पट्टे पर दे सकते हैं जो फिर SEZ के भीतर बड़े पैमाने पर स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं।

इस प्रकार, **संप्रभुता मेज़बान देश के पास बनी रहती है**, जबकि क्षेत्र को बड़ी आर्थिक स्वतंत्रता मिलती है।

东道国协议

东道国协议 ऐसी संधियाँ हैं जिनमें एक देश दूसरे (या एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन) को अपने क्षेत्र में कुछ अधिकार या असुरक्षाएँ प्रदान करता है।

ऐसे समझौतों में, उदाहरण के लिए, एक संस्थान की कानूनी स्थिति, वीज़ा नियम, कर छूट, या असुरक्षा की गारंटी को परिभाषित किया जाता है।

अच्छी तरह से ज्ञात उदाहरण हैं संयुक्त राष्ट्र संगठनों के साथ मुख्यालय समझौते (न्यू यॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के लिए अमेरिका का समझौता) या यूरोपीय संघ और नाटो के साथ।

राज्य की स्थापना के संदर्भ में, वे इस तरह दिख सकते हैं:

कानूनी स्थिति का नियमन:

राज्य या निवेशक को एक निश्चित कानूनी व्यक्तित्व प्राप्त होता है (जैसे, एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन के समान कानूनी स्थिति)[9].

अधिकार/असुरक्षाएँ: कुछ स्थानीय कानूनों से छूट, कानूनी अभियोजन से असुरक्षा, या आयात कर्तव्यों से छूट।

उदाहरण:

नीदरलैंड द्वारा 2023 में "यूक्रेन क्षति रजिस्टर" पर यूरोप के परिषद के प्रोजेक्ट के साथ हस्ताक्षरित एक समझौता इस रजिस्टर साइट को विशेषाधिकार और आवश्यक संचालन स्वतंत्रता (कर, सीमा शुल्क, असुरक्षा) प्रदान करता है[9]।

सेवाएँ:

आयोजक देश अवसंरचना (जैसे, भूमि, बिजली, टेलीकॉम) सुनिश्चित करता है और वीजा या कर्मियों के साथ सहायता करता है।

कर नियम:

आश्रय देश अक्सर निवेशकों के लिए कर छूट या विशेष कर दरें प्रदान करता है।

एक मॉडल मामला जिनेवा मुख्यालय समझौता है: यह सुनिश्चित करता है कि अंतर्राष्ट्रीय संगठन वहां ऐसे कार्य कर सके जैसे कि वह क्षेत्र से बाहर स्थित हो। एक नए स्थापित समुदाय के लिए, समान समझौतों को उन शर्तों को निर्धारित करना चाहिए जिनके तहत वह कार्य करता है - लेकिन हमेशा आश्रय राज्य की संप्रभुता के तहत औपचारिक रूप से।

बैंकिंग, मुद्रा प्रणाली, और अनुपालन

किसी भी नए या स्वायत्त इकाई को एक वित्तीय प्रणाली की आवश्यकता होती है। निम्नलिखित पहलू केंद्रीय हैं:

बैंकिंग:

या तो एक अलग बैंकिंग प्रणाली स्थापित की जाती है (एक केंद्रीय बैंक के साथ) या क्षेत्र विदेशी मुद्रा और बैंकिंग लाइसेंस नियमों को अपनाता है। नए लोगों को बाधाओं का सामना करना पड़ता है: आधिकारिक मान्यता के बिना, संबंधित बैंकों (SWIFT पहुंच के लिए) को खोजना या लाइसेंस प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है।

उदाहरण सोमालिलैंड:

2012 तक, कोई औपचारिक बैंक नहीं थे; धन हस्तांतरण का प्रबंधन

विदेश से धन हस्तांतरण कंपनियों द्वारा किया जाता था[10]। केवल बढ़ते व्यापार के साथ सोमालीलैंड ने बैंकिंग कानून पेश करना और एक केंद्रीय बैंक[11][10] बनाना शुरू किया।

मुद्रा प्रणाली:

एक नई समुदाय अपनी खुद की मुद्रा जारी कर सकती है, किसी मौजूदा मुद्रा को अपना सकती है (डॉलराइजेशन), या क्रिप्टोक्यूरेंसी का उपयोग कर सकती है। अपनी खुद की नकद स्थापित करने के लिए विश्वास और मुद्रा आपूर्ति का नियंत्रण आवश्यक है - अंतर्राष्ट्रीय स्वीकृति के बिना, व्यक्ति बार्टर या विदेशी मुद्राओं पर निर्भर रहता है। मोनाको (EU सदस्यता के बिना यूरो) या दुबई (दिरहम) जैसे कई छोटे राज्य पड़ोसी शक्तियों या अंतर्राष्ट्रीय रिजर्व मुद्राओं की मुद्राओं का उपयोग करते हैं।

अनुपालन (KYC/AML):

वैश्विक वित्तीय प्रणाली में प्रवेश करने के लिए, नए संगठन को उच्च एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद वित्तपोषण मानकों (FATF मानदंड) का पालन करना होगा। बैंकों को ग्राहकों से पहचान सत्यापन (KYC) की आवश्यकता होती है और संदिग्ध मामलों की रिपोर्ट करनी होती है (AML)। विफलताओं के गंभीर परिणाम हो सकते हैं: IMF के अनुसार, अपर्याप्त एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग उपायों के कारण संबंधित बैंकों का नुकसान हो सकता है, जिसका अर्थ है कि बैंक एक जोखिम भरे वित्तीय केंद्र के साथ सहयोग करने से इनकार करते हैं[12]।

इसलिए एक नए राज्य को एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग कानून लागू करने चाहिए, सूचना के अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान पर सहमत होना चाहिए, और संभवतः एग्मोंट समूह (वित्तीय खुफिया नेटवर्क) में शामिल होना चाहिए। बिना ऐसे अनुपालन के, अन्य वित्तीय खिलाड़ियों का विश्वास तेजी से गिर जाता है।

डिजिटल राज्य निर्माण:

ई-निवास, ब्लॉकचेन शासन, डिजिटल संविधान

डिजिटलीकरण राज्य कार्यों का संचालन करने के नए तरीके खोलता है:

ई-निवास:

एस्टोनिया ने 2014 में दुनिया का पहला **ई-निवास कार्यक्रम** शुरू किया। कोई भी अब एक एस्टोनियाई डिजिटल पहचान प्राप्त कर सकता है ताकि वह व्यवसाय शुरू कर सके और ऑनलाइन बैंक खाता खोल सके - बिना शारीरिक रूप से उपस्थित हुए[13]।

यह "डिजिटल नागरिकता" पासपोर्ट अधिकार प्रदान नहीं करती है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन को सुविधाजनक बनाती है। एस्टोनियाई सरकार इस कार्यक्रम को "नई डिजिटल राष्ट्र" भी कहती है और उम्मीद करती है कि अंततः वहाँ होगा

असली नागरिकों[14] की तुलना में अधिक ई-निवासी।

अन्य देश (जैसे, लिथुआनिया, यूक्रेन) समान मॉडलों पर विचार कर रहे हैं।

ब्लॉकचेन शासन:

सिद्धांत में, सरकार की क्रियाएँ और कानून **स्मार्ट अनुबंध** के रूप में ब्लॉकचेन पर प्रदर्शित किए जा सकते हैं। कुछ परियोजनाएँ विकेंद्रीकृत मतदान प्रणालियों के साथ प्रयोग कर रही हैं (जैसे, एक डीएओ - विकेंद्रीकृत स्वायत्त संगठन का उपयोग करना)। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी पहचान और अनुबंधों को एक सुरक्षित तरीके से प्रबंधित कर सकती है।

डिजिटल संविधान:

बिटनेशन जैसे संकल्पनाओं ने दिखाया है कि संविधान के सिद्धांतों को ब्लॉकचेन पर कैसे संग्रहीत किया जा सकता है। बिटनेशन ने 2016[15] में एथेरियम पर एक स्मार्ट अनुबंध के रूप में अपना "पैंगिया" डिजिटल संविधान प्रकाशित किया।

इस दस्तावेज़ के पहले दस लेख ब्लॉकचेन पर संग्रहीत किए गए थे और यह एक शाश्वत मान्य ढांचा के रूप में कार्य करते हैं जिसे केवल इसके सदस्यों की सहमति द्वारा व्याख्यायित किया जाता है[15]।

ऐसे मॉडल अभी भी प्रयोगात्मक हैं लेकिन यह दर्शाते हैं कि एक समुदाय "कोड" में मौलिक अधिकारों और प्रक्रियाओं को स्थापित कर सकता है। अब तक, वे पारंपरिक कानूनी प्रणालियों के साथ *de facto* काम करते हैं; हालांकि, सिद्धांत रूप में, वे एक डिजिटल सामूहिक में वैधता प्राप्त कर सकते हैं।

सूक्ष्म राष्ट्र – उदाहरण और अंतर्दृष्टियाँ

कई **सूक्ष्म राष्ट्र** ने अपने आपको घोषित किया है, लेकिन इनमें से लगभग कोई भी अंतरराष्ट्रीय मान्यता का आनंद नहीं लेता। ये उदाहरण और उनके "पाठ" शिक्षाप्रद हैं:

सीलैंड के प्रिंसिपैलिटी (1967 से):

उत्तर सागर में एक पुराने समुद्री किले पर घोषित, सीलैंड हमेशा बिना राज्यत्व के एक दिलचस्प उदाहरण बना रहा है। कोई अन्य राज्य इसकी संप्रभुता को मान्यता नहीं देता[16]।

यूके में न्यायालय के निर्णयों ने भी स्पष्ट स्थिति नहीं ली, क्योंकि उस समय प्लेटफ़ॉर्म समुद्री जल क्षेत्र के बाहर था। सीलैंड टाइटल ट्रिंकेट्स (बारोनेट,

पासपोर्ट) को अधिकतर एक पर्यटन आकर्षण के रूप में बेचता है।

हट नदी का प्रिंसिपैलिटी (1970–2020):

एक ऑस्ट्रेलियाई कृषि परिवार ने 1970 में फसल कोटा के खिलाफ विरोध में अपनी भूमि को "प्रिंसिपैलिटी" घोषित किया। दशकों तक, यह अपनी मुद्रा और दस्तावेजों के साथ एक अजीब माइक्रोस्टेट के रूप में संचालित होता रहा - लेकिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पूरी तरह से अलग-थलग रहा। ऑस्ट्रेलिया ने कभी हट नदी को मान्यता नहीं दी[17]।

उच्च कर कर्ज और महामारी के नुकसान के बाद, "छोटे राज्य" को2020[17] भंग कर दिया गया।

पाठ:

मां राज्य और ठोस भंडार के बिना, ऐसा प्रोजेक्ट पीढ़ियों तक जीवित नहीं रह सकता।

लिबरलैंड (2015 से):

चेक लिबर्टेरियन ने क्रोएशिया और सर्बिया के बीच डेन्यूब पर एक अनसुलझी सीमा का दावा किया और "लिबरलैंड" की घोषणा की। विस्तृत प्रचार दौरे और वर्चुअल पासपोर्ट के बावजूद, लिबरलैंड को **संयुक्त राष्ट्र के किसी भी राज्य से कोई आधिकारिक मान्यता**[18] नहीं मिली है।

क्रोएशियाई पुलिस ने पहुंच को अवरुद्ध कर दिया है। लिबरलैंड एक राजनीतिक प्रयोग बना हुआ है (और कर आश्रयों को श्रद्धांजलि) लेकिन वास्तविकता में यह कुछ भी नहीं है।

अन्य:

अन्य दर्जनों के बारे में कई किस्से हैं (नेवादा में मोलोसिया, की वेस्ट में मजाक के रूप में कॉन्क रिपब्लिक, पर्यटक आकर्षण के रूप में सीलैंड और हट नदी), लेकिन मुश्किल से कोई स्थायी राजनीतिक इकाई है। सामान्यतः, यह दिखाता है:

कानूनी राज्य के अस्तित्व के लिए एक आत्म-चुने हुए राज्य कोड या शानदार विचारों से अधिक की आवश्यकता होती है। बल और शक्तियों के साथ संघ के बिना, कोई बाहर ही रहता है। जब रदस्ती के प्रयास (हट नदी ने एक बार 1977 में ऑस्ट्रेलिया पर युद्ध की घोषणा की थी) कुछ मौलिक नहीं बदलते।

~~पाठ:~~

सूक्ष्म राष्ट्र यह दर्शाते हैं कि एक वास्तव में स्वतंत्र राज्य बिना अपने चारों ओर से मान्यता या अनुमति के अस्तित्व में नहीं रह सकता।

शांत पड़ोसी सहिष्णुता (या राज्य की स्वीकृति) पर्यटन के लिए उपयोगी हो सकती है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय कानूनी (de jure) मान्यता के लिए, अन्य राज्यों की नीतियों में सहमति की आवश्यकता होती है। लगभग सभी सूक्ष्म राष्ट्र तब समाप्त हो गए जब राजनीतिक ढांचे में परिवर्तन हुआ।

मान्यता के लिए कूटनीतिक रणनीतियाँ

प्राप्त करना **वास्तविक या कानूनी मान्यता** एक मुख्य रणनीतिक कार्य है। संभावित रास्ते और रणनीतियाँ शामिल हैं:

द्विपक्षीय मान्यताएँ:

पहले, प्रभावशाली राज्यों को समर्थकों के रूप में जीतने का प्रयास किया जाता है। मित्रता या व्यापार समझौतों, राज्य प्रतिनिधियों द्वारा दौरे, या सहायता के प्रस्ताव ("हम मान्यता के बदले अवसंरचना में भाग लेंगे") से स्वीकृति प्राप्त की जा सकती है। हर राजनयिक कार्य (एक दूतावास खोलना, राज्य यात्रा) को निहित मान्यता के रूप में व्याख्यायित किया जा सकता है[19].

अंतरराष्ट्रीय संगठन: नींव के बाद, संयुक्त राष्ट्र सदस्यता (या कम से कम पर्यवेक्षक स्थिति) के लिए प्रयास किया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र के नियमों के अनुसार महासचिव को एक औपचारिक आवेदन और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से एक सिफारिश की आवश्यकता होती है (कोई वीटो मत नहीं!)[19], उसके बाद सामान्य सभा में 2/3 बहुमत की आवश्यकता होती है। यदि सफल होता है, तो राज्य को औपचारिक रूप से स्वीकार किया जाएगा। छोटे संगठनों (WHO, यूनेस्को, IMF) में अक्सर सरल बहुमत से शामिल होना संभव होता है और यह वैधता प्रदान करते हैं।

वास्तविक स्वीकृति: कभी-कभी अन्य राज्यों के लिए **नए प्राणी के साथ वास्तव में बात चीत करना** काफी होता है (जैसे, व्यापार मिशनों को खोलना या वीजा जारी करना)। इसे मौन मान्यता भी माना जा सकता है[19]।

कानूनी तर्क:

कानूनी रूप से, मान्यता को रोकने के लिए ढांचे थे: उदाहरण के लिए, संयुक्त राष्ट्र चार्टर ने गैरकानूनी क्षेत्रीय अधिग्रहण पर प्रतिबंध लगाया, (रोडेशिया, उत्तरी साइप्रस को 1960 के दशक/70 के दशक में कई राज्यों द्वारा बहिष्कृत किया गया[20])।

दूसरी ओर, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने 2010 में यह निर्णय दिया कि सामान्य अंतरराष्ट्रीय कानून नए राज्यों के लिए स्वतंत्रता की घोषणाओं पर कोई सामान्य प्रतिबंध नहीं जानता[21]।

इस प्रकार, स्वतंत्रता की कोई भी घोषणा अपने आप में गैरकानूनी नहीं है - इसकी सफलता अंततः राजनीतिक है।

दबाव और समझौता:

पछिले संप्रभु राज्य के साथ एक वार्ता की गई समझौता मान्यता की अनुमति दे सकता है (जैसे, मंडेला ने दक्षिण अफ्रीका के अपार्थेड के साथ बातचीत की)।

बिना संवाद के, उन राज्यों से प्रतिबंधों या धमकियों का खतरा होता है जो अपने हितों को दांव पर लगाते हुए देखते हैं। कभी-कभी, पूर्ववर्ती सरकार के सहमति देने के लिए (क्षेत्र के कुछ हिस्से, अल्पसंख्यक अधिकार) रियायतें दी जाती हैं।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है:

मान्यता एक राजनीतिक इशारा है। यह – इज़राइल या कोसोवो की तरह – भू-राजनीतिक हितों पर निर्भर कर सकता है।

व्यापक समर्थन (उभरते देशों सहित) अक्सर अस्पष्ट शक्तियों को मनाने के लिए आवश्यक होता है। एक de jure मान्यता प्राप्त राज्य केवल व्यापक अधिकार प्राप्त करता है (जैसे, संयुक्त राष्ट्र की सीट, राजनयिक असुरक्षा)।

इसलिए, राजनयिकों को सहयोगात्मक स्थितियों पर जोर देना चाहिए (जैसे, शांति की प्रतिबद्धता, आर्थिक लाभ, पर्यावरण संरक्षण) और अपनी पहल को रचनात्मक के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए।

ऑफशोर परियोजनाओं के लिए बीमा आवश्यकताएँ

ऑफशोर निर्माण (ड्रिलिंग रिग, तैरते शहर, मोबाइल प्लेटफार्म) विभिन्न जोखिमों को शामिल करते हैं s.

अंतर्राष्ट्रीय बीमा मानक इसलिए विशेष कवरेज पर आधारित होते हैं। सामान्य बीमाओं में शामिल हैं [22][23]:

संपत्ति और व्यवसाय व्यवधान बीमा: मानक नीतियाँ जैसे कि **लंदन मानक ड्रिलिंग बार्ज फॉर्म** या **लंदन प्लेटफार्म नीति** सुविधा को सामग्री क्षति, व्यवसाय व्यवधान (आय की हानि), और परिवहन/स्थापना के दौरान विशेष खतरों से कवर करती हैं [24][22].

उदाहरण के लिए, **"लाभ की हानि" बीमा** (एक दुर्घटना के कारण हानि) और **"वेल नियंत्रण" बीमा** वेल ब्लोआउट (विस्फोट, तेल/गैस रिसाव) के खिलाफ होते हैं [22].

जिम्मेदारी बीमा:

शिपिंग उद्योग में, एक संरक्षण और क्षतिपूर्ति (P&I) क्लब आमतौर पर जिम्मेदारी कवरेज संभालता है। विशेष क्लब (मानक क्लब, GARD, आदि) तैरते ड्रिलिंग और उत्पादन सुविधाओं के लिए नीतियाँ प्रदान करते हैं।

वे व्यक्तिगत चोट और टकराव क्षति **सहित अन्य चीजों को कवर करते हैं**,

"नॉक-फॉर-नॉक" जिम्मेदारी अनुबंधित भागीदारों के बीच, और पर्यावरणीय क्षति[23].

तेल रिसाव के साथ एक दुर्घटना की स्थिति में, नीति पर्यावरणीय सफाई और तीसरे पक्षों से दावों के खर्चों को कवर करती है। बचाव लागत (विकृतियों को हटाना) और तीसरे पक्षों को मुआवजा (पर्यावरण उल्लंघनों के लिए जुर्माने सहित) भी आमतौर पर कवर किए जाते हैं[23]।

व्यावसायिक सुरक्षा:

लागू समुद्री मानकों (ISM कोड, STCW) के कारण, परियोजना को चालक दल का बीमा और व्यावसायिक दुर्घटना बीमा भी प्रदान करना होगा। P&I नीतियों में अक्सर चालक दल के लिए व्यक्तिगत चोट के लाभ शामिल होते हैं[23]।

पर्यावरणीय जोखिम का उदाहरण: एक तट पर तेल की परतें। ऑफशोर उद्योग के लिए विशेष पर्यावरणीय जिम्मेदारी बीमा ऐसे पर्यावरणीय नुकसान (तेल प्रदूषण) के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करते हैं[22][23]।

संक्षेप में: हर ऑफशोर राज्य या ऑपरेटर को व्यापक कवरेज की आवश्यकता होती है। सुविधा के लिए मूल कवरेज और व्यवसाय में रुकावट के अलावा, अनुमोदन के लिए सख्त सुरक्षा मानक (आईएमओ/आईएसओ वर्ग) लागू होते हैं।

बिना इम्पेक्का बीमा के लिए, न तो निर्माण परमिट है और न ही संचालन लाइसेंस। .

अंतर्राष्ट्रीय कर ढांचे

एक नया राज्य या स्वायत्त क्षेत्र कर उद्देश्यों के लिए एक स्वतंत्र क्षेत्र के रूप में माना जाता है। इसे आर्थिक भागीदारों को हतोत्साहित करने से बचने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन करना चाहिए:

कर पारदर्शिता:

कर आश्रय के रूप में लेबल किए जाने से बचने के लिए, नए संस्थान को OECD/EU मानकों (वित्तीय जानकारी का आदान-प्रदान, कर चोरी से लड़ना) का पालन करना चाहिए। अन्यथा, यह प्रतिबंध सूची में समाप्त हो सकता है।

उदाहरण के लिए, EU की वर्तमान "काली सूची" में **एंगुइला, पलाऊ, या वानुआतु** जैसे सूक्ष्म राज्यों को गैर-सहयोगी कर आश्रयों के रूप में शामिल किया गया है[25]।

सूचीबद्ध अधिकार क्षेत्र वित्तीय नुकसान का सामना करते हैं: जैसे कि बाजारों तक कम पहुंच और व्यापार भागीदारों द्वारा कड़ी निगरानी।

डबल टैक्सेशन समझौते (DTA):

Tनिवेशकों और व्यापार को दोहरी कराधान से रोकने के लिए, नए संस्थाओं y

को द्विपक्षीय कर समझौतों को पूरा करना चाहिए। यदि ऐसे समझौते अनुपस्थित हैं, तो रोकने वाले कर और शुल्क अक्सर अधिकतम दर पर लागू होते हैं, जो आर्थिक भागीदारों को हतोत्साहित करता है। सूचना के आदान-प्रदान पर समझौते (TIEAs) और आदर्श रूप से OECD कर सूचना नेटवर्क में सदस्यता भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

अंतर्राष्ट्रीय पहलकदमियाँ:

प्रमुख शक्तियों और संगठनों ने न्यूनतम कर दरें और एंटी-BEPS नियम पेश किए हैं। 2023 से, कॉर्पोरेट लाभ पर 15% का वैश्विक न्यूनतम कर लागू है (कई के लिए) (OECD BEPS परियोजना – "Pillar 2")। एक नए राज्य को इसके लिए एक ढांचा बनाना होगा, अन्यथा, OECD देशों के साथ संघर्ष की संभावना है। एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग मानकों (ऊपर देखें) और FATCA (संयुक्त राज्य अमेरिका) या CRS (OECD) जैसे समझौतों के अनुपालन की भी आवश्यकता है ताकि बैंकिंग संबंधों को सुरक्षित किया जा सके।

कानूनी वर्गीकरण: अंतर्राष्ट्रीय कर विनियम एक संप्रभु अधिकार क्षेत्र के रूप में मान्यता पर आधारित हैं। केवल राज्य आधिकारिक कर पैराड़ाइम पर सहमत हो सकते हैं। एक कम महत्व की इकाई को यह साबित करना होगा कि यह विश्वसनीय और स्थायी रूप से अस्तित्व में है, अन्यथा, संगठन इसे बहुपक्षीय कर समझौतों में शामिल करने से इनकार कर देंगे।

निष्कर्ष:

एक आधुनिक, पारदर्शी कर प्रणाली के बिना, एक नया राज्य आसानी से अलग-थलग पड़ सकता है। OECD/EU द्वारा स्वीकृति इस बात पर निर्भर करती है कि क्या यह वैश्विक नियमों का पालन करता है।

कर स्वर्गों के साथ अनुभव दर्शाता है कि सहयोग की कमी जल्दी ही प्रतिकूल उपायों (प्रतिबंध, व्यापार भागीदारों द्वारा उच्च रोकथाम कर) का परिणाम बनती है।

इसलिए, नए स्थापित राजनीतिक संस्थाओं को अपनी संविधान में शुरुआत से ही स्पष्ट, विश्वसनीय कर प्रणाली को स्थापित करना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय समझौतों के लिए प्रयास करना चाहिए[25]।

स्रोत:

आधुनिक अंतरराष्ट्रीय कानून के पाठों (मोंटेवीडियो सम्मेलन[1][26]), संयुक्त राष्ट्र/आईएमओ नियमों, साथ ही समुद्री स्थायी निवास[3][5][6][7],विशेष आर्थिक क्षेत्र[8], 东道国协议[9], वित्तीय प्रणाली और अनुपालन[11][10][12], डिजिटल राज्य निर्माण[13][15], सूक्ष्म राष्ट्र[17][18][16],मान्यता प्रथाएँ[19], ऑफशोर बीमा[24][22][23], और अंतरराष्ट्रीय कर नीति[25]का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन।

[1] [26] एवेलॉन परियोजना : राज्यों के अधिकार और कर्तव्यों पर सम्मेलन (अंतर-अमेरिकी); 26 दिसंबर, 1933https://avalon.law.yale.edu/20th_century/intam03.asp

[2] eda.admin.ch
https://www.eda.admin.ch/dam/eda/de/documents/das-eda/organisation-eda/dv/voelkerrechtliche-anerkennung-staaten-regierungen_DE.pdf

[3] [4] तैरते हुए संप्रभु तकनीकी द्वीप स्वर्ग? उच्च समुद्रों में तैरते हुए कृत्रिम द्वीपों के कानूनी ढांचे और स्थिति पर – अंतरराष्ट्रीय कानून ब्लॉग
https://internationallaw.blog/2023/11/13/floating-sovereign-tech-island-paradises-on-the-legal-framework-and-status-of-floating-artificial-islands-in-the-high-seas/

[5] cs.brown.eduhttps://cs.brown.edu/courses/csci1800/sources/assignments/संयुक्त राष्ट्र_Convention.pdf

[6] समुद्री स्थायी निवास – अमीरों के लिए एक दिखावटी परियोजना या मानवता का भविष्य?| महासागरीय| गार्जियन
https://www.theguardian.com/environment/2020/jun/24/seasteading-a-vanity-project-for-the-rich-or-the-future-of-humanity

[7] तैरते हुए शहर परियोजना – समुद्री स्थायी निवास संस्थान
https://www.seasteading.org/floating-city-project/

[8] विशेष अधिकार क्षेत्र के जर्नल
https://journalofspecialjurisdictions.com/index.php/jsj/article/download/43/20/194

[9] गैस्टलैंडवर्ड्राग, नीदरलैंड के राज्य और यूरोप की परिषद के बीच, यूक्रेन के खिलाफ रूसी संघ द्वारा की गई आक्रमण से उत्पन्न क्षति के रजिस्टर के स्थान के संबंध में; स्ट्रासबर्ग, 14 जुलाई 2023https://rd4u.coe.int/documents/358068/372244/Host+राज्य+Agreement.pdf/e6e12d32-69fe-5767-9147-11bbfef8f5f0?t=1708702341162

[10] [11] सोमालिलैंड नई बैंकिंग युग की ओर बढ़ रहा है | विकास का भविष्य | यह

गार्जियन
https://www.theguardian.com/global-development/2012/jul/23/somaliland-towards-news-banking-era

[12] एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण से लड़ना
https://www.imf.org/en/Topics/Financial-Integrity/amlcft

[13] [14] एस्टोनिया ई-रेसिडेंसी और ब्लॉकचेन शासन, समझाया - कॉइनसेंट्रल
https://coincentral.com/estonia-e-residency-blockchain-governance-explained/

[15] sciencespo.fr
https://www.sciencespo.fr/public/chaire-numerique/wp-content/uploads/2023/11/chaire-digitale-g-tusseau-consitutionalism.pdf

[16] सीलैंड का प्रिंसिपैलिटी | यूसी भूगोल
https://legacy.geog.ucsb.edu/the-principality-of-sealand/

[17] WA का हट नदी प्रांत, ऑस्ट्रेलिया का सबसे पुराना सूक्ष्म राष्ट्र, साम्राज्य में फिर से शामिल होने के लिए तैयार - एबीसी समाचार
https://www.abc.net.au/news/2020-08-03/hutt-river-province-dissolves-into-commonwealth/12518898

[18] लिबरलैंड - विकिपीडिया
https://en.wikipedia.org/wiki/Liberland

[19] [20] [21] राजनयिक मान्यता - विकिपीडिया
https://en.wikipedia.org/wiki/Diplomatic_मान्यता

[22] [23] [24] ऑफशोर तेल प्लेटफार्मों का बीमा
https://www.atlas-mag.net/en/article/insurance-of-offshore-oil-platforms

[25] ईयू गैर-सहयोगी क्षेत्राधिकारों की सूची कर उद्देश्यों के लिए - कंसिलियम
https://www.consilium.europa.eu/en/policies/eu-list-of-non-cooperative-jurisdictions/

👓 इसके बारे में और पढ़ें:

🌐 वेबसाइट - WSD - वशि्व उत्तराधकिार अधनियिम 1400/98http://world.rf.gd

🌐 वेबसाइट - इलेक्ट्रकि तकनीकशास्त्र
http://ep.ct.ws

📘 ईबुक पढ़ें और मुफ्त PDF डाउनलोड करें:
http://4u.free.nf

🎥 यूट्यूब चैनल
http://videos.xo.je

🎙️ पॉडकास्ट शो
http://nwo.likesyou.org

🚀 स्टार्ट-पेज WSD & इलेक्ट्रकि पैराडाइज
http://paradise.gt.tc

🗣️ NotebookLM चैट WSD में शामलि हों:
http://chat-wsd.rf.gd

🗣️ NotebookLM चैट इलेक्ट्रॉनकि पैराडाइज में शामलि हों:
http://chat-et.rf.gd

🗣️ NotebookLM चैट नेशन बलि्डगि में शामलि हों:
http://chat-kb.rf.gdhttp://micro.page.gd

🖼️ सूक्ष्म राष्ट्र की कहानी पुस्तक: स्लैक्टविसि्ट का जंगल बचाने का मार् गदर्शक (एक देश घोषति करके)https://g.co/gemini/share/9fe07106afff

📜 खरीददार की संस्मरण: अनजाने में संप्रभुता की यात्रा📜http://ab.page.gd

🌚 ब्लैकसाइट ब्लॉग:
http://blacksite.iblogger.org

🎧 कसंड्रा क्राइज़ - आइसकोल्ड एआई म्यूजिक बनाम WWIII ऑन साउंडक्लाउडhttp://listen.free.nf

🪖 यह युद्ध विरोधी संगीत है
http://music.page.gd

🎗️ हमारे मिशन का समर्थन करें:http://donate.gt.tc

🛍️ समर्थन दुकान:
http://nwo.page.gd

🛒 समर्थन स्टोर:
http://merch.page.gd

📚 यूनिवर्सल / अनिवार्य मूल आय (UBI)http://ubi.gt.tc

🖼️ UBI कहानी पुस्तक: विशिमास्टर और मशीनों का स्वर्ग:
https://g.co/gemini/share/4a457895642b

📽️ यूट्यूब व्याख्यात्मक वीडियो सार्वभौमिक मूल आय (UBI):https://youtu.be/cbyME1y4m4o

🎧 पॉडकास्ट एपिसोड सार्वभौमिक मूल आय
(UBI):https://open.spotify.com/episode/1oTeGrNnXazJmkBdyH0Uhz

🌍 वीडियो: अपने राज्य को वास्तविकता में बदलें
https://youtu.be/zGXLeYJsAtc

🗺️ वीडियो: अपने देश की शुरुआत कैसे करें (बिना गिरफ्तार हुए)
https://youtu.be/KTL6imKT3_w

📜 वीडियो: झंडे, कानून और न तो मनुष्य की भूमि: एक आधुनिक सूक्ष्म राज्य की शारीरिक रचना 🌐
https://youtu.be/ToPHDtEA-JI

🛠️ DIY सूक्ष्म राष्ट्र संप्रभुता: संविधान और स्वतंत्रता की घोषणा के लिए चरण-दर-चरण निर्देश ⚖️https://youtu.be/WsJetIljF5Q

🚀 आपका राष्ट्र 30 दिनों में: विचार, क्षेत्र, संकल्पना, योजना🪩
https://youtu.be/JSk13GnVMdU

🪩 ब्लॉगपोस्ट:

👍 UBI - अनविार्य मूल आयें और इलेक्ट्रॉनकि तकनीक्रेसी
https://worldsold.wixsite.com/electric-technocracy/post/ubi-unconditional-basic-income-electronic-technocracy

👍 बीजीई - बेडगिुंग्स्लोजेस गरुंडईकॉमेन और इलेक्ट्रॉनकि तक्नोक्रेसी
https://worldsold.wixsite.com/electric-technocracy/de/post/bge-bedingungsloses-grundeinkommen-elektronische-technokratie

🏴 अब या कभी नहीं: अपना खुद का राज्य स्थापति करें - एआई समर्थन के साथ संप्रभुता
https://worldsold.wixsite.com/world-sold/en/post/ai-chat-now-or-never-establish-your-own-state

🏴 अब या कभी नहीं: अपने खुद के राज्य की स्थापना करें - KI-चैट सहायता के साथ संप्रभुता
https://worldsold.wixsite.com/world-sold/post/deinen-eigenen-staat-gruenden-souveraenität-mit-ki-chat-begleitung
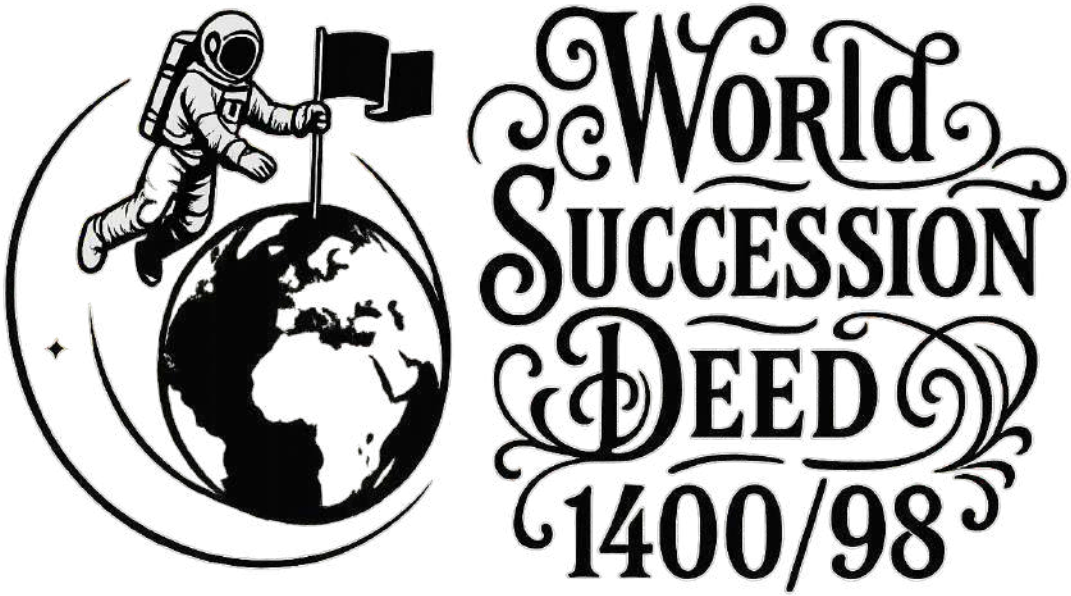
---